जबलपुर गुरुवार 16 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष 32 अंक 21 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 35.6°C
न्यूनतम तापमान 26.4°C
सूर्योदय - 5.34 | सूर्यास्त - 6.59

अवैध कीटनाशक बेचते हुए फोटो खींचना पड़ा भारी... ⏩ 4

थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जना... ⏩ 7

पुलिस अधीक्षक कटनी ने पदोन्नत अधिकारियों के कंधों... ⏩ 9

खतरे में देश की परमाणु सुरक्षा!

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम के डेटा में सेंध

नई दिल्ली। तमिलनाडु स्थित देश के सबसे बड़े कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट से जुड़ी संवेदनशील डेटा लीक हो गई है। वर्ल्ड लीक्स नाम के दो हैकर ग्रुप ने इस पावर प्लांट की जानकारियों को पोस्ट किया है, जिसमें प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट (नक्शे), सप्लायर्स की जानकारी, मीटिंग और इंस्पेक्शन रिकॉर्ड्स, उपकरणों के रिव्यू और इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े करीब 19,000 जरूरी दस्तावेज की डिटेल शामिल है।

वर्ल्ड लीक्स हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि ये दस्तावेज अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के हैं, जो इस प्लांट में कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम कर रहा है। तमिलनाडु में स्थित कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट भारत के सात परमाणु संयंत्रों में सबसे बड़ा है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने बताया कि उसके डेटा में आंशिक सेंधमारी की गई है। कंपनी ने बताया कि यह डेटा थर्ड पार्टी डेटा सेंटर सर्विस प्रोवाइडर योट्टा के सर्वर पर होस्ट

था। रिलायंस ने इस घटना की जानकारी भारत सरकार को दे दी है। हालांकि कंपनी ने ये नहीं बताया है कि किस तरह का डेटा चोरी हुआ है। परमाणु सुरक्षा संबंधी मामलों में सरकारों को सलाह देने और देशों की तैयारियों का आकलन करने वाली संस्था न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव के सीनियर डायरेक्टर निकोलस रोथ ने कहा कि डेटा लीक से प्लांट की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। इस तरह की घटना ने कंपनियों पर सवाल खड़ा कर दिया है कि वे इन खतरों से निपटने में कितने सक्षम हैं।

लीक हुई 19,000 फाइलें सबसे संवेदनशील

न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि उसने लीक हुए दस्तावेजों की जांच की है, जो साल 2016 से लेकर 2025 के बीच के हैं। हालांकि न्यूज एजेंसी ने इन फाइलों के असली होने की पुष्टि नहीं की है। वर्ल्ड लीक्स वेबसाइट पर मौजूद रिलायंस की कुल 858,000 फाइलों में से 19,000 फाइलें सबसे संवेदनशील और सीक्रेट लगती हैं। रिलायंस ग्रुप की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को साल 2018 में कुडनकुलम प्लांट की यूनिट 3 और यूनिट 4 के डिजाइन और कंस्ट्रक्शन का कॉन्ट्रैक्ट मिला था। फिलहाल ये दोनों यूनिट्स बन रही है और साल 2027 तक इसके चालू होने की उम्मीद है। चालू होने के बाद इससे कुल 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

कौन है वर्ल्ड लीक्स ग्रुप?

इस हैकर ग्रुप का मेन काम कंपनियों का डेटा चुराकर फिरौती वसूलना है। अगर इसे पैसे नहीं दिए गए तो यह डेटा को डार्क वेब पर सार्वजनिक कर देता है। इससे पहले यह ग्रुप नाइक और भारत के टाटा ग्रुप को भी निशाना बना चुका है। इस ग्रुप ने जून में टाटा ग्रुप के डेटा लीक किया था, जिसमें एप्पल और टेस्ला जैसे बड़े ब्रांड्स के कॉन्फिडेंशियल कंपोनेंट डिजाइन शामिल थे। उस समय हैकर्स ने 15 लाख डॉलर की मांग की थी। कंपनी ने पैसे देने से इनकार किया तो डेटा लीक कर दिया गया था।

कैसे लीक हुआ डेटा

1. रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है।
2. कंपनी का कुछ डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था।
3. योट्टा ने सर्वर पर 29 मई 2026 को संदिग्ध गतिविधि देखी। दावा किया कि साइबर अटैक रोक दिया।
4. जून के अंत में रिलायंस ने योट्टा को बताया कि वर्ल्ड लीक्स नामक हैकर समूह डेटा चोरी का दावा कर रहा है।
5. डार्क वेब पर करीब 8.58 लाख फाइलों में से लगभग 19 हजार संवेदनशील दस्तावेज अपलोड करने का दावा किया गया।
6. लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्लूप्रिंट, सप्लायरों की जानकारी, निरीक्षण रिकॉर्ड, बैठकों के दस्तावेज की फाइलें शामिल हैं।

21 जुलाई को जबलपुर हाईकोर्ट में पेश होंगे 3 राज्यों के डीजीपी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

देश में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों और जांच में हो रही देरी पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जबलपुर की एक बुजुर्ग महिला से 6.24 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम के पुलिस महानिदेशकों को 21 जुलाई 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने गृह मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और दूरसंचार विभाग को भी पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध की जांच में हर सेकेंड महत्वपूर्ण होता है और रियल टाइम समन्वय के बिना अपराधियों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। दरअसल, जबलपुर के गोरा बाजार निवासी और बैंक से सेवानिवृत्त चैताली मित्रा ने याचिका दायर कर बताया कि क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर उनसे 6.24 लाख रुपए की साइबर ठगी हुई। उन्होंने स्थानीय थाना और एसपी स्तर तक शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट की शरण ली। जस्टिस हिमांशु जोशी की कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध की जांच में समय सबसे बड़ा कारक है। यदि पुलिस तेजी से कार्रवाई नहीं करेगी तो अपराधी हर बार बच निकलेंगे। कोर्ट ने राज्यों और संबंधित विभागों के बीच रियल टाइम जांच तंत्र विकसित करने की जरूरत बताई। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम के डीजीपी को 21 जुलाई 2026 को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होकर जांच की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई इसी दिन होगी।

बाबू जगमोहनदास का 63वां स्मृति दिवस आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के लोकप्रिय यशस्वी नेता और मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री बाबू जगमोहनदास का 63 वां स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज गुरूवार 16 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे से उनके प्रतिमास्थल, एल्गिन अस्पताल चौराहा, (रानी दुर्गावती अस्पताल) में किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, सौरभ शर्मा, नगर महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलेश यादव, जिला कांग्रेस कमेटी, ग्रामीण अध्यक्ष, संजय यादव, शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष, सतीश तिवारी, जिला कांग्रेस ग्रामीण सेवादल अध्यक्ष शिव नामदेव, युवक कांग्रेस अध्यक्ष, सत्येंद्र कुकरेले, एनएसयूआई अध्यक्ष सचिन रजक ने की है। कार्यक्रम उपरांत नि:शक्तजनों के लिए भोजन की व्यवस्था की गयी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला है आदर्श आंगनवाड़ी : मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला है। सरकार द्वारा छोटे बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएसआर फंड से बनाए गए सदावल में स्थित इस आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये गये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरंतर इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित रूप से विकास किया जा रहा है, जिससे निरंतर उनकी दशा में सकारात्मक परिवर्तन आ रहे हैं।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बच्चों के विकास एवं पढ़ाई के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उज्जैन के स्वेज फार्म सक्षम आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र के अवलोकन एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम में उक्त बातें कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण आहार सप्ताह के अंतर्गत लगाई गई पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए सर्व सुविधा युक्त पक्के भवन, फर्नीचर, खिलौने, पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, प्रारंभिक शिक्षा सब कुछ एक ही छत के नीचे एक ही जगह उपलब्ध करवाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंगनवाड़ी केंद्र में व्यवस्थाओं का अवलोकन कर बच्चों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंगनवाड़ी केंद्र पर फूड जोन, स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष, मेडिसिन कक्ष का अवलोकन कर जानकारी ली।

उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से हजारों साल पुराना संबंध रहा है। उज्जैन के राजा इंद्रसेन ने वर्तमान ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बाबा जगन्नाथ का भव्य मंदिर बनवाया था। यहां पर गोपाल कृष्ण, भगवान बलराम और बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं प्रतिष्ठापित हैं। सनातन संस्कृति के 4 धामों में ओडिशा का जगन्नाथपुरी तीर्थस्थल भी विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पूर्व निर्धारित नई दिल्ली प्रवास के कारण उज्जैन की जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन में वे गुरुवार को शामिल नहीं हो पाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के कार्तिक चौक स्थित भगवान जगदीश मंदिर में पूजा कर दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार देश में हो रहे विकास के विशेष प्रयासों से कदम से कदम मिलाकर चल रही है। आज बदलते दौर में प्रदेश के साथ विशेष रूप से उज्जैन का माहौल भी बदला है। उज्जैन में वर्ष 2028 में भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन की तैयारियां जारी हैं।

पटना हाईकोर्ट के जस्टिस के फैसले पर सीजेआई नाखुश

कहा- जज रिसर्च करें, गाइडलाइन पढ़ें

नई दिल्ली/पटना। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि बंद कमरे में जबरदस्ती महिला का सीना दबाना, सलवार उतारने की कोशिश करना रेप की कोशिश नहीं है। हाईकोर्ट ने 9 जुलाई को यह आदेश दिया और आरोपी को बरी कर दिया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत ने इस पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा- जजों को संवेदनशील होना चाहिए और रिसर्च करनी चाहिए। जज कानूनी पड़ताल के बिना फैसले दिए जा रहे हैं। हम पटना हाईकोर्ट के फैसले की विस्तार से समीक्षा करके विस्तृत आदेश जारी करेंगे।

सीबीएसई ओएसएम मार्किंग पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगी सुधार के उपायों पर रिपोर्ट

नई दिल्ली।

सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में सामने आई तकनीकी गड़बड़ियों और मूल्यांकन से जुड़े विवादों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और सीबीएसई को निर्देश दिया है कि वह सुधार के लिए किए जा रहे उपायों की पूरी जानकारी दें। एक सप्ताह बाद मामले की दोबारा सुनवाई होगी।

एक छात्र की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, युवा छात्रों में बहुत निराशा है। इसे देखा जाना चाहिए। बेंच के सदस्य जोयमाल्या बागची ने कहा, व्यवस्था में कुछ समस्याएं धीरे-

धीरे सामने आ रही हैं। हम चाहते हैं कि उनके समाधान में आप हमारी सहायता करें। कोर्ट में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जजों को बताया कि इस छात्र की व्यक्तिगत मार्कशीट से जुड़े मुद्दों को सुलझा लिया गया है।

मेहता ने कोर्ट को यह भी बताया कि मूल्यांकन प्रणाली में सुधार के लिए पूर्व आईएएस अधिकारी एस राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। पिछले महीने ओएसएम प्रणाली में सामने आई समस्याओं की जांच के लिए एक सदस्यीय कमिटी का गठन किया गया था। कमिटी को तकनीकी खामियों के कारण मूल्यांकन में हुई दिक्कतों की जांच करने को कहा गया है। साथ ही उसे ओएसएम सिस्टम की खरीद प्रक्रिया और टेंडर शर्तों की समीक्षा का ज़िम्मा भी दिया गया है। मूल्यांकन की गड़बड़ियों के सामने आने के बाद सीबीएसई में भी बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया था। इसके तहत कई वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया गया। अब मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने भी दखल दिया है।

कांग्रेस हाईकमान चन्नी से नाराज

जवाब तलब कर पंजाब प्रभारी को छत्तीसगढ़ लौटाया

लुधियाना। विधानसभा चुनाव से करीब 7 महीने पहले पंजाब कांग्रेस में मचे घमासान को लेकर हाईकमान में भी मतभेद हो गए हैं। कांग्रेस सोर्सेज के मुताबिक इस मामले में राहुल गांधी की टीम और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अलग-अलग राय है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल व पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल नहीं चाहते थे कि राजा वड़िंग को प्रधान की कुर्सी से हटाया जाए। वहीं, खड़गे बदलाव को लेकर चर्चा करने के पक्ष में हैं। यही वजह है कि केसी वेणुगोपाल से एक घंटे मीटिंग के बाद खड़गे ने भी बघेल को तलब कर पंजाब की स्थिति पर

सवाल-जवाब किए। इसके बाद बघेल को वापस छत्तीसगढ़ भेज दिया। इधर, राहुल और खड़गे बागी गुट से नाराज हैं। पार्टी सूत्र बताते हैं कि ये दोनों नेता अब चरणजीत सिंह चन्नी से नहीं मिलना चाहते। पार्टी महासचिव वेणुगोपाल ही आलाकमान का अंतिम फैसला पंजाब कांग्रेस सांसदों से मिलकर सुनाएंगे। अब राहुल गांधी कभी भी इस बारे में नया फैसला ले सकते हैं। हालांकि, अभी तक इस मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान या फिर दूसरे नेता कुछ भी ऑफिशियली बोलने को तैयार नहीं है। इससे पहले बुधवार को हाईकमान ने अचानक विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा को दिल्ली बुलाया, जहां केसी वेणुगोपाल से उनकी मीटिंग हुई। तब यह भी चर्चा रही कि वड़िंग से इस्तीफा लेकर बाजवा को प्रधान बना सकते हैं, लेकिन बाजवा इसके बाद पंजाब लौट आए। पंजाब आकर उन्होंने पूर्व सीएम चन्नी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि बाजवा के जरिए हाईकमान ने अपना संदेश चन्नी को भेजा है।

इसी बीच चन्नी गुट ने भी प्रभारी के बाद कांग्रेस हाईकमान को आंखें दिखानी शुरू कर दी हैं। चन्नी गुट ने पंजाब में सोशल मीडिया पर 'सारा पंजाब चन्नी दे नाल' मुहिम शुरू की है। चन्नी गुट के नेता सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहे हैं और चन्नी के साथ होने का दावा कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल का कहना है कि पंजाब में कोई बदलाव नहीं होगा। यह गुड्डा-गुड्डी का खेल नहीं है। मैंने सभी पक्षों से पंजाब में बात की है और केसी वेणुगोपाल को रिपोर्ट दे दी है।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई बड़े फैसले

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण को मंजूरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के दूसरे चरण 1.27 लाख करोड़ रुपये की मंजूरी दी। इसके अलावा 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच छह लेन के नए एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एनएच-31 को वाराणसी रिंग रोड से जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर लंबे छह/चार लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है, जिसकी लागत 10,998.32 करोड़ रुपये होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, काशी में हर साल करीब 15 करोड़ पर्यटक आ रहे हैं। यहां बुनियादी ढांचे के विकास का बहुत काम हुआ है और आज एक अगले स्तर के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दो बड़ी मंजूरियां दी गई हैं। वरुणा नदी के किनारे पूरा 6 लेन और 4 लेन एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी मिली है। यह बहुत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके साथ ही काशी में गंगा के साथ-साथ एक पूरा छह-लेन वाला एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा। वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर और गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर मिलकर शहर के ट्रैफिक को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। मंत्रिमंडल ने मोबाइल विनिर्माण से जुड़ी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के दूसरे चरण के लिए 62,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाना और एक भारतीय फोन ब्रांड को विकसित करना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रोत्साहन आधारित इस नई योजना से लगभग 15 लाख करोड़ रुपये का निर्यात और 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा, मंत्रिमंडल ने मोबाइल फोन की दूसरी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के दूसरे चरण के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जिससे करीब चार लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। सरकार के अनुसार इस योजना अवधि के दौरान दो लाख करोड़ रुपये मूल्य का सेमीकंडक्टर उत्पादन होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के

सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण परिवेश के विकास के लिए 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी है। सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के इस नए चरण में चिप बनाने वाले उद्योग में खनिज और गैस जैसे कच्चे माल की आपूर्ति करने वालों को भी प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। वैष्णव ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये के व्यय के साथ 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को मंजूरी दी है।'' नई योजना में सेमीकंडक्टर परिवेश की पूरी वैल्यू चैन शामिल है। उन्होंने कहा, 'सेमीकॉन 2.0 के छह स्तंभ होंगे। पहला स्तंभ चिप डिजाइन का होगा।' मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम स्वदेशी चिप के डिजाइन, विकास और उत्पादन पर ध्यान देगा। उन्होंने कहा, 'इस कार्यक्रम के अंत तक हम स्वदेशी चिप के उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएंगे।' सरकार ने 'इंडिया सेमीकॉन मिशन' के पहले संस्करण के लिए 76,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

यूरिया उत्पादन को लेकर फैसला

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय निवेश नीति-2026 को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य देश में एक करोड़ टन अतिरिक्त यूरिया उत्पादन क्षमता सृजित करना और सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाले इस उर्वरक के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूर नए निवेश ढांचे के तहत प्राकृतिक गैस आधारित आठ से नौ नए यूरिया संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

रेल परियोजना को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने रेल मंत्रालय के दो बड़े प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दे दी है। इन परियोजनाओं पर लगभग 3,907 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इनमें पारादीप-हरिदासपुर रेलवे लाइन को डबल किया जाएगा तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी का फोर्थ रेल लाइन का निर्माण किया जाएगा। सरकार ने कहा, इन रूटों पर ट्रैक की संख्या बढ़ने से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी, भीड़भाड़ कम होगी और भारतीय रेलवे की सर्विस पहले से बेहतर और समय की पाबंद होगी।

तपिश और उमस के बीच जबलपुर में राहत की बौछारें

5 दिन बाद बदला मौसम का मिजाज

हल्की बारिश से मिली राहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण उमस और तपिश के बाद आखिरकार बुधवार की शाम को मौसम ने थोड़ी करवट ली। दिनभर की भारी उमस और बेचैनी के बाद शाम होते ही शहर के कुछ इलाकों में अचानक बादलों का डेरा जमा और हल्की बारिश शुरू हो गई। इस मानसूनी फुहार ने पिछले कुछ समय से तीखी गर्मी झेल रहे शहरवासियों को एक तात्कालिक और सुखद राहत का अहसास कराया। गौरतलब है कि जबलपुर के लोग पिछले पांच दिनों से लगातार भीषण उमस के चलते बेहद परेशान थे। हवा की सुस्त रफ्तार और वातावरण में नमी की भारी मात्रा के कारण सुबह से ही पसीने से तरबतर कर देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में बुधवार की शाम को आई इस बारिश ने लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी और कई दिनों के लंबे इंतजार के बाद उन्हें इस चिपचिपी गर्मी से थोड़ी राहत नसीब हुई।

पानी गिरने के बावजूद नहीं आई ठंडक

हालांकि, मौसम का यह बदला हुआ मिजाज बहुत आक्रामक नहीं था। शहर के सभी हिस्सों में एक समान बारिश नहीं हुई और जहां बादल बरसे भी, वहां बरसात अपेक्षाकृत काफी हल्की और बेहद कम समय के लिए ही दर्ज की गई। थोड़ी देर की इस बूंदाबांदी और रिमझिम फुहारों के बाद बादल फिर से शांत हो गए, जिससे यह बारिश उमस भरे माहौल में महज एक क्षणिक राहत बनकर रह गई। इस बारिश के बावजूद तापमान के मोर्चे पर कोई बड़ी राहत हाथ नहीं लगी। मौसम के जानकारों के अनुसार, अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री दर्ज किया गया। भले ही शाम को कुछ इलाकों में पानी गिरा हो, लेकिन इससे तापमान में कोई खास गिरावट दर्ज नहीं की गई है। हवा में उमस का स्तर अभी भी ऊंचा बना हुआ है, जिससे लोगों को पूरी तरह ठंडक का अहसास नहीं हो पा रहा है। इस आंशिक राहत के बाद अब शहरवासियों को मानसून की एक अच्छी और झमाझम बारिश का इंतजार है।

चक्रवर्ती जन कल्याण महासंघ की बैठक हुई सम्पन्न

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । चक्रवर्ती जन कल्याण महासंघ की आवश्यक बैठक गत दिवस गोसलपुर में संपन्न हुई। बैठक में आने वाले पर्व को लेकर रणनीतियां तैयार हुई एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों को निष्ठा के साथ दायित्व निभाने की हिदायत दी गई। इस दौरान जन कल्याण महासंघ अध्यक्ष ओम प्रकाश चक्रवर्ती, बसंत चक्रवर्ती, सोनू चक्रवर्ती, सूरज चक्रवर्ती, अनिल चक्रवर्ती ,जीतू चक्रवर्ती ,संतोष चक्रवर्ती,अजय चक्रवर्ती ,करण चक्रवर्ती ,सतीश चक्रवर्ती अनिल चक्रवर्ती, रोहित चक्रवर्ती ,महेंद्र चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे।

पूरी बिजली व्यवस्था का मस्तिष्क है पावर मैनेजमेंट कंपनी का कंट्रोल रूम

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दी जनसंचार की जानकारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी का कंट्रोल रूम उस मस्तिष्क की तरह कार्य करता है, जो यह तय करता है कि किस समय कितनी बिजली कहाँ से ली जाए, किसे कितनी दी जाए और पूरी व्यवस्था सुरक्षित तथा संतुलित रहे। यह बात पावर मैनेजमेंट के कार्यपालक निदेशक राजीव गुप्ता ने आज रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के जनसंचार विद्यार्थियों को दी। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के बीए मास कम्युनिकेशन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी इन दिनों पावर मैनेजमेंट कंपनी के जनसम्पर्क कार्यालय में कार्य अनुभव हासिल कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने कंट्रोल रूम की रियल टाइम कार्यप्रणाली को देखा और महसूस किया कि यह पूरी प्रक्रिया कितनी जटिल व संवेदनशील है। इस दौरान उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और बताया कि मध्यप्रदेश में अभी तक की सर्वाधिक बिजली की मांग 19895 मेगावाट दर्ज हुई है जबकि प्रदेश में बिजली की उपलब्धता 26013 मेगावाट है।

संचालन और समन्वय करने वाला प्रमुख केंद्र- कार्यपालक निदेशक राजीव गुप्ता ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि पावर मैनेजमेंट कार्यालय राज्य की विद्युत व्यवस्था का संचालन और समन्वय करने वाला प्रमुख केंद्र होता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्रों में मांग के अनुसार पर्याप्त और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध रहे। जनसंचार के विद्यार्थियों को रियल टाइम मॉनीटर के माध्यम से जानकारी दी गई कि किस प्रकार पावर मैनेजमेंट कार्यालय राज्य की बिजली मांग, उत्पादन, खरीद, शेड्यूलिंग और ग्रिड समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित करता है कि मध्यप्रदेश के करोड़ों उपभोक्ताओं को यथासंभव निर्बाध और किफायती विद्युत आपूर्ति मिलती रहे। कार्य अनुभव प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत वरिष्ठ छायाकार अजय धाबर्डे ने विद्यार्थियों को कैमरे के तकनीकी पक्ष की जानकारी दी और आउटडोर फोटोग्राफी का प्रशिक्षण दिया।

शरद सेठ अध्यक्ष एवं विजय तिवारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

सिहोरा में हुआ पत्रकार कल्याण परिषद का गठन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश में पत्रकार कल्याण परिषद की कार्यकारिणी का गठन किया गया। संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी के नेतृत्व में सिहोरा में स्थानीय पत्रकारों की बैठक संपन्न हुई जिसमें रीवा संभाग के संयोजक हमीद खान एवं संरक्षक महेश तिवारी मौजूद रहे। स्थानीय पत्रकारों ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया इसमें संरक्षक अनिल अग्रवाल ,अध्यक्ष शरद सेठ ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय तिवारी को घोषित किया गया इसके अलावा कार्यकारिणी का विस्तार सर्वसम्मति से प्रस्तावित है। इस अवसर पर राजकुमार तिवारी, नरेश सिंह चौहान, सत्येंद्र तिवारी, प्रशांत बाजपेई ,गंगा पटेल, मोहन सोंधिया, विवेक सेठ ,संतोष साहू, सुधांशु सेठ एवं अन्य स्थानीय पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने स्वच्छ पत्रकारिता और सफल पत्रकार की अवधारणा पर आगे बढ़कर कार्य करने और पत्रकार कल्याण परिषद को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

सेंट अलॉयसियस स्कूल रिमझा में तोड़फोड़ की निष्पक्ष जांच की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र जागरूक क्रिश्चियन मंच ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हाल ही में सेंट अलॉयसियस हायर सेकेंडरी स्कूल, रिमझा पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। मंच ने जिला कलेक्टर और पुलिस कप्तान से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। जागरूक क्रिश्चियन मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि कुछ तथाकथित हमलावरों ने बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर स्कूल पर धावा बोला। हमलावरों ने धर्मांतरण का बेबुनियाद आरोप लगाते हुए स्कूल परिसर में जमकर तोड़फोड़ की और भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इस घटना से पूरे ईसाई समाज में गहरा रोष और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। मंच ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जिस कर्मचारी ने स्कूल पर धर्मांतरण के आरोप लगाए हैं, उसे केवल एक वर्ष के लिए अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) पर नियुक्त किया गया था।

भव्य शोभायात्रा के साथ चेरीताल खेरमाई मंदिर में देव प्रतिमाओं की हुई प्राण प्रतिष्ठा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

न्यू चेरीताल स्थित प्राचीन खेरमाई मंदिर में आषाढ़ मास की हलहारिणी अमावस्या के पावन अवसर पर माता महाकाली, श्री हनुमान जी महाराज और श्री भैरव महाराज की नवीन प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यक्रम विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर क्षेत्र में चारों ओर भक्ति का माहौल रहा। प्रतिमाओं की स्थापना से पूर्व भक्तों और आयोजकों द्वारा एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य आयोजक रामस्वरूप रजक ने बताया कि यह शोभायात्रा प्राचीन खेरमाई मंदिर से प्रारंभ होकर पारिजात बिल्डिंग, वसुंधरा कॉलोनी और संगम कॉलोनी से होते हुए वापस खेरमाई मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और माता रानी व देव प्रतिमाओं के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, जिससे पूरा मार्ग धर्ममय हो उठा। मंदिर परिसर में पिछले तीन दिनों से वैदिक पंडितों के सानिध्य में विशेष पूजन, अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे थे। अमावस्या के दिन सुबह से ही विशेष अभिषेक, हवन-पूजन और मंत्रोच्चार के साथ देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम संपन्न कराया गया। अनुष्ठान की पूर्णाहूति के बाद उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। आषाढ़ अमावस्या का विशेष संयोग होने के कारण इस आयोजन में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से रामस्वरूप रजक, रमेश रजक, दिनेश पटेल, राज मिस्त्री, राजू पटेल, पप्पू श्रीवास सहित आसपास के क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

ज्वर पीड़ा से स्वस्थ्य हुए भगवान

जगन्नाथ स्वामी, मनाया गया नेत्रोंउत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जगत के नाथ महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी 15 दिनों के स्वास्थ्य लाभ के पश्चात भक्तो को दर्शन देने रथ में सवार होकर भाई भलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकलेंगे और 12 दिन अपनी मौसी के घर विश्राम करेंगे। साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के संयोजन में जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ स्वामी जी रथयात्रा महोत्सव आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई 2026 को आयोजित है। साहू समाज द्वारा आयोजित रथयात्रा महोत्सव मुख्य अतिथि जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, विशिष्ट अतिथि वात्री साहू समाज के मुखिया मेहते राजेंद्र साहू, पूर्व महापौर प्रभात साहू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू, एमआई सी सदस्य रजनी कैलाश साहू एवं गणमान्य जनों की उपस्थिति में आयोजित है। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन एवं समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा प्रात: 11 बजे साहू धर्मशाला में भगवान की महाआरती की जाएगी इसके पश्चात श्री जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा दोपहर 2 बजे साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक से प्रारम्भ होंगी।

सिद्धबाबा निवासी मुन्ना राजपूत को मातृशोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । सिद्धबाबा,हनुमानताल निवासी

मुन्ना राजपूत ठाकुर की माताजी दुलारी बाई पति स्वर्गीय सूरज सिंह ठाकुर 90 वर्ष की उम्र में देहावसान हो गया था जिनका अंतिम संस्कार करिया पाथर मुक्ति धाम ,जबलपुर में दोपहर - 2 बजे किया गया।

अब संविदा को नियमित और आउटसोर्स को मिले 50 प्रतिशत आरक्षण: राकेश डीपी पाठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने राज्य सरकार द्वारा बिजली कंपनियों में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति देने के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने कहा कि एक लंबे इंतजार के बाद यह लाभ मिला है, जबकि पदोन्नति की बाट जोहते हुए हजारों कर्मचारी और अधिकारी बिना इसके ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इस ऐतिहासिक आदेश को शीघ्रता से लागू करने के लिए संघ फेडरेशन

ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) नीरज मंडलोई, ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले और सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों का आभार व्यक्त किया है। आभार जताने के साथ ही महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने सरकार से पुरजोर मांग की है कि बिजली कंपनियों में पिछले 15 वर्षों से शोषित और पीड़ित संविदा तथा आउटसोर्स कर्मचारी अपने सुरक्षित और सुखद भविष्य की राह देख रहे हैं। इनमें से कई कर्मचारी अपनी आधी सेवा आयु पूरी कर चुके हैं, इसलिए अब इन्हें भी उचित लाभ दिया जाना पूरी तरह न्यायोचित है। श्री पाठक ने आगे बताया कि मध्यप्रदेश शासन और ऊर्जा विभाग ने बिजली कंपनियों में नवीन ओ एस (ऑर्गेनाइजेशनल स्ट्रक्चर) को स्वीकृति देते हुए 51,000 नियमित पदों का सृजन कर भर्ती की मंजूरी दी है। इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने मांग उठाई कि बिजली कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को उनके बेहतरीन अनुभव के आधार पर बिना किसी शर्त और बिना किसी परीक्षा के तत्काल नियमित पदों पर संविलियन (नियमित) किया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने आउटसोर्स कार्मिकों के हितों की रक्षा के लिए इन पदों पर उन्हें 50 प्रतिशत आरक्षण देने की भी वकालत की है।

गूगल पर डॉक्टर का नंबर सर्च करना पड़ा महंगा, पांच लाख की चपत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर क्षेत्र निवासी राकेश कुमार गुप्ता को गूगल पर स्किन वाले डॉक्टर का नंबर सर्च करना महंगा पड़ गया। जालसाजों के जाल में फंसकर उन्होंने अपने पांच लाख रुपये गवां दिये। दरअसल आरोपियों ने उनके व उनकी पत्नी के खाते से राशि हड़प ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

पुलिस ने बताया कि राकेश कुमार गुप्ता उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम खटखरी थाना शाहपुर जिला मउगंज वर्तमान पता हाथीताल कालोनी गोरखपुर की पत्नी सविता गुप्ता को स्किन की समस्या थी। जिस पर 26 जून 2026 की सुबह लगभग 10-30 बजे उन्होंने अपने मोबाइल में गूगल में जाकर स्किन वाले डाक्टर का नम्बर सर्च किया। जिस पर मिले नम्बर पर सम्पर्क कर बात की और फिर पुनः फोन किया कुछ देर बाद दूसरे मोबाइल नम्बर से बात हुई। जिसने लिंक भेजकर 10 रूपये पेमेण्ट करने पर रजिस्ट्रेशन होने पर डाक्टर द्वारा मरीज देखना बताया। जिसके बाद राकेश ने दस रुपये का पेमेंट करने के लिये लिंक पर क्लिक किया, लेकिन पेमेंट नहीं हुआ। इसके बाद 29 जून को उन्होंने एक बीमा पॉलिसी बनवाई, जिसमें 16, 500 रुपये का पेमेंट यूनिवर्सल सेम्पो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी को यूपीआई के द्वारा किया। इसके बाद जब शाम को उन्होंने अपना मोबाईल चैक किया तो उनके जीमेल में पैसो के ट्रांजेक्शन के मैसेज थे। जिसमें उनके एक्सिस बैंक शाखा सतना के खाता से कुल 5 ट्रांजेक्शन तथा उसकी पत्नी सविता के केनरा बैंक मउगंज के खाता से 6 ट्रांजेक्शन (कुल 11 ट्रांजेक्शन) से कुल 4 लाख 94 हजार 601 रूपये धोखाधड़ी कर निकाल लिये गये।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा के एनसीसी एवं एनएसएस के विद्यार्थियों द्वारा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन एनसीसी अधिकारी डॉ. वैशाली उइके के नेतृत्व में किया गया । रैली से पहले विद्यार्थियों ने हर प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ ली । नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान युवाओं के लिए संदेश है कि वे अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और समय को शिक्षा, खेल, योग, कला, नवाचार और राष्ट्र निर्माण जैसे सकारात्मक कार्यों में लगाएँ। मित्रों के दबाव या जिज्ञासा में आकर किसी भी प्रकार के नशे की शुरुआत न करें। कार्यक्रमों का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर कृष्णा तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया है।

नशा नाश का कारण, खेल और सकारात्मकता का अपनाएं ज़ुनून

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के 15 दिवसीय भव्य अभियान का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश पुलिस ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से 15 दिवसीय जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' का भव्य आगाज किया है। 15 से 30 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ भंवरताल गार्डन के समीप संस्कृति थिएटर में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय समेत कई प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक और प्रबुद्ध जन मंचासीन रहे, जिन्होंने समाज को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने का साझा संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने युवाओं से रचनात्मक कार्यों, खेल और प्रकृति से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि यदि जीवन में कुछ बड़ा करने का जुनून हो, तो किसी मादक पदार्थ की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने अगले 3 वर्षों में देश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प में हर नागरिक की भूमिका को अहम बताया और मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर साझा किए।

नशामुक्त समाज की दिलाई शपथ- युवाओं को सकारात्मक जुनून अपनाने की सलाह देते हुए आसपास सक्रिय नशे के अवैध सिंडिकेट की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेंद्र जामदार ने नशे के चिकित्सकीय दुष्प्रभावों और ब्रह्मकुमारी वर्षा बहन ने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से तनावमुक्ति का मार्ग सुझाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का प्रसारण किया गया और नवज्योति नशामुक्ति केंद्र के कलाकारों ने संजय पांडे के निर्देशन में एक प्रभावी नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर आईजी प्रमोद वर्मा ने वहां उपस्थित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, प्राचार्यों और समाजसेवियों को नशामुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम उपरांत पोस्टर-पंपलेट के माध्यम से जागरूकता के लिए एक रैली का आयोजन किया गया। आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।

जीवन में भौतिकी का महत्व एवं समाज में इसका भविष्य

भौतिकी विज्ञान की वह शाखा है जो प्रकृति के नियमों, पदार्थ, ऊर्जा, गति तथा बल का अध्ययन करती है। आज का आधुनिक युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है, जिसकी मजबूत नींव भौतिकी पर आधारित है। हमारे दैनिक जीवन का लगभग प्रत्येक कार्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भौतिकी के सिद्धांतों से जुड़ा हुआ है। इसलिए भौतिकी केवल एक विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और आधुनिक बनाने का आधार है।

दैनिक जीवन में भौतिकी की भूमिका

सुबह अलार्म घड़ी की ध्वनि से जागने से लेकर रात में मोबाइल फोन द्वारा अपने प्रियजनों से बातचीत करने तक, हर गतिविधि में भौतिकी के सिद्धांत कार्य करते हैं। बिजली, पंखा, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन, कंप्यूटर, इंटरनेट और स्मार्टफ ोन जैसी आधुनिक सुविधाएँ भौतिकी की ही देन हैं।

परिवहन और संचार में योगदान

कार, रेल, मेट्रो, हवाई जहाज़ और अन्य परिवहन साधनों का निर्माण एवं संचालन भौतिकी के नियमों पर आधारित है। इसी प्रकार उपग्रह, रेडियो, टेलीफ ोन और इंटरनेट जैसी संचार प्रणालियाँ भी भौतिकी के अनुप्रयोगों का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

शिक्षा एवं चिकित्सा में महत्व

भौतिकी ने शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। एक्स-रे, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन तथा लेजर तकनीक जैसे आधुनिक उपकरणों ने रोगों के निदान और उपचार को अधिक सरल, सुरक्षित और प्रभावी बनाया है।

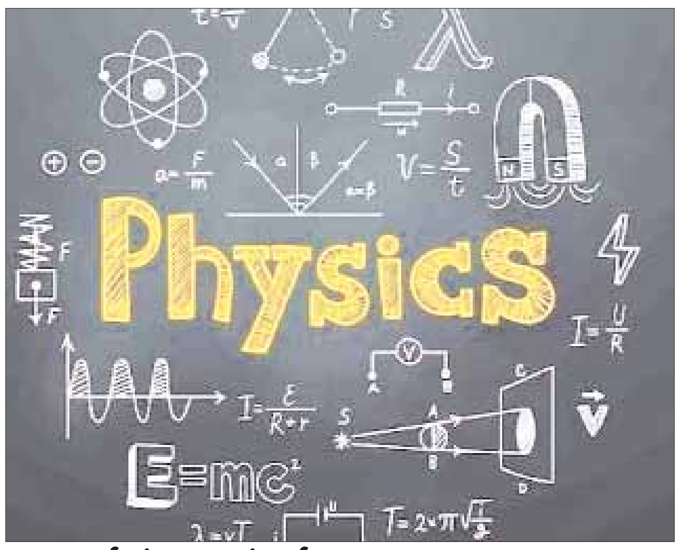

ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा

ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भौतिकी का विशेष योगदान है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जलविद्युत जैसी नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों ने स्वच्छ, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

तार्किक एवं वैज्ञानिक सोच का विकास

भौतिकी केवल वैज्ञानिकों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगी है। इसका अध्ययन तार्किक चिंतन, समस्या-समाधान क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करता है। इसलिए विद्यार्थियों को भौतिकी का अध्ययन केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर ढंग से समझने के लिए भी करना चाहिए।

समाज में भौतिकी का भविष्य

आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान तथा नैनो तकनीक जैसे क्षेत्रों में भौतिकी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भौतिकी के सिद्धांतों के आधार पर सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का विकास होगा। इससे ऊर्जा संकट कम होगा तथा पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। एमआरआई, एक्स-रे, लेजर, रोबोटिक सर्जरी तथा अन्य आधुनिक चिकित्सा उपकरणों में निरंतर सुधार होगा, जिससे रोगों का उपचार अधिक सटीक, सुरक्षित और प्रभावी बन सकेगा। अंतरिक्ष अनुसंधान, उपग्रह तकनीक तथा अंतरग्रहीय अभियानों में भी भौतिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी।

रानू वर्मा
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडेमी, गोरखपुर, जबलपुर

जानिए, क्यों आती है हिचकी ?

कभी अचानक खाना खाते समय, हँसते-हँसते या बिना किसी स्पष्ट कारण के हिचकी आने लगती है। कई लोग इसे अंधविश्वासों से जोड़ते हैं, जैसे कोई आपको याद कर रहा है, लेकिन विज्ञान इसके पीछे एक स्पष्ट कारण बताता है। हिचकी शरीर की एक सामान्य और अस्थायी प्रक्रिया है, जो अधिकतर मामलों में कुछ ही मिनटों में अपने आप बंद हो जाती है।

हिचकी क्या होती है?

हिचकी तब आती है जब डायफ्राम नामक मांसपेशी अचानक और अनियंत्रित रूप से सिकुड़ जाती है। डायफ्राम फेफड़ों के नीचे स्थित एक बड़ी मांसपेशी है, जो साँस लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब डायफ्र ाम अचानक सिकुड़ता है, तो फेफड़ ों में तेजी से हवा प्रवेश करती है। उसी समय स्वर-रज्जुओं के बीच मौजूद ग्लॉटिस अचानक बंद हो जाता है, जिससे हिक जैसी आवाज़ उत्पन्न होती है। यही हिचकी कहलाती है।

हिचकी आने के प्रमुख कारण

- बहुत जल्दी-जल्दी खाना खाने से अधिक हवा भी पेट में चली जाती है, जिससे हिचकी आ सकती है।
- जरूरत से ज्यादा खाने पर पेट फैल जाता है और डायफ्राम पर दबाव पड़ सकता है, जिससे हिचकी आती है।
- बहुत गर्म या बहुत ठंडा भोजन करने से तापमान में अचानक बदलाव भी हिचकी का कारण बन सकता है।
- कार्बोनेटेड पेय जैसे सोडा या कोल्ड ड्रिंक पीने से इन पेयों में मौजूद गैस पेट में हवा बढ़ा सकती है, जिससे हिचकी आ सकती है।
- अचानक हँसना, उत्साह या घबराहट जैसे भावनात्मक बदलाव कभी-कभी डायफ्ाम को प्रभावित कर सकते हैं।
- कुछ लोगों में तीखा भोजन हिचकी की संभावना बढ़ा सकता है।

हिचकी कैसे रुकती है?

अधिकांश हिचकियाँ कुछ मिनटों में अपने आप बंद हो जाती हैं। लेकिन कुछ सरल उपाय अपनाकर हिचकी रोक सकते हैं, जैसे धीरे-धीरे पानी पिएँ। कुछ क्षण साँस रोककर रखें। आराम से गहरी साँस लें और छोड़ें। धीरे-धीरे भोजन करें और अच्छी तरह चबाएँ।

रसायन पहेली, कितना जानते हैं आप केमिस्ट्री

1- मैं जीवन का आधार कहलाता हूँ,
दो गैसों से मिलकर बन जाता हूँ।
न रंग है मेरा, न कोई स्वाद,
बताओ कौन हूँ मैं जनाब?

उत्तर- पानी

2- मैं सबसे हल्का तत्व हूँ,
सूर्य में मेरी भरमार।
गुब्बारों में भी कभी था उपयोग,
बताओ मेरा नाम इस बार।

उत्तर- हाइड्रोजन

3- काला हूँ पर हीरा भी मेरा भाई,
एक ही तत्व से दोनों की पढ़ाई।
अंतर केवल संरचना का है,
बताओ मैं कौन हूँ भाई?

उत्तर- कार्बन

4- मैं लाल रंग की धातु कहलाती,
बिजली के तारों में खूब नजर आती।
अच्छी चालक मेरी पहचान,
बताओ मेरा क्या है नाम?

उत्तर- तांबा

5- मैं न धातु, न गैस, न पानी,
जीवन के लिए हूँ जरूरी प्राणी।
साँसों में मेरा होता काम,
बताओ मेरा क्या है नाम?

उत्तर-वायु

पेट्रोल और डीज़ल : एक ही कच्चे तेल से बनने वाले दो ईंधनों की विज्ञान यात्रा

हमारे आसपास चलने वाली अधिकांश कारें, बसें, ट्रक, बाइक और ट्रैक्टर पेट्रोल या डीज़ल से चलते हैं। दोनों ईंधन एक ही स्रोत कच्चे तेल से प्राप्त होते हैं, फिर भी इनके गुण, उपयोग और कार्य करने का तरीका अलग-अलग होता है। आखिर पेट्रोल और डीज़ल में ऐसा क्या अंतर है कि कुछ वाहन पेट्रोल से चलते हैं और कुछ डीज़ल से? आइए, विज्ञान की दृष्टि से इसे सरल भाषा में समझते हैं।

पेट्रोल और डीज़ल क्या हैं?

पेट्रोल और डीज़ल दोनों जीवाश्म ईंधन हैं। इन्हें धरती से निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरी में शुद्ध करके बनाया जाता है। शोधन की प्रक्रिया में अलग-अलग तापमान पर कच्चे तेल से विभिन्न पदार्थ अलग किए जाते हैं, जिनमें पेट्रोल और डीज़ल भी शामिल हैं।

पेट्रोल और डीज़ल में मुख्य अंतर

1 बनने की प्रक्रिया

पेट्रोल कच्चे तेल के हल्के भाग से प्राप्त होता है। जबकि डीज़ल कच्चे तेल के अपेक्षाकृत भारी भाग से प्राप्त होता है।

2 इंजन का कार्य करने का तरीका

पेट्रोल इंजन में ईंधन और हवा का मिश्रण स्पार्क प्लग की चिंगारी से जलता है, जबकि डीज़ल इंजन में हवा को बहुत अधिक दबाव से गर्म किया जाता है, फिर डीज़ल डालते ही वह स्वयं जल उठता है। इसमें सामान्यत: स्पार्क प्लग की आवश्यकता नहीं होती।

3 ईंधन की खपत

डीज़ल में प्रति लीटर अधिक ऊर्जा होती है, इसलिए डीज़ल वाहन अक्सर समान दूरी तय करने में कम ईंधन खर्च करते हैं। इसी कारण भारी वाहन और लंबी दूरी तय करने वाले वाहन प्राय: डीज़ल इंजन का उपयोग करते हैं।

4 उपयोग

पेट्रोल मोटरसाइकिल, स्कूटर, अधिकांश छोटी कारें और कुछ हल्के वाहनों में उपयोग होता है जबकि डीज़ल, ट्रक, बस, ट्रैक्टर, मालवाहक वाहन, कई एसयूवी और औद्योगिक मशीनों में उपयोग होती है। ।

5 इंजन की आवाज़

पेट्रोल इंजन सामान्यत: अधिक शांत और कम कंपन वाले होते हैं, जबकि डीज़ल इंजन अपेक्षाकृत अधिक आवाज़ और कंपन उत्पन्न कर सकते हैं।

पेट्रोल के फायदे

- इंजन जल्दी स्टार्ट होता है।
- चलने में अधिक शांत होता है।
- हल्के वाहनों के लिए उपयुक्त।

डीज़ल के फायदे

- प्रति लीटर अधिक ऊर्जा।
- लंबी दूरी, भारी भार ढोने के लिए उपयुक्त।
- ईंधन दक्षता सामान्यत: अधिक।

भविष्य किस दिशा में जा रहा है?

आज दुनिया धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन ईंधन, बायोफ्यूल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ रही है। इनका उद्देश्य प्रदूषण कम करना और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाना है।

एलियन:ब्रह्मांड के सबसे बड़े रहस्य

क्या हम इस विशाल ब्रह्मांड में अकेले हैं? यह प्रश्न सदियों से मानव जिज्ञासा का विषय रहा है। रात के आसमान में चमकते असंख्य तारों को देखकर मन में यह विचार अवश्य आता है कि क्या कहीं और भी जीवन मौजूद है? पृथ्वी के बाहर रहने वाले संभावित जीवों को एलियन या बाह्य-ग्रहीय जीव कहा जाता है। विज्ञान आज भी इस रहस्य को सुलझाने में जुटा है। अब तक एलियंस के अस्तित्व का कोई प्रत्यक्ष और विश्वसनीय प्रमाण नहीं मिला है, लेकिन वैज्ञानिक यह भी नहीं कहते कि ब्रह्मांड में जीवन केवल पृथ्वी पर ही है। यही कारण है कि एलियंस की खोज आधुनिक विज्ञान के सबसे रोमांचक अभियानों में से एक बनी हुई है।

एलियन किसे कहते हैं?

एलियन ऐसे संभावित जीव हैं जो पृथ्वी के अलावा किसी अन्य ग्रह, उपग्रह या खगोलीय पिंड पर रहते हों। वे सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे साधारण भी हो सकते हैं और अत्यधिक विकसित बुद्धिमान सभ्यता वाले भी। विज्ञान अभी यह नहीं जानता कि यदि वे हैं, तो उनका रूप कैसा होगा।

क्यों कर रहे हैं वैज्ञानिक एलियंस की खोज ?

ब्रह्मांड की विशालता ही इस खोज का सबसे बड़ा कारण है। हमारी आकाशगंगा में ही अरबों तारे हैं और प्रत्येक तारे के चारों ओर ग्रह हो सकते हैं। अब तक हजारों बाह्य-ग्रह खोजे जा चुके हैं। यदि पृथ्वी जैसी परिस्थितियाँ कहीं और मौजूद हैं, तो वहाँ जीवन की संभावना भी हो सकती है। अब तक किसी भी वैज्ञानिक संस्था को ऐसा ठोस प्रमाण नहीं मिला है जिससे यह सिद्ध हो सके कि एलियन वास्तव में मौजूद हैं या उन्होंने पृथ्वी का दौरा किया है। समय-समय पर यूएफओ या यूएपी की घटनाएँ सामने आती हैं, लेकिन अधिकांश मामलों की वैज्ञानिक व्याख्या प्राकृतिक, तकनीकी या मानवीय कारणों से हो जाती है। इसलिए इन्हें एलियंस का प्रमाण नहीं माना जाता।

एलियंस की खोज कैसे की जाती है?

1. आधुनिक दूरबीनों की सहायता से वैज्ञानिक ऐसे ग्रह खोजते हैं जहाँ पानी, वायुमंडल और उपयुक्त तापमान हो, क्योंकि जीवन के लिए ये महत्वपूर्ण माने जाते हैं।
2. कुछ वैज्ञानिक परियोजनाएँ अंतरिक्ष से आने वाले संभावित कृत्रिम रेडियो संकेतों का अध्ययन करती हैं। यदि कोई उन्नत सभ्यता संदेश भेज रही हो, तो उसे पहचानने का प्रयास किया जाता है।
3. मंगल ग्रह के अलावा बृहस्पति के उपग्रह यूरोपा और शनि के उपग्रह एन्सेलाडस पर बर्फ के नीचे महासागर होने के संकेत मिले हैं। इसलिए वैज्ञानिक वहाँ सूक्ष्म जीवन की संभावना तलाश रहे हैं।

क्या एलियन केवल फिल्मों की कल्पना हैं?

लोकप्रिय फि ल्मों और धारावाहिकों में एलियंस को अक्सर बड़ी आँखों, विशाल सिर और अत्याधुनिक तकनीक वाले जीवों के रूप में दिखाया जाता है। लेकिन वास्तविक विज्ञान किसी निश्चित रूप की कल्पना नहीं करता। यदि बाह्य-ग्रहीय जीवन है, तो वह सूक्ष्म जीवाणु से लेकर जटिल जीव तक किसी भी रूप में हो सकता है।

यदि एलियन मिल जाएँ तो क्या होगा?

यदि भविष्य में किसी अन्य ग्रह पर जीवन का प्रमाण मिलता है, तो यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी वैज्ञानिक खोजों में से एक होगी। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि जीवन केवल पृथ्वी तक सीमित नहीं है और ब्रह्मांड में जीवन कैसे विकसित होता है।

विज्ञान के प्रयोग : रंग-बिरंगा इंद्रधनुष, पानी का जादुई सफर

क्या आपने कभी सोचा है कि बिना किसी चम्मच या पाइप के पानी एक गिलास से दूसरे गिलास में जा सकता है? यह सुनने में जादू जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे विज्ञान का एक रोचक सिद्धांत काम करता है। वॉकिंग वाटर नामक यह प्रयोग बच्चों और बड़ों दोनों के लिए बेहद दिलचस्प है। इसमें रंगीन पानी टिश्यू पेपर के सहारे एक गिलास से दूसरे गिलास में पहुँचता है और नए रंग भी बनाता है।

उद्देश्य

- केशिकत्व को समझना।
- प्राथमिक रंगों के मिश्रण से नए रंग बनते देखना।
- वैज्ञानिक अवलोकन और जिज्ञासा का विकास करना।

आवश्यक सामग्री

- 6 या 7 पारदर्शी गिलास
- थोड़ा पानी
- लाल, पीला और नीला फूड कलर
- 6 टिश्यू पेपर या पेपर टॉवल
- चम्मच

प्रयोग की तैयारी

गिलासों को एक सीधी पंक्ति में रखें।

पहले गिलास में लाल रंग का पानी लें। दूसरा गिलास खाली लें। तीसरे में पीले रंग का पानी लें। चौथा गिलास खाली लें। पाँचवाँ नीले रंग का पानी लें। छठा गिलास खाली लें।

हर रंग वाले गिलास में लगभग आधा पानी भरें और उसमें कुछ बूंदें फूड कलर मिलाएँ।

प्रयोग की विधि

टिश्यू पेपर को लंबाई में मोड़कर पट्टी जैसा बना लें। प्रत्येक टिश्यू का एक सिरा रंग वाले गिलास में और दूसरा सिरा उसके बगल वाले खाली गिलास में रखें। यही प्रक्रिया सभी गिलासों के बीच दोहराएँ। अब 1 से 3 घंटे तक प्रयोग को बिना छेड़े रहने दें।

फिर क्या होगा?

- रंगीन पानी धीरे-धीरे टिश्यू पेपर में ऊपर चढ़ेगा। फिर वह खाली गिलास में उतरने लगेगा। कुछ समय बाद खाली गिलासों में पानी भर जाएगा। जहाँ दो अलग-अलग रंग मिलेंगे, वहाँ नया रंग बनेगा। लाल और पीला रंग मिलकर नारंगी रंग बनाएंगे। पीला और नीला मिलकर हरा रंग। लाल और नीला मिलकर बैंगनी रंग बनाएंगं।

ऐसा क्यों होता है? (वैज्ञानिक सिद्धांत)

1 केशिकत्व के कारण। टिश्यू पेपर में बहुत छोटे-छोटे रेशे और सूक्ष्म छिद्र होते हैं। पानी इन सूक्ष्म स्थानों के सहारे गुरुत्वाकर्षण के विपरीत ऊपर चढ़ सकता है। यही प्रक्रिया केशिकत्व कहलाती है।

2 पानी के अणु टिश्यू के रेशों से चिपक जाते हैं, जिससे वे आगे बढ़ते रहते हैं।

3 पानी के अणु एक-दूसरे को भी आकर्षित करते हैं। इसलिए एक अणु आगे बढ़ता है तो उसके साथ अन्य अणु भी चलते हैं।

4 जब दो अलग-अलग रंगों का पानी खाली गिलास में मिलता है, तो वे मिलकर नया रंग बनाते हैं। इसे रंग मिश्रण कहते हैं।

प्रयोग में सावधानियाँ

- केवल फूड कलर का उपयोग करें।
- गिलासों को स्थिर स्थान पर रखें।
- प्रयोग के दौरान टिश्यू को न हटाएँ।
- छोटे बच्चे यह प्रयोग किसी बड़े की देखरेख में करें।

क्या आप जानते हैं?

पेड़ों की सबसे ऊँची शाखाओं तक पानी पहुँचने में भी केशिकत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि यह प्रक्रिया न हो, तो पेड़ों की पत्तियों तक पानी और पोषक तत्व नहीं पहुँच पाते।

विज्ञान के रोचक तथ्य

- चिंपैंजी, बंदर, कुत्ते, चूहे और गिनी पिग ये सभी जानवर अंतरिक्ष में जा चुके हैं।
- अंतरिक्ष में एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री द्वारा खाया गया पहला भोजन सेब की चटनी थी।
- नेपच्यून पर हवा 1,000 मील प्रति घंटे से अधिक की गति से चलती है।
- पांडा भालू दिन में 12 घंटे तक खाते हैं, और उनके आहार का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा बांस होता है।
- मधुमक्खियाँ 15 मील प्रति घंटे तक की गति से उड़ सकती हैं।
- ग्रेट व्हाइट शार्क सबसे बड़ी शिकारी मछली है, और यह 19 फीट तक लंबी हो सकती है।
- हाथी सबसे बड़ा स्थलीय स्तनधारी है।
- गाय और घोड़े खड़े होकर सोते हैं।
- कौवे इंसानों के चेहरे पहचान सकते हैं।
- केले में एक रसायन (ट्रिप्टोफैन) होता है जो आपको खुश और तनावमुक्त महसूस करा सकता है।
- भोजन खाने के बाद मानव शरीर को उसे पचाने में लगभग 12 घंटे लगते हैं।
- आपका मुंह प्रतिदिन लगभग 1 लीटर लार उत्पन्न करता है।
- मानव शरीर से बहुत कम मात्रा में प्रकाश निकलता है जो हमारी आंखों के देखने के लिए बहुत कमजोर होता है।
- आपका बायां फेफड़ा आपके दाएं फेफड़े से लगभग 10 प्रतिशत छोटा है।
- मानव शरीर में अधिकतम 206 हड्डियाँ होती हैं।

शब्द पहेली - 8923

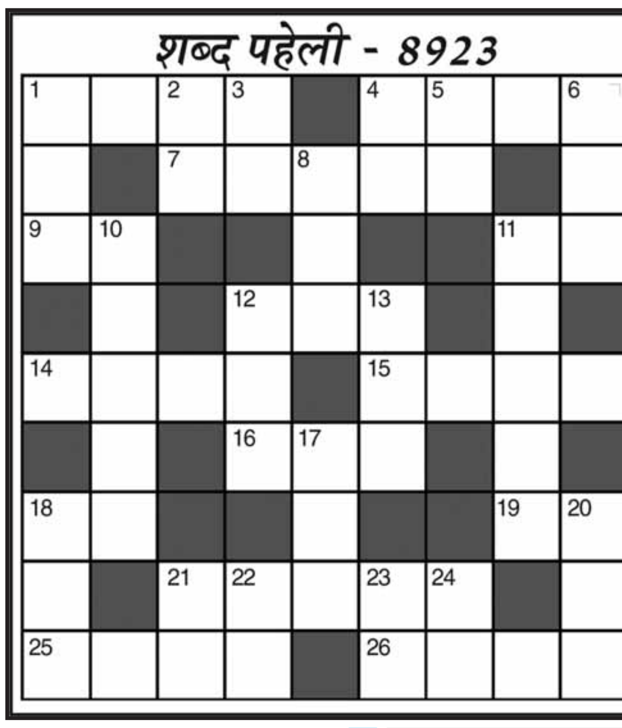

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8922 का हल

	त	ल	ब		ट	म	ट	म
प			द	स्त	क			हा
र		ना	नी		ला	श		ज
ख	ल	ना	य	क		व	त	न
	ल		त		ना		री	
म	ना	ही		ह	क	ब	का	ना
हा		ना	क		क	ल		यि
व			स	पा	ट			का
त	व	वा	र		ना	ह	क	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध कीटनाशक बेचते हुए फोटो खींचना पड़ा भारी

मारपीट, धमकी और घर में घुसकर तोड़फोड़

कृषि केंद्र संचालक ने दर्ज कराई एफआईआर

कटंगी (स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वरुड़ निवासी श्रीराम कृषि सुविधा केंद्र के संचालक रोहित पटले के साथ अवैध कीटनाशक बेचने का विरोध करने पर मारपीट और धमकी का मामला सामने आया है। आरोपी पड़ोस के ग्राम कोसमी निवासी एडवांस पेस्टिसाइड कंपनी के सेल्स ऑफिसर नरेंद्र गौतम बताया जा रहा है। पीड़ित की शिकायत पर कटंगी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित रोहित पटले ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोमवार 13 जून की दोपहर करीब सवा दो बजे वह लखनवाड़ा में थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि वाहन क्रमांक एमपी 50 जी 2580 में एक व्यक्ति धान की दवा अवैध तरीके से किसानों को बेच रहा था। कृषि क्षेत्र में लंबे समय से काम करने के कारण रोहित को शक हुआ और उन्होंने सबूत के तौर पर आरोपी की मोबाइल से तस्वीर खींच ली।

रोहित ने बताया कि किसान हित में उन्होंने वह तस्वीर कृषि व्यापार से जुड़े व्यापारियों के व्हाट्सएप ग्रुप में अपलोड कर दी, ताकि अवैध विक्रय पर रोक लग सके। लेकिन फोटो वायरल होते ही विवाद शुरू हो गया। शिकायत के अनुसार, फोटो अपलोड करने के कुछ ही देर बाद दोपहर 2 बजकर 43 मिनट पर सेल्स ऑफिसर नरेंद्र गौतम ने रोहित को फोन कर धमकी दी। नरेंद्र ने कहा कि तुमने फोटो क्यों खींची इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। धमकी के बाद भी मामला शांत नहीं हुआ। मंगलवार की रात सवा 12 बजे नरेंद्र गौतम सीधे रोहित के घर ग्राम वरुण पहुंच गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने घर में घुसकर गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। हंगामे की आवाज सुनकर परिजन बाहर आए तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान रोहित ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। लेकिन पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही नरेंद्र गौतम मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मंगलवार को रोहित पटले कटंगी थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर कटंगी पुलिस ने आरोपी नरेंद्र गौतम के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 296(ए), 115(2) और 351(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

छतरी तोड़ने के विवाद में मासूम की पिटाई, बचाने पहुंची दादी से भी मारपीट

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम झरिया में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बेटे की छतरी तोड़ने की बात को लेकर एक व्यक्ति ने तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले मासूम की बेरहमी से पिटाई कर दी। जब बच्चे की दादी उसे बचाने पहुंची तो आरोपी ने उनके साथ भी गाली-गलौज करते हुए धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। घटना में दादी और नाती दोनों घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी सुनील शेण्डे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम झरिया निवासी महिला ने शिकायत में बताया कि उसका नाती प्रणय टांडेकर उसके पास रहकर प्राथमिक शाला झरिया में तीसरी कक्षा में पढ़ाई करता है। 7 जुलाई की शाम करीब 4ः30 बजे गांव के लोकेश मोरकुरे ने सूचना दी कि सुनील शेण्डे उसके नाती के साथ अपने घर के सामने सड़क पर मारपीट कर रहा है। महिला मौके पर पहुंची तो देखा कि आरोपी अपने बेटे की छतरी तोड़ने का आरोप लगाकर बच्चे को हाथ-मुक्कों से पीट रहा था। शिकायत के मुताबिक, बीच-बचाव करने पर आरोपी ने महिला को मां-बहन की अश्लील गालियां दीं और विरोध करने पर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उनके बाएं घुटने में चोट आई। वहीं मासूम प्रणय टांडेकर के नाक, दाहिनी आंख और सिर पर भी चोटें आईं। आरोपी ने भविष्य में दोबारा ऐसी घटना होने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।

मायरा सराय बैहर में 17-18 को होगा सेराई सोलफेस्ट 2026: योग, संगीत और मनोरंजन का रहेगा संगम

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बैहर तहसील स्थित मायरा सराय रिसोर्ट में 17 एवं 18 जुलाई को दो दिवसीय सेराई सोलफेस्ट 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन की प्रस्तुति साईक्स द्वारा की जा रही है। आयोजन में आध्यात्म, योग, संगीत, कॉमेडी और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में शांतनु द्वारा भजन जैमिंग सत्संग, परमेश्वर, सौरभ, पंकज एवं हर्ष द्वारा एक्का जुम्बा, काफिल एवं डीजे वीनस द्वारा सूफी संगीत और डीजे नाइट, विक्रम सिंह द्वारा गेम्स एवं एक्टिविटीज, प्रसिद्ध स्टैंड-अप कॉमेडियन अपूर्व गुप्ता की हास्य प्रस्तुति, नील योग द्वारा एक्का योग एवं आइस बाथ, डॉ. पुष्पक चौबे द्वारा ज्योति त्राटक क्रिया, स्वालिहा और आभा द्वारा माइंडफुल योग तथा हरशीत कौर द्वारा टैरो रीडिंग की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के लिए रहने और भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे पूरे कार्यक्रम का आनंद ले सकें। मायरा सराय रिसोर्ट प्रबंधन ने बताया कि कार्यक्रम के लिए सीमित पास उपलब्ध हैं। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी एवं पास बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर 9243005100 एवं 9203405961 पर संपर्क कर सकते हैं। यह आयोजन प्रकृति के बीच सुकून, स्वास्थ्य, आध्यात्म और मनोरंजन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा।

गोरेघाट में सर्पदंश से 8 वर्षीय बच्ची की मौत

हर गांव में अस्पताल का ढिंढोरा, हकीकत अस्पताल में चिकित्सक, स्टाफ और दवाओं की कमी

कटंगी(स्वतंत्र मत)

तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के पठार अंचल के ग्राम गोरेघाट में सर्पदंश की एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। यहां 8 वर्षीय मासूम प्रियांशी पिता संजय खुरपे की सर्पदंश से मौत हो गई। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। आरोप है कि गांव के सरकारी अस्साल में एंटी-वेनम इंजेक्शन और डॉक्टर ना होने के कारण मासूम की जान चली गई। जानकारी अनुसार, प्रियांशी रात में अपने माता-पिता के साथ पलंग पर सो रही थी। रात करीब ढाई से 3 बजे के बीच उसकी अचानक से तबीयत खराब हो गई और उसे उल्टी होने लगी। इस दौरान पिता संजय खुरपे जब पानी लेने किचन में गए तो वहां उन्हें एक सांप दिखाई दिया। परिजनों ने डर की वजह सांप को तुरंत मार दिया। लेकिन उस समय किसी को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि सांप ने सोते समय प्रियांशी को काट लिया है। इधर, बच्ची की स्थिति बिगड़ती देख परिजन उसे बिना देर किए गांव के ही एक निजी चिकित्सक के पास लेकर गए। चिकित्सक ने बच्ची की हालत नाजुक बताकर उसे तुरंत बड़े अस्पताल लेकर जाने की सलाह दी। परिजन प्रियांशी को लेकर तुमसर के सरकारी अस्पताल की ओर जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद प्रियांशी को परिजन वापस घर लेकर आ गए। बाद में जब बच्ची के शरीर का रंग हरा-नीला पड़ने लगा तब परिजनों को संदेह हुआ कि उसे सांप ने काटा होगा। ऐसा माना जा रहा है कि नींद में होने के कारण न तो प्रियांशी को पता चला और न ही घर वालों को। बुधवार को महकेपार चौकी से प्रधान आरक्षक शिशुपाल बघेल ने घटनास्थल पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

अस्पताल है, पर सुविधा नहीं- इस घटना के बाद पठार क्षेत्र के ग्रामीणों में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई सालों से हर मानसून में सर्पदंश से मौतें हो रही हैं, लेकिन शासन-प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। वहां न डॉक्टर है, नर्स, न दवा और न ही सर्पदंश का एंटी-वेनम। ग्रामीणों का सीधा सवाल है कि बारिश शुरू होने से पहले हर पीएचसी और उपस्वास्थ्य केंद्र में एंटी-वेनम का स्टॉक और प्रशिक्षित स्टाफ अनिवार्य क्यों नहीं किया जाता?

सांसद-विधायक स्वास्थ्य सुविधाओं पर चुप- पठार क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में पीएचसी तो हैं लेकिन डॉक्टरों के पद खाली हैं। एक डॉक्टर के भरोसे 20 से 30 गांव चल रहे हैं। सर्पदंश, कुत्ते के काटने जैसी इमरजेंसी दवाएं केंद्रों में उपलब्ध नहीं हैं। जिसकी जानकारी जिले की सांसद और क्षेत्र के विधायक को भी है। गोरेघाट के ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरेघाट में डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मचारी और एंटी-वेनम होता तो शायद प्रियांशी आज जिंदा होती। सांसद-विधायक स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चुप्पी साधे हुए है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 30 लाख रुपये का 306 क्विंटल महुआ लाहन, 45 लीटर जब्त एवं अन्यए सामग्री जब्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 30 लाख रुपये मूल्य का महुआ लाहन, कच्चाी शराब एवं अन्यक सामग्री जब्त की है। विभाग ने इस मामले में तीन प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर 15 जुलाई 2026 को आबकारी वृत्त वारासिवनी, बालाघाट एवं लांजी की संयुक्त टीम ने लालबर्रा विकासखंड के ग्राम पनबिहरी, साल्हे एवं चिचगांव में छापामार कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर प्लास्टिक के ड्रम एवं डिब्बों में भरा हुआ लगभग 306 क्विंटल महुआ लाहन तथा 45 लीटर हाथ भट्टी निर्मित अवैध शराब जब्त की गई है। जब्त महुआ लाहन के नमूने सुरक्षित रखने के बाद शेष लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही अवैध शराब निर्माण में उपयोग की जा रही दो चालू भट्टियों को भी ध्वस्त किया गया है।

आरसेटी उमरिया में जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिशनर प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत उमरिया के अंतर्गत 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिषनर (लघु उद्यमी) प्रषिक्षण 10 जून 2026 से 13 जुलाई 2026 तक संचालित किया गया, जिसमें 25 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 13 जुलाई को (आरसेटी निर्देषक) डॉ. तरूण कुमार सिंह, मोहन डावर (न्यायधीष उमरिया) अभिषेक आनंद पाण्डेय (एस.बी.आई. मुख्य प्रबंधक मुख्य शाखा उमरिया), गौतम कुमार सिंह (एलडीएम), डा. अनिल एवं जिले के पत्रकार, प्रषिक्षण प्रषिक्षक नीलम रजक एवं नसीम बानों की उपस्थिती में किया गया।आरसेटी निर्देषक डा. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रषिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि आपने जो यह 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रेक्टिषनर (लघु उद्यमी) प्रषिक्षण प्राप्त किया है एवं प्रषिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे आप को व्यवसायिक रूप से उपयोग में लाना है जिससे आप को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ हो सके और आप को यहां से जाने के बाद खूब अभ्यास व मेहनत करना है क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है।

उमरिया की बेटियां करेंगी चंडीगढ़ में कमाल

केंद्रीय विद्यालय की अंडर-14 खो-खो टीम राष्ट्रीय फाइनल के लिए रवाना

उमरिया (स्वतंत्रमत)

केंद्रीय विद्यालय उमरिया की अंडर-14 बालिका खो-खो टीम ने रीवा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए जबलपुर जोन का प्रतिनिधित्व किया और जीत हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाई। अब 12 सदस्यीय टीम अपने प्रशिक्षक पवन सर और शारदा मैडम के साथ राष्ट्रीय फाइनल खेलने के लिए चंडीगढ़ रवाना हो गई है। टीम की कप्तान हर्षिता वर्मन, पिता रमन वर्मन, के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने रीवा में जीत का परचम लहराया। अब पूरे उमरिया की निगाहें चंडीगढ़ में होने वाले राष्ट्रीय मुकाबले पर टिकी हैं, जहां जिले की बेटियां अपनी प्रतिभा का दम दिखाने उतरेंगी। उमरिया वासियों को उम्मीद है कि यह टीम राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर जिले और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आकांक्षी विकासखंड मानपुर की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, विकास, जनपद, एनआरएलएम, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुधन विकास विभाग तथा जल संसाधन विभाग के संकेतको की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार से ही आकांक्षी विकासखंड मुख्य धारा मे शामिल होगा। सभी विभाग अपनी सेवाओं का आकांक्षी विकासखंड में पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाएं। कलेक्टर ने कहा कि नीति आयोग के आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत जिले के चयनित मानपुर विकासखंड में विकास की गति को तेज करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए जा रहे है। जिला प्रशासन व्दारा व्यापक और एकीकृत कार्य योजना बनाकर काम किया जा रहा है। इसका मुख्य उददेश्य यहां रहने वाले नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्वास्थ्य विभाग के 6 संकेतकों की समीक्षा करते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करनें के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को 24 घंटे क्रियाशील करें । बच्चों और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और कुपोषण की दर को कम करनें के लिए स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें तथा प्रति शनिवार को दोनो विभाग के मैदानी अमलें के कर्मचारी आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठकर अपनें आकड़ों को दूरस्थ करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के संकेतको की समीक्षा करते हुए टी एच आर वितरण को सुचारू रूप करने के निर्देश दिए गए। अधोसंरचना के अंतर्गत आने वाले पांच संकेतको को शत प्रतिशत पूर्ण करनें के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने शिक्षा विभाग के संकेतको की समीक्षा करते हुए बच्चों का शत प्रतिशत शैक्षणिक सत्र 2026-27 मे प्रवेश कराने तथा शौचालयो के निर्माण, सुधार करानें के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि कृषि विभाग, पशुधन विकास विभाग व्दारा सभी संकेतको पर शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। किसानों की आय बढ़ाने और परंपरागत खेती को लाभ का धंधा बनानें के लिए उन्नत बीजों का वितरण और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण जाए।

वैश्य महासम्मेलन की कोर ग्रुप बैठक संपन्न, आयोजित होंगे संभागीय सम्मेलन

उमरिया (स्वतंत्र मत)

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक भोपाल में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती और आगामी कार्ययोजना को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के शिरोमणि संरक्षक उमाशंकर गुप्ता मुख्य अतिथि रहे,जबकि अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने की। बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन, प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झाझंरी एवं सह संगठन महामंत्री राजकुमार गुप्ता ने संगठन को अधिक सक्रिय और सशक्त बनाने के लिए अपने सुझाव रखे। प्रदेश के सभी 20 संभागों के प्रभारी प्रदेश महामंत्री एवं संभागीय अध्यक्षों ने अपने-अपने संभाग की गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शहडोल संभाग प्रभारी पदम खेमका, संभाग अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी तथा सह संभाग अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि 15 जुलाई से 14 सितंबर 2026 तक प्रदेश के सभी 20 संभागों में संभागीय सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलनों में मुख्य, महिला एवं युवा इकाई के तहसील स्तर तक के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। सभी संभागों को निर्देश दिए गए हैं कि 31 जुलाई 2026 तक सम्मेलन की तिथि, स्थान तथा आमंत्रित पदाधिकारियों की सूची प्रदेश कार्यालय को भेजी जाए। सम्मेलनों में वैश्य समाज के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, सामाजिक समन्वय तथा आगामी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही प्रत्येक संभाग को संगठन की गतिविधियों को गति देने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक संगठन की पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने वैश्य समाज के हितों के संरक्षण, संवर्धन एवं संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

आरोग्य भारती उमरिया इकाई द्वारा जिला चिकित्सालय उमरिया में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

81 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत, जिला इकाई उमरिया एवं एसवी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय परिसर, उमरिया में सोमवार दिनांक 13 जुलाई 2026 को एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 81 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया, जिनमें 50 पुरुष एवं 31 महिलाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ किया गया। शिविर का संचालन करते हुए सिविल सर्जन एवं आरोग्य भारती जिला इकाई उमरिया के सचिव डॉ. के.सी. सोनी ने कहा कि आरोग्य भारती द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, रोगों की समय पर पहचान तथा घरेलू उपचार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर एसवी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शहडोल से पधारे यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. शिवेंद्र सिंह तिवारी ने अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी देते हुए मरीजों को विशेषज्ञ उपचार की उपलब्ध सेवाओं से अवगत कराया। शिविर में प्रसूति एवं बांझपन विशेषज्ञ डॉ. श्रुति सिंह, न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. विवेक शर्मा तथा वरिष्ठ जनरल फिजिशियन एवं डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. अमित वर्मा ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया। आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत जिला इकाई उमरिया के मार्गदर्शक रावेंद्र सिंह ने कहा कि भविष्य में जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके।

बस खेत में पलटी दर्जनों घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। डिंडौरी से मंडला की ओर आ रही यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस कोतवाली थाना क्षेत्र के छपरी गांव के पास अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और खेत में पलट गई। हादसे के बाद बस के भीतर यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए जिनमें चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। छपरी गांव के समीप अचानक चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा जिससे बस सड़क किनारे खेत में पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री सीटों के बीच फंस गए और मदद के लिए आवाज लगाते रहे। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112, 108 एम्बुलेंस, पुलिस तथा स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव कार्य में अहम भूमिका निभाते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को एम्बुलेंस और अन्य स्थानीय वाहनों की मदद से जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया।

लफरा कान्हा मार्ग बदहाल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के हिरदेनगर से कटंगा टोला लफरा होते हुए कान्हा जाने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों जर्जर हालत में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिससे स्थानीय ग्रामीणों राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बरसात के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और गड्ढों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों स्कूली छात्र-छात्राओं तथा अन्य यात्रियों के लिए इस मार्ग पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा सड़क की मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

नवोदय चयन आवेदन प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पदमी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय प्राचार्य ने जिले के सभी शासकीय एवं मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के पात्र विद्यार्थियों से समय-सीमा के भीतर आवेदन करने अपील की है प्राचार्य एसके राय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार चयन परीक्षा में वही विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं जो वर्तमान में जिले के किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत हैं तथा जिनकी जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 दोनों तिथियां सम्मिलित के बीच है।

विधायक के प्रयास से राहत

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मेंढ़ा सहकारी समिति में पिछले कई दिनों से खाद संकट के कारण किसान परेशान थे। सुबह से किसान भूखे-प्यासे समिति परिसर में खाद के इंतजार में बैठे रहे लेकिन न खाद मिल रही थी और न ही पंजीयन हो पा रहा था। किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई के वरिष्ठ महासचिव इमरान खान किसानों के बीच पहुंचे उनकी समस्याएं सुनीं और तुरंत इस पूरे मामले की जानकारी विधायक नारायण सिंह पट्टा को दूरभाष के माध्यम से दी। विधायक ने मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल कलेक्टर एवं महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से चर्चा की। उन्होंने किसानों के हित में समिति की अतिरिक्त खाद सीमा कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत करने का आग्रह किया। विधायक के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त खाद सीमा स्वीकृत कर दी गई तथा कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित विभाग भी तत्काल हरकत में आया।

31 तक कराएं फसल बीमा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। खरीफ मौसम 2026-27 में किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से समय-सीमा के भीतर अपनी फसलों का बीमा कराने की अपील की है, ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है, सरदार पटैल कॉलेज ने किया प्रतिभा सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

बुधवार को सरदार पटेल कॉलेज बड़ी खैरी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक एवं शिक्षकों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया और अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, सरदार पटेल विश्व विद्यालय बालाघाट के प्रो-चांसलर विरेश्वर सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा, रानी दुर्गावती महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. टी.एस. मिश्रा, प्रोफेसर दिलीप दुबे तथा पत्रकार परिषद अध्यक्ष नीरज अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आशीष ज्योतिषी ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए प्रतिभा सम्मान समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पूंजी उसकी प्रतिभाएं होती हैं। ऐसे विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का पुरस्कार नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। संस्थान का प्रयास है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धियों को उचित मंच मिले और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त हो। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से महेंद्र श्रीवास, सुशील पटेल सुशील अर्शिया सुदीप पटेल को परीक्षा के सफल संचालन हेतु सम्मानित किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिनेका के शिक्षक संज तिवारी को उत्कृट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नम्रता चौरसिया, प्रवीण सिंगरहा, विवेक सिंह ठाकुर, सुबोध जंघेला, विजयश्री ठाकुर, मुस्कान पटेल, बर्सिबा यादव, नीरज पटेल, ललिता पटेल, , निवृति जैन, गगन पटेल, विवेक कछवाहा, आशी पाठक, नीलम चौधरी, शुभम कछवाहा, नेहा पटेल, हेमन्त पटेल, वैशाली ठाकुर, कुसुम कुशवाहा, संदीप सिंधिया, सतेन्द्र कछवाहा उपस्थित रहे। समारोह में जिले के घुघरी, बम्हनी, बिछिया, मंडला, नैनपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों एवं गांवों से चयनित उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय अंक अर्जित कर अपने विद्यालय परिवार और जिले का नाम गौरवान्वित किया। सम्मानित विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर सभागार में उपस्थित लोगों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामान्यत: निजी शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रम कम देखने को मिलते हैं लेकिन सरदार पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने संस्थान के संचालक एवं स्टाफ को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव भी है। वहीं सरदार पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के प्रो-चांसलर विरेश्वर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति के जीवन को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करती है। संस्थान का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना नहीं बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना संस्थान की परंपरा का हिस्सा है और भविष्य में भी यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा ने कहा कि विद्यार्थियों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा ने कहा कि कठिन परिश्रम सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सीख दी। रानी दुर्गावती महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. टी.एस. मिश्रा ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करना विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा में भी इसी समर्पण और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रोफेसर दिलीप दुबे ने कहा कि ज्ञान ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को जीवन की प्रत्येक चुनौती का सामना करने योग्य बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। पत्रकार परिषद अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में शिक्षा और प्रतिभा का सम्मान बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करते हैं और उन्हें बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरित करते हैं।

नशे से दूरी...अभियान का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा 15 जुलाई को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ पुलिस लाइन में किया गया। यह 15 दिवसीय अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण हेतु जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव घोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, सीआरपीएफ 148 बटालियन श्री यादव, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीओपी पीयूष मिश्रा समस्त थाना प्रभारी, रक्षित निरीक्षक, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बड़ी संख्या में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं शिक्षकगण, मीडिया प्रतिनिधि एवं में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को नशे से दूरी है जरूरी की शपथ दिलाई गई तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प कराया गया। वही पोस्टर विमोचन एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन भी आयोजित किया गया। नशे को रेड कार्ड दिखाकर जन-जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिलेभर के थाना एवं चौकी क्षेत्रों में अभियान का शुभारंभ किया है। आगामी दिनों में अभियान के अंतर्गत जिलेभर में विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

निर्मला में पदभार ग्रहण समारोह

मण्डला(स्वतंत्रमत)

निर्मला सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद के शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश चतुर्वेदी डीएसपी महिला सुरक्षा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना गीत से किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के नव-निर्वाचित हेड गर्ल, हेड बॉय, हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन एवं छात्र परिषद के अन्य पदाधिकारियों को बैज एवं सैश प्रदान किए गए। सभी छात्र पदाधिकारियों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने अनुशासन का पालन करने नेतृत्व क्षमता का विकास करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ ली। मुख्य अतिथि श्री चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को ईमानदारी अनुशासन सेवा भावना एवं नेतृत्व के गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सच्चा नेतृत्व दूसरों के लिए आदर्श प्रस्तुत करने और जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने में निहित है। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर क्लारा कुजूर ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि सभी विद्यार्थी अपने कर्तव्यों का समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे तथा विद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक सिस्टर ज्योत्सना, प्राचार्या सिस्टर क्लारा कुजूर एवं उप-प्राचार्या सिस्टर वी. वेरोनिकल , नैन्सी निवेदिता बारा यत्र प्रभारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित हुआ नैनपुर रेलवे स्टेशन

17.86 करोड़ की लागत से बदला नैनपुर रेलवे स्टेशन का स्वरूप

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत व्यापक पुनर्विकास कार्यों के पूर्ण होने के साथ आधुनिक, सुरक्षित एवं यात्री-केंद्रित स्वरूप में विकसित हो चुका है। रेल विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य एवं जनजातीय संस्कृति के लिए प्रसिद्ध नैनपुर अब अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं, उन्नत अवसंरचना तथा स्थानीय सांस्कृतिक पहचान के समन्वय के साथ यात्रियों का स्वागत करने के लिए तैयार है। कभी देश के प्रमुख नैरोगेज जंक्शनों में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला नैनपुर रेलवे स्टेशन आज आधुनिक भारत की बदलती रेल अवसंरचना का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। लगभग 17.86 करोड़ की लागत से किए गए पुनर्विकास कार्यों में यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। स्टेशन के पुनर्विकास के अंतर्गत विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया विकसित किया गया है, जिससे स्टेशन पर आगमन एवं निकास अधिक व्यवस्थित एवं सुगम हुआ है। दोपहिया, तीनपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पृथक पार्किंग व्यवस्था, बेहतर यातायात प्रबंधन तथा प्लेटफॉर्म तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित की गई है। बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं अन्य यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, सुगम मार्ग तथा आधुनिक यात्री सुविधाओं का विकास किया गया है। स्टेशन भवन को आधुनिक वास्तुशिल्प के अनुरूप विकसित करते हुए स्थानीय संस्कृति एवं जनजातीय कला को विशेष स्थान दिया गया है।

नर्सिंग छात्रा की भरी कॉलेज फीस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। क्लब के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन संजय तिवारी तथा रोटेरियन अजय खोत ने आर्थिक रूप से कमजोर एक मेधावी छात्रा की कॉलेज फीस जमा कर उसकी उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा पलक साहू बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। आर्थिक तंगी के कारण वह कॉलेज की फीस जमा नहीं कर पा रही थी जिससे उसकी पढ़ाई बीच में रुकने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। छात्रा की इस स्थिति की जानकारी शिक्षक एवं रोटेरियन अखिलेश उपाध्याय ने रोटरी क्लब मंडला मैकल के पदाधिकारियों को दी। छात्रा की परिस्थिति को गंभीरता से लेते हुए क्लब के सेवाभावी सदस्यों संजय तिवारी और अजय खोत ने तत्काल सहयोग का निर्णय लिया और कॉलेज फीस के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराई, जिसे कॉलेज प्रबंधन को सौंपा गया।

चोरी की वारदातों पर सख्त हुए मंडला पुलिस अधीक्षक

नैनपुर में किया निरीक्षण आम जनता से किया संवाद

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र नैनपुर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने आमजन में चिंता और आक्रोश का माहौल बना दिया है। बीते कुछ महीनों में हुई बड़ी चोरियों का अब तक खुलासा नहीं हो पाने से पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ गई है। हाल ही में पीड़ितों ने अपनी शिकायतें जनप्रतिनिधियों, जिनमें मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हैं, के समक्ष भी रखी थीं।

पुलिस अधीक्षक का नैनपुर दौरा, घटनास्थलों का किया निरीक्षण- इसी क्रम में मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने नैनपुर का दौरा कर चोरी की प्रमुख घटनाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और घटनास्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। एसपी श्री रघुवंशी वार्ड नंबर 6 निवासी दीपक बंदेवार के घर पहुंचे, जहां मई माह में लगभग 45 लाख रुपए की नगदी, सोना-चांदी की बड़ी चोरी हुई थी। इसके अलावा वे वार्ड 15 निवासी अनंत वैष्णव के घर भी पहुंचे, जहां जून माह में करीब 18 लाख रुपए की चोरी हुई थी। दोनों ही घटनाओं में घर खाली होने का फायदा अज्ञात चोरों ने उठाया। एसपी ने जांच टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए आश्वस्त किया कि मामलों का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

पिंडरई में भी चोरी, चौकी से महज 300 मीटर दूर वारदात- नैनपुर के समीप पिंडरई क्षेत्र में भी चोरों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। चौकी से महज 300 मीटर की दूरी पर स्थित तुईया पानी, विद्यानगर में एक मुस्लिम परिवार के घर चोरी हुई। परिवार उर्स में नागपुर गया हुआ था, इसी दौरान 12 जुलाई को चोरों ने घर में घुसकर करीब 7 लाख 25 हजार रुपए तथा बेटे के घर से 30 हजार रुपए नगद पार कर दिए। पुलिस ने मौके पर डॉग स्क्वाड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद से जांच शुरू कर दी है।

जनता से संवाद, सुरक्षा व्यवस्था पर जोर- नैनपुर प्रवास के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की। नागरिकों ने नगर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों, अवैध गतिविधियों (जुआ, सट्टा, अवैध शराब) पर नियंत्रण तथा रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग रखी। एसपी रघुवंशी ने कहा कि पुलिस इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए लगातार कार्रवाई कर रही है और जल्द ही चोरी की घटनाओं का खुलासा किया जाएगा। जाहिर है कि नगर में बीते दो वर्षों में हुई कई चोरियों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। हालांकि हाल के दिनों में रात्रि गश्त में सुधार देखने को मिला है, लेकिन आमजन की अपेक्षा है कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए और ठोस कदम उठाए जाएं।

इनका कहना

चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस गंभीर हैं, जल्द ही आरोपियों तक पहुंचकर मामलों का खुलासा किया जाएगा।

राजेश रघुवंशी, पुलिस अधीक्षक, मंडला

हत्या या आत्महत्या में उलझा मामला

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। मंगलवार की सुबह थाना नगर परिषद के सामने एवं विनोद रंगमंच के बाजू में लगे ध्वजारोहण के पाईप मे लटका निशांत निशु नामदेव का शव लोगों को दिखाई दिया जिसकी सूचना थाना एवं परिवार के लोगों को दी गई पुलिस की उपस्थिति में शव को उतारा गया वार्ड नंबर 2 मुक्ति मार्ग निवासी निशांत निशु नामदेव पिता पप्पू नामदेव उम्र 25 वर्ष के जेब से मोबाइल फोन मिला एवं कान में एयर फोन लगा हुआ था मृतक के पिता पप्पू नामदेव एवं माता शारदा नामदेव मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत मां कामाख्या देवी दर्शन हेतु गए हुए है मृतक का भाई सोनू नामदेव ने बताया कि रात को 9:30 बजे दुकान बंद करके घर आया था और वह काफी तनाव में था जिसकी जानकारी परिवार में किसी को नहीं दिया था एवं रात में खाना भी नहीं खाया था सुबह लोगों ने जानकारी दी तब मुझे पता चला पुलिस ने पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम की अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया है किंतु मृतक के माता-पिता नहीं होने के कारण आज पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है मृतक का मोबाइल जांच हेतु रख लिए गया है जेब में मिले पैसे एवं चाबी परिजन के सुपर्द कर दिया गया जांच चल रही है।

कार्यालय प्राचार्य पी.एम.श्री शासकीय रानी अवंती बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंडला

डाइस कोड:- 23420118302 ईमेल :- govtrabmandla@gmail.com स्कूल कोड-741002
क्रमांक/विज्ञापन/अति./2026/ मंडला दिनांक 13/07/2026

विज्ञापन

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश 59 आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल के पत्र क्र/शि.स्था./ E-1372212/2026/12453/भोपाल दिनांक 04/07/2026 के परिपालन में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए School Management and Development Communitee (SMDC) के माध्यम से रिक्त पद के विरूद्ध अतिथि शिक्षक की भर्ती Education Portal 3.0/ऑफलाईन की जाना है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन दिनांक 16/07/2026 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है।

क्र	पदनाम	वर्ग	रिक्त पद की संख्या	योग्यता
1	अंग्रेजी	अतिथि शिक्षक वर्ग -2	01	अंग्रेजी साहित्य विषय से स्नातक के साथ डी.एड./बी.एड एवं Education Portal 3.0 से जनरेटेड SSS-2 स्कोर कार्ड अनिवार्य है।
2	संस्कृत	अतिथि शिक्षक वर्ग -1	01	संस्कृत सहित्य स्नातकोत्तर एवं बी.एड Education Portal 3.0 से जनरेटेड SSS-1 स्कोर कार्ड अनिवार्य है।

नोट:- 1 आवेदक का नवीन स्कोर कार्ड होना अनिवार्य है। 2 उक्त पदों का मानदेय शासन के नियमों के अनुरूप देय होगा। 3 उपरोक्त अस्थायी नियुक्ति शासन द्वारा गठित जिला स्तरीय समिति तथा विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के अनुमोदन उपरांत की जा सकेगी। 4 जिला स्तरीय समिति तथा विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। 5 रिक्त पद के विरूद्ध नियमित नियुक्ति होने के साथ की चयनित अतिथि शिक्षक की सेवाएं स्वमेय समाप्त की जावेगी।

प्राचार्य
शा.रा.अ.बा.क.उ.मा.वि मण्डला

न्यायालय श्रीमान चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश मंडला जिला मंडला (म.प्र.)
(पीठासीन अधिकारी. अल्तमश रहमान)

उ.प्र.क.- 149/26
प्रस्तुत दिनांक-08.07.2026
श्रीमति दसमी पन्द्रो पति मंगल लाल पन्द्रो उम्र 65 वर्षी, निवासी ग्राम पलेहरा चौकी हिरदेनगर जिला मंडला म.प्र., वर्तमान पता- प्रज्ञो नगर, देवदरा मंडला थाना मंडला, तहसील व जिला मंडला म.प्र.

आवेदिका

विरूद्ध

1- श्रीमति सविता पन्द्रो पति स्व. अनिल पन्द्रो उम्र 31 वर्ष, 2- सौम्या पन्द्रो पिता स्व. अनिल पन्द्रो, 3- जीव्यांश पिता स्व. अनिल पन्द्रो, क्रं. 2 व 3 नाबालिग जरिये बलि मां श्रीमति सविता पन्द्रो पति स्व. अनिल पन्द्रो उम्र 31 वर्ष सभी निवासी प्रज्ञा नगर देवदरा मंडला थाना मंडला तहसील व जिला मंडला म.प्र. 4- वन मंडल अधिकारी मंडला, थाना, तहसील व जिला मंडला म.प्र. 5- आम जनता

......अनावेदकगण

// आम इश्तहार //

इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदिका के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया हैं, कि स्व. अनिल कुमार पंद्रो पिता भंगन लाल पन्द्रो की आवेदिका श्रीमति दसमी पन्द्रो मां है, अनिल कुमार पंद्रो वन विभाग के अंतर्गत वनरक्षक के पद पर घुघरी तहसील घुघरी जिला मंडला में कार्यरत रहे हुए सेवाकाल के दौरान दिनांक 09.07.2023 को मृत्यु हो गई है मृतक अनिल वनरक्षक के पद पर मृत्यु के समय पदस्थ था और उसे प्रतिमाह वेतन प्राप्त होता था उसके विभाग में उसके नाम पर विभागीय देयको की जी.पी.एफ., ग्रेज्यूटी, बीमा, फेमिली बेनीफिट, पारिवारिक पेंशन एवं अन्य मदो की बकाया राशि जमा है, जिसे प्राप्त करने के लिए उसके वैधानिक उत्तराधिकारियो आवेदिका के द्वारा इस न्यायालय में धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदिका के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, जारी किए जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वे प्रकरण की नियत दिनांक 18.08.2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से जिन्हें प्रकरण की सम्पूर्ण जानकारी हो. प्रस्तुत करें, अथवा अपना पक्ष रखें, नियत दिनांक को अवकाश हो अथवा घोषित किया गया हो तो प्रकरण अगले कार्यदिवस सुना जावेगा, नियत दिनांक तक आपत्ति न आने की दशा में यह न्यायालय आवेदिका के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही करेगी।

अत: आज दिनांक-08.07.2026को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

(डॉ. अल्तमश रहमान)
चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश मंडला म.प्र.

संपादकीय

शोहरत की सजा

हिमाचल में पुलिस के एक अधिकारी और मध्यप्रदेश में एक ट्रैफिक हवलदार का निलंबन चकित करता है। एक पुलिस अधिकारी या ट्रैफिक हवलदार के मशहूर होने के कारणों में कानून-व्यवस्था का पैमाना हो सकता है, लेकिन यहां जिस इंस्पेक्टर और ट्रैफिक हवलदार का जिक्र हो रहा है, उनमें से एक म्यूजिक की शब्दावली में बैंड मास्टर है जिसके कंधों पर वर्दी का गौरव और सर्विस रूल्स की फाइल लटक रही है। तो दूसरा यातायात जागरुकता फैलाने के मामले में रील बनाने से मिली शोहरत का शिकार हो गया।

शौर्य, सूरत और सीरत में यहां यह मामला इतना भी आसान नहीं कि सोशल मीडिया में तू तू-मैं मैं से हल निकल आए या निर्णायक वोटिंग हो जाए। सरकारी नौकरी के नियम व वर्दी के सिद्धांत इतने भी नाजुक नहीं कि पुलिस बैंड को मात्र गवैया मान लें। यहां पूरी की पूरी हिमाचल पुलिस ने इस बैंड का प्रतिनिधित्व किया और इसलिए 'हुनरबाजी' के शो में एक राज्य की वर्दी जीती थी। महफिल भले ही बैंड ने लूटी हो, लेकिन वहां मिला हर सलाम वर्दी के लिए और वर्दी के हित में था। इसलिए विजय कुमार को मिली शोहरत उसकी निजी उपलब्धि नहीं थी। जब तक शरीर पर वर्दी और वर्दी की पॉकेट में सरकारी पगार है, उसके जीवन की मर्यादाएं, शगल, शगुन और परंपराएं सरकारी दिशा-निर्देश से ही चलेंगी। ऐसे में आरोपों की खारिश तो भुगतनी ही पड़ेगी। सिविल सर्विस रूल्स उनके लिए इतने तीखे-इतने कांटेदार क्यों हुए, उसके ऊपर जांच ही कोई फैसला ले सकती है, फिर भी सोशल मीडिया के हमाम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी अगर नापाक हुए हैं, तो कार्रवाइयों की ईमानदारी दोहरा व्यवहार नहीं कर सकती।

वहीं मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में ट्रैफिक हवलदार विवेकानंद का निलंबन सोशल मीडिया में उनके करोड़ों फैन्स को खल रही है। दुखी मन से विवेकानंद ने नौकरी से इस्तीफा भी दे दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे पर विभाग ने अभी तक कोई विचार नहीं किया, परंतु उनकी सोशल मीडिया से होने वाली आय की जांच जरूर खड़ी कर दी है। वैसे तो कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को भी नैतिकता और सेवा शर्तों का उल्लंघन करते देखा गया है, तो ये चैप्टर्स भी देखे जाने चाहिए, ताकि सनद रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सोशल मीडिया की फिजूलखर्ची का यह अदब है कि कई अध्यापक, साधारण कर्मचारी, मातहत अनुशासित परंपराएं भूल रहे हैं।

कर्मचारियों-कर्मचारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और अधिकारियों-अधिकारियों के बीच सोशल मीडिया का खेल बेजा है। सोशल मीडिया के पाप भयंकर शक्ल अख्तियार न करें, इसके लिए देश-प्रदेश ही नहीं, समाज को भी नैतिक उच्चारण करना पड़ेगा। हम न तो विजय कुमार पर की गई कार्रवाई को श्रेष्ठ मानते हैं और न ही उनके आचरण को बरी करते हैं, फिर भी सबक लेने की गुजारिश करेंगे। ऐसे मामलों में देश का कानून भी परिपक्व नहीं हुआ है। अभी अरुणाचल प्रदेश में यौन उत्पीड़न के मामले में स्कूल के शिक्षक वर्ग की शामत आई है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अब सोच यह है कि 13 साल आयु तक के बच्चे सोशल मीडिया ज्वाइन नहीं कर सकते। ऐसे में वे अभिभावक भी दोषी हैं जो दुधमुंहे बच्चे के हाथों में मोबाइल थमा कर अपने फर्ज की इतिश्री कर रहे हैं। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, ऐसे सबक का यथार्थ तब सिद्ध होगा, अगर सरकारी क्षेत्र के तमाम हथकंडे सोशल मीडिया की सतह से दूर रखे जाएं।

बाबू जगमोहन दासः इतिहास के सम्मानित स्तंभ

आज स्मृति दिवस

बाबू जगमोहन दास जबलपुर और मध्य प्रदेश के इतिहास के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और सम्मानित स्तंभ रहे हैं। उनका पूरा जीवन जनकल्याण, शिक्षा के प्रसार और देश सेवा को समर्पित था। उन्होंने अविभाजित मध्य प्रदेश की आरंग विधानसभा सीट से वर्ष 1957 और 1962 के आम चुनावों में भारी मतों से जीत हासिल की और विधानसभा में क्षेत्र की जनता की आवाज उठाई। अपनी प्रशासनिक क्षमता और लोकप्रियता के कारण वे मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर भी रहे। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास और कल्याणकारी नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल के दौरान जबलपुर में कई विकास कार्य हुए। उन्हें संस्कारधानी जबलपुर को शिक्षा की राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में एक प्रमुख दूरदर्शी माना जाता है। 1959 में जबलपुर में प्रदेशस्तरीय युवक कांग्रेस का सम्मेलन आयोजित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे शीर्ष नेताओं को जबलपुर लाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। जबलपुर के एल्गिन अस्पताल (रानी दुर्गावती अस्पताल) चौराहे पर उनकी प्रतिमा स्थित है, जहाँ प्रतिवर्ष उनका स्मृति दिवस आयोजित किया जाता है। हर साल उनके स्मृति दिवस पर शहर के प्रबुद्ध नागरिक और राजनेता उनके योगदान को याद कर सामाजिक समरसता की शपथ लेते हैं। उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में अंग्रेजी साहित्य में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले होनहार छात्रों को प्रतिवर्ष बाबू जगमोहन दास स्मृति स्वर्ण पदक से नवाजा जाता है।

1957-1967 का कालखंड बाबू जगमोहन दास के जीवन का स्वर्ण युग था, जहां उन्होंने एक कुशल संगठनकर्ता से लेकर मध्य प्रदेश सरकार के एक प्रभावी कैबिनेट मंत्री के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी। इसी दौर में किए गए कार्यों के कारण आज भी जबलपुर और संपूर्ण मध्य प्रदेश में उन्हें एक बेहद शालीन और विकासपरक राजनेता के रूप में याद किया जाता है। वर्ष 1957 से 1967 के बीच का दशक बाबू जगमोहन दास के राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण समय इसलिए माना जाता है क्योंकि यह वह समय था जब आज के छत्तीसगढ़ राज्य सहित अविभाजित मध्य प्रदेश का गठन (1956) नया-नया हुआ था और राज्य अपनी राजनीतिक व प्रशासनिक दिशा तय कर रहा था। इस विशिष्ट कालखंड की मुख्य राजनीतिक विशेषताएं और घटनाएं इस प्रकार हैं-

1. पहली बार विधानसभा प्रवेश और बड़ी जीत (1957)

1956 में नए मध्य प्रदेश के गठन के बाद वर्ष 1957 में राज्य के पहले विधानसभा चुनाव हुए। बाबू जगमोहन दास ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर आरंग विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और शानदार जीत दर्ज की। आरंग क्षेत्र वर्तमान में छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले का हिस्सा है, लेकिन उस समय यह अविभाजित मध्य प्रदेश का एक प्रमुख राजनीतिक केंद्र था।

2. मंत्री का कार्यकाल (1961-1962)

अपनी प्रशासनिक पकड़ और जमीनी स्तर पर लोकप्रियता के कारण वे राज्य सरकार के शीर्ष नेतृत्व की पसंद बने। इस कालखंड में (विशेषकर 1961 के दौरान) उन्होंने मध्य प्रदेश के स्थानीय स्वशासन मंत्री और उप-मंत्री के रूप में कार्य किया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने नवगठित मध्य प्रदेश में नगर निकायों, स्थानीय पंचायतों और बुनियादी ढांचे से जुड़े कानूनों को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। नेहरू युग के इस दौर में स्थानीय निकायों को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता थी।

3. लगातार दूसरी जीत (1962)

वर्ष 1962 के अगले विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपनी लोकप्रियता को साबित करते हुए आरंग सीट से दोबारा जीत हासिल की। हालांकि उन्होंने चुनाव आरंग से लड़ा था, लेकिन उनका मुख्य राजनीतिक और पारिवारिक आधार जबलपुर (महाकौशल) ही था। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. कैलाश नाथ काटजू और बाद में पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा (डी.पी. मिश्रा) के कार्यकाल के दौरान महाकौशल क्षेत्र की राजनीति को अत्यधिक प्रभावित किया।

- राजेन्द्र मिश्रा

विरलतम व्यक्तित्व: जयंती ही उनकी पुण्यतिथि

राष्ट्र के प्रख्यात साहित्यकार व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पद्मभूषण डॉ. गोविन्ददास जी के कनिष्ठ सुपुत्र जगमोहनदास जी का जन्म 16 जुलाई 1923 को जबलपुर में हुआ था। प्रारंभ से ही एक मेधावी छात्र के रुप में आपको जाना जाता था, आपने नागपुर विश्वविद्यालय से कला एवं विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनकी प्रतिभा का परिचय उनके विद्यर्थी काल से ही मिलने लगा था। बाबू जगमोहनदास जी ने सन् 1946 में कांग्रेस में प्रवेश किया और उसी साल राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की प्रथम कार्यकारिणी के सदस्य हुए। साथ ही ऑर्गनाइजिंग जनरल सेक्रेटरी भी हुए। 1952 को प्रथम आम चुनाव में मध्यप्रदेश विधानसभा के कांग्रेस कार्यकारिणी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी निर्वाचित हुए। आपकी क्षमता व कुशाग्र बुद्धि तथा लोकप्रियता को देखते हुए आपको मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल ने अपने मंत्रीमंडल मे उप-शिक्षामंत्री का पद प्रदान किया। आपने उस काल में जबलपुर विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज तथा होम साइंस कॉलेज आदि महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्तरूप दिया तथा 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की योजना भी अपने कार्यकाल में लागू की। इसी प्रकार किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए 20 एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के परिवार के बच्चों को भी निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया। इनकी योग्यता कर्मठता को देखते हुए आपको राजस्व उपमंत्री का पद सौंपा गया। अपने कार्यकाल में आपको केबिनेट स्तर का मंत्री पद दिया गया तथा पंचायतराज, सहकारिता तथा स्वायत्त शासन विभाग भी जनमोहनदास जी को सौंपे गए। मध्यप्रदेश में पंचायतीराज की कल्पना उनके अथक प्रयास से ही साकार हुई, जो सम्पूर्ण देश में आदर्श अनुकरणीय सिद्ध हुई। जगमोहनदास जी एक सरल हृदय व जन पीड़ा का अनुभव करने वाले लगनशील तथा कर्मठ व्यक्ति थे। आपकी ख्याति व लोकप्रियता अतुलनीय थी। वैभवशील जीवन का परित्याग कर जनसेवा का बीड़ा उठाने वाले व्यक्ति कम ही होते है। देश की सेवा के साथ जनसेवा व परोपकार के कार्यों को करते हुए 16 जुलाई 1964 को अपने जन्म दिवस के दिन ही इस महान संतरुपी व्यक्ति ने अपने प्राणों का त्याग कर इस संसार से विदा ली।

जलतंत्र में डूबता-उतराता लोकतंत्र

प्रकृति और हमारी व्यवस्था की साझेदारी ने जलजमाव और बाढ़ को एक ऐसे वार्षिक महोत्सव का दर्जा दे दिया है, जिसका इंतज़ार कुछ लोग डर से और कुछ अवसर की तलाश में करते हैं। बरसात आते ही आम आदमी की ज़िंदगी पानी में बहने लगती है और नेताओं की संवेदनाएं हेलीकॉप्टर के साथ उड़ान भरने लगती हैं। उधर वीआईपी आवासों में गर्मा-गर्म पकौड़े छनते हैं, इधर जलमग्न इलाकों में लोग राहत सामग्री की आस में भीगते रहते हैं। चुनाव प्रचार के बाद हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण का यह दूसरा सबसे बड़ा अवसर होता है। ऊपर से बाढ़ का मंजर दिखाई देता है और नीचे पीड़ितों को आश्वासनों की बारिश। नगर निगम शर्म से और नेता निष्कर्म से पानी-पानी हो जाते हैं। निकासी के अभाव में जलजमाव अथवा तटबंध कटाव के कारण सैलाब की बनी स्थिति मीडिया के लिए किसी त्योहार से कम नहीं। कैमरे पानी में डूबे घरों से ज़्यादा उन रिपोर्टरों को दिखाते हैं जो घुटनों तक पानी में खड़े होकर 'स्थिति भयावह है' का सीधा प्रसारण करते हैं। विपक्ष भी वर्षभर की शीतनिद्रा छोड़कर बांध, कटाव और राहत को लेकर ऐसी गर्जना करता है, मानो उसके भाषण से ही नदियां दिशा बदल लेंगी। जलराशि अथवा बाढ़ अपने साथ केवल पानी नहीं, अवसर भी लाती है। जलकुंभी की तरह स्वयंसेवी संस्थाएं और मौसमी समाजसेवी उग आते हैं। दो किलो चूड़ा-गुड़ बांटकर दर्जनों सेल्फियां खिंचवाते हैं और सोशल मीडिया पर स्वयं को आधुनिक दानवीर कर्ण घोषित कर देते हैं। अधिकारी राहत योजनाओं की फाइलों में आंकड़ों का ऐसा तैराकी प्रदर्शन करते हैं कि कागज़ पर पूरा इलाका राहत से सराबोर दिखाई देता है। हर घर नल-जल योजना जहां नहीं पहुंच पाती, वहां बाढ़ बिना किसी सरकारी आदेश के पानी पहुंचा देती है। टूटी सड़कें प्राकृतिक स्विमिंग पूल बन जाती हैं और बच्चे मुफ्त के वाटर पार्क का आनंद लेने लगते हैं। हमारी आस्थावान जनता नदियों को 'मैया' कहती है, इसलिए शायद मैया भी हर वर्ष बिना निमंत्रण घर-घर दर्शन देने चली आती हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो हमारे यहां बाढ़ या जल जमाव अब प्राकृतिक आपदा कम और लोकतांत्रिक परंपरा अधिक बन चुकी है। ऐसे में इनका स्थायी समाधान खोजने की बात बेमानी सी लगती है। आखिर हवाई सर्वेक्षण, राहत पैकेज, प्रेस कॉन्फ्रेंस, फोटोशूट और मौसमी समाजसेवा के इस वार्षिक महोत्सव की परंपरा टूट गई, तो फिर बाढ़ का 'लोकतांत्रिक लाभ' कौन उठाएगा?

मानसून में पौधारोपण और भ्रष्टाचार की जड़

मानसूनी फुहार के साथ पौधारोपण का दौर चल पड़ता है। लोग पौधे हाथ में लिए सेल्फ़ी खिंचाने को उतावले हो जाते हैं। हालांकि, पौधारोपण के लिए मौसम की दरकार नहीं होती। सरकारी महकमों में पौधारोपण की पुरानी परम्परा है। महकमे में अधिकारी आए या जाए, पौधारोपण कार्य विधि-विधान से निपटा लिया जाता है। रोपण के बाद पौधे के पोषण की चिंता भगवान पर छोड़ दी जाती है। रोपित पौधा बचे न बचे, रोपणकर्ता अधिकारी की नाम पट्टिका मकबरे की नाम पट्टिका की तरह वहां डटी रहती है।

मानसून के आते ही पौधारोपण करते छुटभैये नेताओं की फोटुएं अख़बारों में लहलहा उठती हैं। खबर है कि किसी महकमे में कोई भ्रष्ट अधिकारी पौधारोपण का क्रियाकर्म निपटा रहे थे। उनके इर्द-गिर्द कर्मचारियों की भीड़ जमा थी। तभी कोई रुष्ट ईमानदार कर्मचारी मिनमिनाया, 'इस भ्रष्टाचार को तो जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए।' यह सुनकर अधिकारी के कान खड़े हो गए। वे अपने हाथों में पौधे को थामे हुए थे। उन्होंने आंखें तरेरकर उस कर्मचारी पर दृष्टिपात किया। बेचारे कर्मचारी की संस्कारों में मिली ईमानदारी पिघलकर बहने को हो आई। वह रुआंसा हो गया। अधिकारी एक भरे-पूरे तोंदीले वृक्ष थे। वे रुष्ट कर्मचारी की हरकत से घोर अनिष्ट की आशंका से घिर गए कि हो न हो उनकी जड़ों में मट्ठा डालने वाला यही 'ईमानदार' है। रोपण के पावन अवसर पर उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कर रहा है! यह बात उन्हें बिल्कुल हजम नहीं हो रही थी। वे तो सदैव रोपण करते आए है, ताकि भ्रष्टफलों की भरपूर पैदावार हो और जरूरत पड़ने पर उनका रसास्वादन किया जा सके। भ्रष्टफलों का स्वाद अप्रतिम होता है।

बहरहाल, इसी दौरान भीड़ में एक भ्रष्टाचार का मारा आम नागरिक घुस आया और बोला, 'साहब जी! महकमें में व्याप्त भ्रष्टाचार ने हमारा जीना हराम कर दिया है। समझ नहीं आता कि कैसे निपटें। अब आप ही कुछ करिए।' यह सुनकर वहां उपस्थित चमचों में खलबली मच गई। धक्का-मुक्की में अधिकारी के हाथ में थामा हुआ पौधा, मिट्टी में से जड़ सहित उखड़कर उल्टा हो गया। तना नीचे और जड़ ऊपर। अधिकारी जड़ से उखाड़ फेंकने के अशुभ संकेत से हक्के-बक्के थे। कभी उस आदमी को और कभी जड़ों को देख रहे थे। मानो इंतज़ार कर रहे थे कि उन्हें कोई बताए कि पौधे की जड़ों को बचाया कैसे जाए। तभी उनके परम सहयोगी लेनदेन लाल ने पौधे की जड़ों को सहेजकर मिट्टी में रोप दिया। और अधिकारी इत्मीनान से जड़ें सींचने लगे।

- राकेश सोहम

15 लीटर पेट्रोल का जुमला...इथेनॉल नीति पर जवाबदेही का समय

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

देश को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल अपनाने के लिए प्रेरित करते समय जनता के सामने एक आकर्षक भविष्य की तस्वीर रखी गई थी। यह कहा गया कि इथेनॉल आधारित ईंधन व्यवस्था आने पर पेट्रोल की कीमतें 15 रुपये प्रति लीटर तक आ सकती हैं। वर्षों बाद वास्तविकता यह है कि उपभोक्ता आज भी ऊंची कीमत पर पेट्रोल खरीद रहा है और अब उसे यह भी बताया जा रहा है कि ई20 ईंधन के कारण कुछ वाहनों में माइलेज 3-5 प्रतिशत तक घट सकता है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्रालय ने माना है कि कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता पर प्रभाव पड़ सकता है।

यह सर्वविदित है इथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू (ऊर्जा क्षमता) पेट्रोल से लगभग 30-35 प्रतिशत कम है, तो समान मात्रा में ईंधन से मिलने वाली ऊर्जा भी कम होगी। आधुनिक ई20-अनुकूल इंजन इस अंतर की कुछ भरपाई कर सकते हैं, लेकिन भौतिकी का यह सिद्धांत नहीं बदलता कि इथेनॉल में प्रति लीटर ऊर्जा कम होती है। इसलिए माइलेज पर कुछ प्रभाव पड़ना तकनीकी रूप से अस्वाभाविक नहीं है। हाल के दिनों में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा है कि इथेनॉल की कम कैलोरिफिक वैल्यू के कारण माइलेज पर सीमित असर पड़ सकता है, हालांकि उन्होंने वाहन क्षति के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया।

सरकार का दूसरा तर्क है कि ई 20 को व्यापक परीक्षण के बाद लागू किया गया और आधुनिक वाहनों में इससे सामान्य रूप से इंजन क्षति का कोई प्रमाणित पैटर्न नहीं मिला। उद्योग संगठनों और सरकार का कहना है कि ई20 के लिए परीक्षण किए गए हैं तथा वारंटी भी लागू रहेगी।

फिर भी उपभोक्ता के सामने कुछ वैध प्रश्न बने रहते हैं।

यदि इथेनॉल मिश्रण से तेल आयात कम होता है, तो उसका आर्थिक लाभ पेट्रोल की खुदरा कीमत में क्यों नहीं दिखाई देता? यदि लाखों पुराने वाहन मूल रूप से ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे, तो उनके लिए अलग संक्रमण योजना क्यों नहीं बनाई गई? यदि पेट्रोल पंपों और वाहन निर्माताओं द्वारा ईंधन प्रणाली की देखभाल संबंधी अतिरिक्त सावधानियां बताई जाती हैं, तो क्या उपभोक्ता को पहले से व्यापक और स्पष्ट जानकारी दी गई?

आज नीति का मूल्यांकन केवल पर्यावरणीय या कृषि लाभ से नहीं, बल्कि उपभोक्ता अनुभव से भी होगा। यदि जनता को अधिक कीमत भी चुकानी पड़े, माइलेज में कमी का अनुभव भी हो और भविष्य में रखरखाव की अतिरिक्त चिंता भी उठानी पड़े, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार उन शुरुआती दावों और वर्तमान परिणामों के बीच के अंतर का स्पष्टीकरण दे।

सरकार यह भी बताये कि ईथेनाल निर्माण में खर्च होने वाले अतिशय पानी के कारण भविष्य में पानी के संभावित संकट पर उसकी क्या नीति है? जल संकट से होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी?

भारत को वैकल्पिक ईंधनों की आवश्यकता है। ऊर्जा सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है और किसानों के लिए नए बाज़ार भी। लेकिन किसी भी ऊर्जा परिवर्तन की सफलता का आधार केवल नीति नहीं, बल्कि पारदर्शिता, वैज्ञानिक संवाद और उपभोक्ता के प्रति जवाबदेही है।

इथेनॉल नीति पर एक और प्रश्न पारदर्शिता का है। आश्चर्य यह है कि इस विषय पर सबसे अधिक सार्वजनिक पक्षधरता अक्सर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करते दिखाई देते हैं, जबकि यह नीति मूलतः पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़ी है। यदि किसी मंत्री या उनके परिवार का जैव-ईंधन क्षेत्र से कोई व्यावसायिक संबंध सार्वजनिक रूप से मौजूद है, तो सरकार को स्वयं आगे बढ़कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीति-निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और निजी व्यावसायिक हितों के बीच किसी प्रकार का हितों का टकराव नहीं है। लोकतंत्र में केवल निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि निष्पक्षता का दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।

सरकार को अब तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए-पहला, इथेनॉल नीति का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट सार्वजनिक किया जाए; दूसरा, पुराने और नए वाहनों पर वास्तविक प्रभाव का विस्तृत डेटा जारी किया जाए; और तीसरा, यह बताया जाए कि जिन आर्थिक लाभों का वादा किया गया था, वे आम उपभोक्ता तक कब और कैसे पहुंचेंगे।

ऊर्जा परिवर्तन तभी सफल माना जाएगा जब उसके लाभ किसानों, पर्यावरण और उपभोक्ता-तीनों तक समान रूप से पहुंचें।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है-विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज-तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए।

देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है। आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है- तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानते हैं।

अंततः यह मामला केवल चढ़ावे का नहीं, विश्वास का है। करोड़ों लोगों ने राम मंदिर को अपना मंदिर माना है। उन्होंने बिना किसी स्वार्थ के अपना धन, अपना श्रम और अपनी आस्था समर्पित की है। उस विश्वास की रक्षा करना ट्रस्ट, सरकार और न्यायपालिका-तीनों की समान जिम्मेदारी है।सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में चल रही प्रक्रिया से देश को यही अपेक्षा है कि जांच निष्पक्ष हो, सत्य सामने आए और जो भी तथ्य हों, वे बिना किसी दबाव के सार्वजनिक किए जाएं। यदि कोई दोषी है तो उसे कानून के अनुसार दंड मिले और यदि आरोप निराधार हैं तो ट्रस्ट की प्रतिष्ठा भी पूरी तरह बहाल हो। क्योंकि अंततः राम का सबसे बड़ा संदेश सत्य है, और सत्य को कभी जांच से भय नहीं होता। राम मंदिर की सबसे मजबूत दीवारें पत्थरों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के अटूट विश्वास से निर्मित होंगी। यही रामराज्य की भावना है और यही किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सबसे

स्वतंत्र मत
जबलपुर

गुरूवार 16 जुलाई 2026

अमेरिका ने होर्मुज में फिर से शुरू की नाकाबंदी, नए हमले में अहवाज और केश्म द्वीप को बनाया निशाना

तेहरान

अमेरिकी सेना ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हमलों के जवाब में ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी फिर से लागू कर दी है। इस कदम के साथ ही अंतरिम युद्धविराम समझौता टूटने की कगार पर पहुँच गया है और क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध छिड़ने की आशंका बढ़ गई है।

ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर IRIB ने बताया कि दक्षिणी शहर अहवाज में एक और धमाके की आवाज सुनी गई, जबकि केशम द्वीप पर भी कई धमाकों की खबर मिली। होर्मुज जलडमरूमध्य वाशिंगटन और तेहरान के बीच टकराव का केंद्र बना हुआ है, और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर नेविगेशन की आजादी को खतरे में डालने का आरोप लगा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार अप्रैल के मध्य में यह नाकाबंदी लगाई थी, जिसे युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के उद्देश्य से अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के एक दिन बाद मध्य जून में हटा लिया गया था। इस समझौते के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए 60 दिन की समयसीमा तय की गई थी, लेकिन जलडमरूमध्य पर संघर्ष तेज होने के कारण वार्ता ठप हो गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोमवार को नाकाबंदी की वापसी की घोषणा करते हुए जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर 20त्न शुल्क लगाने की बात कही थी। हालांकि, नाकाबंदी फिर से शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने खाड़ी सहयोगियों के अनुरोध का हवाला देते हुए शुल्क वसूलने की

योजना को छोड़ दिया। मंगलवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बताया कि उन्हें कई राजाओं और अमीरों के फोन आए, जिन्होंने शुल्क के बजाय एक वैकल्पिक व्यवस्था का सुझाव दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कहा कि वे अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करना पसंद करेंगे।

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह निवेश व्यवस्था को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि उनका मानना है कि किसी को भी जलडमरूमध्य के लिए शुल्क नहीं लेना चाहिए। ट्रंप के इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत जो 87 प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, वह गिरकर 78 पर आ गई।

नाकाबंदी दोबारा लागू करने से पहले अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमलों की एक और लहर शुरू की। अमेरिकी सैन्य सेंट्रल कमांड ने तटीय रक्षा प्रणालियों, मिसाइल और ड्रोन साइटों को निशाना बनाते हुए ईरान के कई क्षेत्रों पर हमले किए। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नागरिकों पर हमला करने की ईरान की क्षमता कम होगी।

जवाब में, ईरान ने बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तीन टैंकरों को निशाना बनाकर हमले किए। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात से जुड़े दो टैंकरों मोम्बासा और अल बहिया पर हुए हमले में दो नाविकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इसके बाद यूएई ने भी जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है।

युद्ध से पहले दुनिया का लगभग पांचवां कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था, तब यह सभी के लिए बिना किसी टोल के खुला था। ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम गरिबाबादी ने कहा कि अमेरिका तेहरान को होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी प्रभावी संप्रभुता का प्रयोग करने से रोकने की कोशिश कर रहा है। कतर के विदेश मंत्रालय ने जॉर्डन, बहरीन और कुवैत पर हुए ईरानी हमलों की निंदा की और इसे संप्रभुता का घोर उल्लंघन करार देते हुए कूटनीति और बातचीत की अपील की है। इस बीच, ईरानी मीडिया के अनुसार, फारस की खाड़ी पर स्थित ईरानी शहर बुशहर में कम से कम चार स्थानों पर हमले हुए हैं। दक्षिण-पश्चिमी शहर अवाज़ और बंदर अब्बास में भी विस्फोटों की खबरें हैं, जिससे यह आशंका पैदा हो गई है कि खाड़ी के अरब देश बिना सार्वजनिक घोषणा के ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। हाल के दिनों में हुई गोलीबारी ने अंतरिम शांति समझौते पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय अधिकारी अब अमेरिका और ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान के नेतृत्व में मध्यस्थता टीम युद्धविराम को फिर से लागू करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। दूसरी ओर, लेबनान और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल रोम में मुलाकात कर रहे हैं और अमेरिकी मध्यस्थता में वार्ता जारी रखेंगे।

पिछले महीने दोनों देशों ने हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण के बदले दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना की वापसी की रूपरेखा की घोषणा की थी, लेकिन इसे लागू करने का काम अभी भी अटका हुआ है। अगर अमेरिका और ईरान के बीच पूर्ण पैमाने पर युद्ध होता है, तो लेबनान में मौजूद मौजूदा संघर्ष विराम के भी टूटने का खतरा मंडरा रहा है।

डेटा रोमिंग, ऐड टेक.... ईरान ने खाड़ी में अमेरिकी सैनिकों को कैसे किया ट्रैक

वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध मिसाइलों और हथियारों से तो लड़ा ही जा रहा है, इस युद्ध में तकनीक का भी भरपूर इस्तेमाल हो रहा है। खबरों के मुताबिक, ईरानी हेकर्स ने मिडिल ईस्ट के पुराने टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों का फायदा उठाकर उस इलाके में अमेरिकी सैनिकों और कॉन्ट्रैक्टर के फोन का पता लगाया है। मोबाइल सर्विलांस मॉनिटर, जो मोबाइल जासूसी पर रिसर्च करने वाली एक संस्था है, ने पाया है कि मिडिल ईस्ट के टेलीकॉम नेटवर्क को ऐसे कई अनुरोध मिल रहे हैं जिनमें अपने होम नेटवर्क से बाहर रोमिंग कर रहे खास फोन की लोकेशन का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर गैरी मिलर, जिन्होंने इस गैर-लाभकारी संस्था की स्थापना की थी, ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि यह डेटा एक कॉर्डिनेटेड अटैक मिशन का संकेत था। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये खतरनाक साइबर हमले ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध की तैयारी के दौरान हुए, जो फरवरी के आखिर में शुरू हुआ और संघर्ष के शुरुआती दिनों में भी जारी रहा, जब तेहरान ने इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमले लिए।

मिडिल ईस्ट में हजारों अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जिनमें बहरीन भी शामिल है। मिलर के अनुसार, वहां टेलीकॉम नेटवर्क पर स्स्7 पिंग नाम के इनफॉर्मेशन रिक्वेस्ट की बाढ़ आ गई थी। यह ग्लोबल टेलीकॉम नेटवर्क के जरिए भेजी जाने वाली एक साइलेंट क्वेरी है जिसका इस्तेमाल किसी टारगेट फोन का पता लगाने या यह पुष्टि करने के लिए किया जाता है कि वह एक्टिव है और रोमिंग कर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र के अधिकारियों का मानना है कि ईरान या उसके सहयोगी अमेरिकी सैनिकों का पता लगाने की कोशिश में स्थानीय फोन प्रोवाइडर्स के साथ रोमिंग समझौतों का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि डेटा में ब्लॉक की गई कुछ ट्रैकिंग कोशिशों को एक ईरानी मोबाइल फोन ऑपरेटर से जोड़ा जा सकता है, जिससे एक ऐसा फिंगरप्रिंट बनता है जो कई अन्य से मेल खाता है। ऐसा लगता है कि यह बहुत खास यूजर्स को टारगेट करने का मामला है। वे खास डिवाइस को टारगेट कर रहे हैं। मिलिशिया के समर्थन से, ईरान ने युद्ध के दौरान इराक, बहरीन जो अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का बेस है, और मिडिल ईस्ट के अन्य इलाकों में कई होटलों पर हमले किए हैं। कुछ मौकों पर, इन हमलों में अमेरिकी कॉन्ट्रैक्टर्स और सैनिक घायल भी हुए हैं। बात करते हुए, सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर निकिता शाह ने कहा कि ईरान का टारगेट का पता लगाने के लिए फोन नेटवर्क सिग्नल का इस्तेमाल उसकी साइबर-वॉरफेयर क्षमताओं में हुई तरक्की को दिखाता है। इससे ईरानी मिसाइलों की रेंज में तैनात अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। शाह ने कहा कि पिछले कुछ सालों में, और खासकर इस टकराव के दौरान, ईरान काफी क्रिएटिव हो गया है। मेरे लिए, यह तकनीक के मामले में एक कदम आगे बढ़ने का संकेत है। डिवाइस बनाने वाली कंपनियों की तरफ से स्मार्टफोन को दिए गए एडवरटाइजिंग ड्ढष्ठ की वजह से सालों से किसी खास फोन या डिवाइस के ग्रुप का पता लगाना मुमकिन हो गया है, और अमेरिका ने निगरानी के लिए एड-टेक का गलत इस्तेमाल किया है। लेकिन दुश्मनों द्वारा अमेरिकी सैनिकों पर नजर रखने की संभावना ने अमेरिका में कानून बनाने वालों को चिंता में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि स्मार्टफोन एड-टेक ने सेना को हमले के प्रति संवेदनशील बना दिया है। ओरेगन के डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन ने कहा कि यह पहली बार होगा जब अमेरिकी दुश्मन युद्ध में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने के लिए कमर्शियल लोकेशन डेटा का इस्तेमाल करेंगे।

मुस्तफा कमाल के निधन के बावजूद नेशनल कॉन्फ्रेंस के दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं : उमर

श्रीनगर, (वार्ता)

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता मुस्तफा कमाल के निधन के बावजूद पूर्ण राज्य दर्जे की बहाली को लेकर 20 जुलाई को नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता एवं श्री अब्दुल्ला के चाचा मुस्तफा कमाल (84) का मंगलवार शाम को श्रीनगर में निधन हो गया था। श्री अब्दुल्ला ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि खुद दिवंगत नेता भी यही चाहते कि दिल्ली का कार्यक्रम टाला न जाये। उन्होंने कहा, इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। न ही मुस्तफा कमाल साहब इसमें कोई बदलाव चाहते थे।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नेता के अंतिम दिनों को याद करते हुए कहा कि 11 जुलाई को कमाल की तबीयत बिगड़ गयी थी और डॉक्टरों ने उनकी स्थिति पर गंभीर चिंता जतायी थी। उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने हमें बताया था कि शायद वह न बच पाएं। लेकिन तब भी, पार्टी अध्यक्ष फारूक (अब्दुल्ला) साहब ने मुझसे कहा था कि मुस्तफा साहब को जो भी हो, 12 तारीख का जम्मू का कार्यक्रम जारी रहना चाहिए। गौरतलब है कि पार्टी ने 11 जुलाई को ही श्रीनगर में पार्टी संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला की पत्नी बेगम अकबर जहां की 26वीं पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली आयोजित की थी। इसके अगले दिन पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन के रूप में जम्मू में भी ऐसी ही एक रैली की थी।

श्री अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी ने उन परिस्थितियों में भी अपना तय कार्यक्रम रद्द नहीं किया था, इसलिए 20 जुलाई के प्रदर्शन को टालने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

ने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति दी जाए या न दी जाए, पार्टी नेता 19 जुलाई को हर हाल में देश की राजधानी के लिए रवाना होंगे।उन्होंने कहा, हमें (अनुमति के लिए) अभी भी इंतजार कराया जा रहा है। जैसा कि मैंने 11 तारीख को कहा था, हम जानते हैं कि धीरज कैसे रखा जाता है। हम अपनी वैकल्पिक योजना तैयार रखेंगे।

श्री उमर ने कहा कि उन्होंने अपने साथी नेताओं को पहले ही सूचित कर दिया है कि वे योजना के अनुसार ही आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, मैंने अपने सहयोगियों से, जिन्होंने मुझसे पूछा था कि क्या हमें जाने की अनुमति दी जायेगी, कहा है कि हम 19 तारीख को निश्चित रूप से दिल्ली जायेंगे। हमें जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मिल भी सकती है और नहीं भी। हम साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे कि क्या किया जाना चाहिए। लेकिन हम 19 तारीख को दिल्ली जरूर जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने चाचा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्री मुस्तफा कमाल केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष के छोटे भाई होने से कहीं बढ़कर थे। उन्होंने श्री कमाल को एक समर्पित डॉक्टर, अनुभवी राजनेता और ऐसा नेता बताया जिन्होंने अपना जीवन जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि वह तत्कालीन जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य करते हुए भी तंगमर्ग में अपने साप्ताहिक क्लिनिक में गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज करते रहे।

श्री अब्दुल्ला ने उनकी राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए कहा कि श्री कमाल 1987 में तंगमर्ग से विधानसभा के लिए चुने जाने से पहले विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) रहे, 1996 में इसी निर्वाचन क्षेत्र से फिर लौटे और बाद में अगले चुनावों में पट्टन और हजरतबल का प्रतिनिधित्व किया।

रथ यात्रा को लेकर पश्चिम बंगाल में सुरक्षा कड़ी, कोलकाता समेत पूरे राज्य में व्यापक इंतजाम

कोलकाता,(वार्ता)। पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को होने वाली रथ यात्रा के मद्देनजर कोलकाता और राज्य के अन्य जिलों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। राज्य सचिवालय नबन्ना के निर्देश पर पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया है। कोलकाता में दो हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती कीगई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राज्यभर में 86 छोटी और आठ प्रमुख रथ यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें कोलकाता की इस्कॉन रथ यात्रा प्रमुख है। पुलिस के अनुसार, छोटी रथ यात्राओं में 100 से 150 श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, जबकि इस्कॉन समेत प्रमुख आयोजनों में दो हजार से अधिक लोगों की भीड़ जुट सकती है।

मौत की सजा पर हो सकता है पुनर्विचार

ढाका

बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका लौटने के प्लान का स्वागत किया है और कहा है कि उन्हें मौत की सजा पाए दोषी के तौर पर न्याय का सामना करना होगा। 78 साल की शेख हसीना अगस्त 2024 में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद सरकार गिरने पर ढाका से आकर भारत में रह रही हैं। पिछले हफ्ते हसीना के करीबी सूत्रों ने बताया कि वह अपनी अवामी लीग पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए इस साल के आखिर तक अपनी मर्जी से ढाका लौटने की तैयारी कर रही हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के सलाहकार जाहेद उर रहमान ने हसीना को चुनौती दी कि वे 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध-प्रदर्शनों पर उनकी सरकार की बेरहम कार्रवाई के कारण लगे मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों से अपना बचाव करने के लिए दुनिया के बेहतरीन वकीलों को ढाका बुलाएं। रहमान ने कहा कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (बांग्लादेश) की कार्यवाही पारदर्शी रहेगी और ऑब्जर्वर इसकी निगरानी कर सकेंगे और वीडियो कवरेज के जरिए इसका प्रसारण भी किया जा सकेगा। रहमान ने बताया कि पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें 2010 में अवामी लीग के शासनकाल के दौरान गठित आईसीटी-बीडी के फैसलों पर रोक लगाई गई या उन्हें पलट दिया गया। रहमान ने कहा कि प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उनकी वापसी में बाधा नहीं बनेंगे और दिल्ली इस मामले पर ढाका से बातचीत करने के बाद ज़रूरी इंतजाम कर सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत ने हसीना की योजनाओं पर सावधानी से प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस मामले पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, इस मामले पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं है। प्रत्यर्पण का कोई भी मामला कानूनी होता है और उससे उसी के अनुसार निपटा जाएगा।

2017 से पहले की सरकार को बताया 'सबसे बड़ा अपशगुन : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए न रोजगार के अवसर थे और न ही पारदर्शी भर्ती व्यवस्था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सरकारी नौकरियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था तथा तत्कालीन सरकार ही प्रदेश की सबसे बड़ी अपशगुन थी।

विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले नौकरी निकलती नहीं थी और यदि निकलती भी थी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली पर निकल पड़ती थी। उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की सोच और कार्यशैली बीमार थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में राज्य सरकार ने पूरी पारदर्शिता के साथ नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं, जबकि सवा तीन करोड़ से अधिक युवाओं और कारीगरों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यूनेस्को द्वारा इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम साझा भविष्य के लिए कौशल रखी गई है। उत्तर प्रदेश दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला प्रदेश है और सरकार इस जनसांख्यिकीय शक्ति को कौशल विकास से जोड़कर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पहली बार कौशल विकास मंत्रालय का गठन कर इस क्षेत्र को नई दिशा दी। उन्होंने बताया कि अब आईटीआई और कौशल विकास केंद्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, ड्रोन, त्रि-आयामी मुद्रण (3डी प्रिंटिंग) और सेमीकंडक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह सुविधाएं केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि महोबा, चित्रकूट, सोनभद्र, बलिया और बहराइच जैसे जिलों तक भी पहुंचेंगी।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि कोरोना काल में भी लखनऊ में इसका कार्य जारी रहा और इससे लगभग 500 युवाओं को रोजगार मिला। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनें। इस उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल औद्योगिक एवं रोजगार क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। विदेशों में रोजगार के इच्छुक युवाओं को संबंधित देशों की भाषाओं का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कुणाल कपूर की तीन नई फिल्मों की स्क्रिप्ट तैयार

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर की तीन नई फिल्मों की स्क्रिप्ट तैयार है।कुणाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने तीन पूरी फिल्मी स्क्रिप्ट लिख ली हैं। इनमें एक एक्शन फिल्म, एक रोमांटिक फिल्म और एक कॉमेडी फिल्म शामिल है। अब वह ऐसे लोगों की तलाश में हैं, जो इन फिल्मों को बनाने में उनके साथ जुड़ सकें। उन्होंने लिखा, मुझे ऐसा काम नहीं मिल रहा था, जिसे करने के लिए मैं सच में उत्साहित था। इसलिए मैंने खुद ही लिखना शुरू किया। मेरे दिमाग में काफी समय से चल रहे तीन विचार अब पूरी स्क्रिप्ट बन चुके हैं। ये सिर्फ आइडिया या शुरुआती रूपरेखा नहीं हैं, बल्कि पूरी तरह तैयार स्क्रिप्ट हैं। कुणाल ने बताया कि तीनों फिल्में अलग-अलग शैली की हैं और हर कहानी ने उन्हें एक अलग दुनिया और अलग सोच के साथ जीने का मौका दिया। उन्होंने कहा , तीन अलग-अलग दुनिया, जिन्होंने मुझे तीन अलग-अलग सोच के साथ जीने का मौका दिया। लंबे समय बाद इतना कठिन, लेकिन उतना ही मजेदार अनुभव रहा। अब सबसे बड़ी चुनौती सही लोगों को ढूंढना है, जो इन कहानियों को पर्दे तक पहुंचाने में मेरा साथ दें। हालांकि, कुणाल यहीं नहीं रुकने वाले हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, चौथा आइडिया तो अभी से मेरा पीछा नहीं छोड़ रहा। इस साल कुणाल कपूर की दो बड़ी फिल्में भी रिलीज़ होने वाली हैं। वह नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में इंद्र के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी और इसका ट्रेलर 18 जुलाई को भारत मंडपम में लॉन्च किया जाएगा।इसके अलावा वह चिरंजीवी के साथ तेलुगु फैंटेसी फिल्म विश्वंभरा में भी दिखाई देंगे, जो इस साल रिलीज़ होगी।

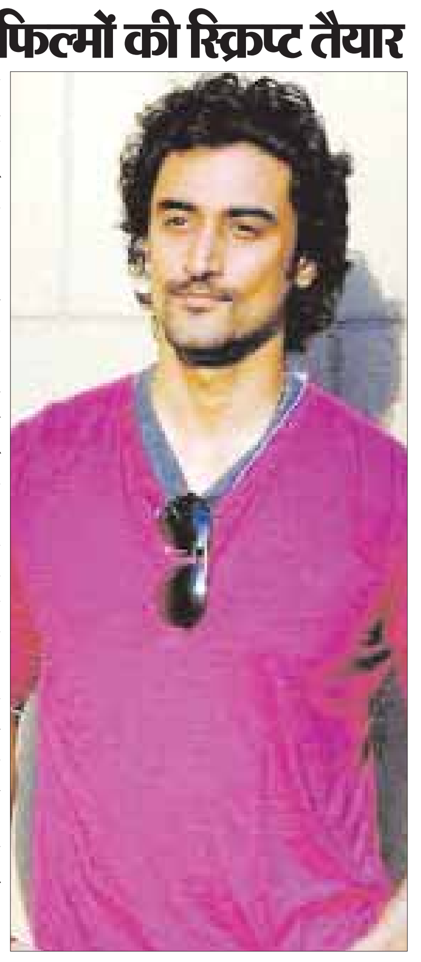

थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जना नायगन' 23 जुलाई को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जना नायगन' 23 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्देशक एच. विनोथ के निर्देशन में बनी और केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'जना नायगन' को विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म माना जा रहा है। ऐसे में दुनियाभर में मौजूद उनके प्रशंसक उन्हें अंतिम बार बड़े पर्दे पर मुख्य भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं।

निर्माता वेंकट के. नारायण ने रिलीज डेट की घोषणा करते हुए कहा कि सिनेमा में कुछ ही ऐसे अवसर आते हैं जो इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं और 'जना नायगन' उन्हीं में से एक है। उन्होंने कहा कि थलपति विजय के साथ इस ऐतिहासिक सफर का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है। नारायण ने कहा,सिनेमा से शुरू हुआ विजय का सफर लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बना और उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचाया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह फिल्म दर्शकों को यादगार सिनेमाई अनुभव देगी।

रिलीज डेट की घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म और इसके प्रचार अभियान से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले दिनों में साझा की जाएंगी।

शर्वरी की मेहनत और डांस से प्रभावित हुए विजय गांगुली

फिल्म 'ऐल्फा' के चर्चित गीत 'शैम्पेन' में अभिनेत्री शर्वरी की प्रस्तुति की दर्शकों के साथ-साथ कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने भी जमकर सराहना की है। विजय का कहना है कि शर्वरी ने इस गाने के लिए असाधारण मेहनत की और शूटिंग के दौरान कोरियोग्राफी को बेहद सहजता से निभाया। विजय गांगुली ने इससे पहले शर्वरी के साथ लोकप्रिय गीत 'तरस' में काम किया था। उन्होंने कहा कि एक परफॉर्मर के रूप में शर्वरी काफी परिपक्व हुई हैं। उन्होंने बताया कि 'तरस' के दौरान समय की कमी के बावजूद शर्वरी ने अपने भाव-भंगिमा, ग्रेस और डांस से प्रभावित किया था। विजय ने कहा, 'शैम्पेन' और 'तरस' दोनों पूरी तरह अलग तरह के गाने हैं। हमने शर्वरी से कहा था कि इस गाने के लिए काफी रिहर्सल करनी होगी, लेकिन उन्होंने स्टेप्स इतनी जल्दी सीख लिए कि मुझे उनसे कहना पड़ा कि अब रिहर्सल बंद कर दो। वह हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को परफेक्ट बनाने के लिए लगातार मेहनत करती रहीं।उन्होंने कहा कि शर्वरी की तैयारी का असर शूटिंग के दौरान साफ नजर आया। कैमरा शुरू होते ही वह पूरी तरह तैयार थीं और कोरियोग्राफी को बटर की तरह सहजता से कर रही थीं। उन्होंने कहा कि एक चुनौतीपूर्ण लॉन्ग-टेक सीक्वेंस भी उम्मीद से कहीं जल्दी पूरा हो गया, क्योंकि शर्वरी ने शानदार तैयारी की थी।

शर्वरी की प्रशंसा करते हुए विजय ने कहा, 卐'तरस' से 'शैम्पेन' तक उनका सफर शानदार रहा है। उन्होंने इस गाने को अपना 100 प्रतिशत दिया है। उनकी ऊर्जा, सटीकता, लुक और परफॉर्मेंस सभी बेहतरीन हैं। हर बार उनके साथ काम करना नए अनुभव जैसा लगता है और उनका भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

लायंस क्लब गाडरवारा शांकरी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

नई टीम ने समाज सेवा का लिया संकल्प

नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन अनीता जायसवाल ने पदभार संभाला

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-सी के अंतर्गत लायंस क्लब गाडरवारा शांकरी का सत्र 2026-27 का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को स्थानीय होटल में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष लायन मधुमति चौहान ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमजेएफ लायन नरेंद्र जैन (पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर), विशिष्ट अतिथि लायन दुर्गेश धूपर (रीजन चेयरपर्सन) तथा शपथ अधिकारी के रूप में एमजेएफ लायन यशवंत सिंह सेंगर (डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन, जबलपुर) उपस्थित रहे। समारोह में नवगठित कार्यकारिणी एवं नए सदस्यों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती के पूजन, लायंस इंटरनेशनल के संस्थापक मेल्विन जोन्स के चित्र पर माल्यार्पण एवं लायंस ध्वज वंदना के साथ हुआ। इसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष लायन मधुमति चौहान ने स्वागत भाषण देते हुए गत वर्ष आयोजित सेवा कार्यों एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्षभर सहयोग देने वाले क्लब सदस्यों एवं पत्रकार बंधुओं का स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया।

नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

शपथ अधिकारी एमजेएफ लायन यशवंत सिंह सेंगर ने सत्र 2026-27 के लिए नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इसमें-अध्यक्ष लायन अनीता जायसवाल, सचिव लायन के.आर. सप्रे, कोषाध्यक्ष लायन पी.एस. तिवारी, सह-कोषाध्यक्ष लायन परमेश्वर, प्रथम उपाध्यक्ष लायन बृजेश पटेल, द्वितीय उपाध्यक्ष लायन एम.एल. आरसे, तृतीय

उपाध्यक्ष लायन मनजीत नागपाल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इसके अलावा क्लब की विभिन्न समितियों के लिए- सविता बड़कुर क्लब मार्केटिंग चेयरपर्सन, कामिनी निगम क्लब मेंबरशिप डायरेक्टर, माया खजांची क्लब सर्विस चेयरपर्सन, ऊषा दुबे एल.सी.आई.एफ. चेयरपर्सन, मधु चौहान क्लब कम्युनिकेशन चेयरपर्सन को दायित्व सौंपे गए।

वहीं क्लब के नए सदस्यों के रूप में सरोज नामदेव टेमर, संगीता जायसवाल, आशा सोनी, ऊषा पाराशर, ममता पांडे, संगीता चौधरी, किरण विश्नोई, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, दीपिका उपाध्याय, शशि बालिया, जुही दुबे, बबीता दुबे एवं आशुतोष दुबे ने सदस्यता की शपथ ग्रहण की।

सेवा कार्यों की नई शुरुआत

नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन अनीता जायसवाल ने अपने प्रथम संबोधन में कहा कि क्लब आगामी वर्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए विशेष सेवा अभियान चलाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रवि शेखर जायसवाल ने क्लब के प्रत्येक सामाजिक एवं सेवा कार्य में पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की।

शपथ लेते ही किए सेवा कार्य

पदभार ग्रहण करते ही लायन अनीता जायसवाल ने अपनी सेवा भावना का परिचय देते हुए गोदित शाला के विद्यार्थियों को 200 कॉपियां एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही होटल परिसर में लायंस क्लब की ओर से सेवा कार्यों के लिए विशेष लायंस छतरी भी प्रदान की गई। समारोह के दौरान लायन मनजीत नागपाल ने आगामी निःशुल्क नेत्र शिविर के आयोजन हेतु 5,000 की सहयोग राशि क्लब अध्यक्ष को भेंट की।

वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान

मुख्य अतिथि एमजेएफ लायन नरेंद्र जैन ने लायंस इंटरनेशनल की सेवा परंपरा, मानवीय मूल्यों एवं सामाजिक दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि लायंस क्लब सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए कार्य करता है। उन्होंने वरिष्ठ सदस्यों एवं सम्मेलन में उपस्थित लायंस सदस्यों का पिन एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मान किया तथा नई टीम को सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने की शुभकामनाएं दीं।

पौधरोपण कर दी श्रद्धांजलि

समारोह के समापन अवसर पर स्वर्गीय हरप्रसाद चौहान, स्वर्गीय आर.के. निगम एवं स्वर्गीय नरेश सोनी की स्मृति में कंचन होटल के सामने डिवाइडर पर अशोक के पौधों का रोपण किया गया। क्लब सदस्यों ने पौधों की देखरेख का भी संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आभार प्रदर्शन- कार्यक्रम के अंत में लायन मधुमति चौहान ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, सदस्यों, पत्रकारों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

समारोह में बड़ी संख्या में लायंस क्लब के सदस्य, महिला सदस्य, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में सेवा, सम्मान, सामाजिक उत्तरदायित्व और संगठनात्मक एकजुटता का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

विभाग प्रमुख कमलेश अगरहरि का शिशु मंदिर में मार्ग दर्शन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में विभाग प्रमुख समन्वयक कमलेश अगरहरि का आगमन हुआ, इस अवसर पर आपने विधार्थीयो, आचार्य परिवार से विद्यालय के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए अध्ययन और अध्यापन कार्य हेतु सदैव सतत रूप से सक्रिय रहने का सूत्र अपनाने के लिए आग्रह किया। इस अवसर पर बच्चों से संवाद कर प्रोत्साहित किया।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का आज नरसिंहपुर प्रवास

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम का 16 जुलाई (गुरुवार) को नरसिंहपुर जिले का प्रवास निर्धारित है। उनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह है तथा स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई हैं जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्य्रकम कर दोपहर 1:00 बजे भाजपा जिला कार्यालय, नरसिंहपुर में आयोजित बैठक एवं स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल तथा गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

14.35 लाख रुपये के विकास कार्यों का विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने किया लोकार्पण

ग्राम पंचायत धमेटा में विभिन्न निर्माण कार्य जनता को किए समर्पित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धमेटा में विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने 14 लाख 35 हजार रुपये की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजन-अर्चन कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याण और अधोसंरचना विकास के कार्य निरंतर गति से किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्रवासियों की प्रत्येक जायज मांग को शासन तक पहुंचाना और उसका समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वे विधायक बाद में हैं, सबसे पहले इस क्षेत्र के सेवक हैं और जनता की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

विधायक श्री पटेल ने ग्रामीणों से अपील की कि वे नव निर्मित विकास कार्यों का संरक्षण करें, उनका सदुपयोग करें तथा अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, श्री राव वीरेंद्र सिंह, श्री राहुल कौरव, श्री सरदार सिंह पटेल, श्री दीवान सिंह टिकरहा, श्री रामेश्वर पटेल, श्री अरविंद बड़कुर, श्री सीमांत राजपूत, श्री अखिलेश जयवार, श्री केहर सिंह, श्री अनुरुद्ध सिंह, श्री ओंकार टिकरहा, श्री रामनिवास कौरव, श्री दामोदर दीक्षित, श्री नन्हेलाल कौरव, श्री दिनेश श्रीवास्तव, श्री लखन कौरव, ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती कविता कौरव सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार साहस (ब्रेवरी), सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। निर्धारित पात्रता के अनुसार 31 जुलाई 2026 तक बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होना अनिवार्य है तथा संबंधित श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धि होना आवश्यक है। पुरस्कार के लिए नामांकन/ सिफारिशें केवल राष्ट्रीय पुरुस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार की जाएगी। नामांकन करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक आवेदक अपना आवेदन 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन कर सकते हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी संबंधित विभागों, शिक्षण संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्र बच्चों के नामांकन सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

भोपाल में 28 जुलाई से सेना भर्ती रैली

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा 28 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, भोपाल (मध्य प्रदेश) में सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में मध्यप्रदेश के 15 जिलों-अशोकनगर, भोपाल, बेतुल, छिंदवाड़ा, दमोह, गुना, हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, पन्ना, पांढुर्ना, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा के पुरुष उम्मीदवार अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन पदों के लिए भाग ले सकेंगे। इसके साथ ही मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए धर्म गुरु एवं एजुकेशन हवलदार पदों हेतु भी भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। सेना द्वारा 01 जून से 12 जून 2026 तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 12 जुलाई 2026 को वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। परीक्षा में सफल उम्मीदवार ही शारीरिक दक्षता एवं अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के पात्र होंगे।

कलेक्टर रजनी सिंह ने गौ सेवक से किया सीधा संवाद

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की प्रगति का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में पशुपालन को प्रोत्साहन देने एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने करेली क्षेत्र का दौरा कर अभियान की जमीनी प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौ सेवक श्री उदय ठाकुर के निवास पहुंचकर पशुपालन गतिविधियों का अवलोकन किया तथा उनसे सीधे संवाद कर अभियान के प्रभाव, पशुपालन की वर्तमान स्थिति और सामने आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। यहां गौवंशों को चारा एवं गुड़ भी खिलाया।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने पशुपालकों से उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन, वैज्ञानिक पद्धति से देखभाल, संतुलित आहार, स्वच्छता तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने की अपील करते हुए आधुनिक पशुपालन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा 13 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक दुग्ध समृद्धि अभियान का तृतीय चरण संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 3 से 4 गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों के घर-घर पहुंचकर संपर्क किया जा रहा है। इस दौरान उन्हें उन्नत नस्ल सुधार, वैज्ञानिक एवं संतुलित पशु आहार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही हरे चारे के महत्व, साइलेज के उपयोग एवं उपलब्धता के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। विदित है कि अभियान के तहत पशुपालकों को उन्नत पशुपालन संबंधी शैक्षणिक वीडियो (रील) भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा वैज्ञानिक पशु पोषण को सरल बनाने के लिए शासन द्वारा विकसित गोरस ऐप डाउनलोड कराया जा रहा है। इसके साथ ही पशुपालकों के पास उपलब्ध गौवंश एवं भैंसवंशीय पशुओं का ऑनलाइन पंजीयन एवं विवरण अद्यतन करने का कार्य भी किया जा रहा है।

पशुपालन का अमला घर-घर पहुंचकर जनसंपर्क, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता गतिविधियों से लोगों को अवगत करा रहा है, जिससे जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य को गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उपसंचालक पशुपालन डॉ. सुनील कुमार बृजपुरिया, डॉ. नीतेश जैन, डॉ. श्रेया दुबे, डॉ. शैलेंद्र ठाकुर, एवीएफओ श्री दीपक कौरव सहित पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ करें कार्य : कलेक्टर

हर बच्चे का नामांकन, बेहतर सीखने का वातावरण और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राथमिकता

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए केवल संसाधनों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि पढ़ाने वाले और पढ़ने वाले दोनों में दृढ़ इच्छाशक्ति होना सबसे महत्वपूर्ण है। संसाधन कभी भी पढ़ाई में बाधक नहीं बनते, यदि शिक्षक और विद्यार्थी संकल्प एवं समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने प्राचार्यों एवं जन शिक्षकों से कहा कि जिले के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए नवाचारों को अपनाते हुए परिणामोन्मुखी कार्य करें। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ये निर्देश करेली स्थित पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शिक्षा विभाग की विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में सत्र 2026-27 के नामांकन, कक्षा 1, 6 एवं 9 में प्रवेश की प्रगति, शून्य, 5 एवं 10 से कम नामांकन वाली शालाओं की स्थिति, अपार आईडी, कक्षा 5, 8, 10 एवं 12 के परीक्षा परिणाम, यू-डाइस प्लस स्टूडेंट प्रोग्रेसन एवं ड्रॉपबॉक्स सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

नामांकन कम पाए जाने पर नोटिस, बेहतर कार्य करने वाले प्राचार्यों को सम्मानित किया जाए

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक जनशिक्षा केन्द्रवार नामांकन की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दर्ज कक्षा पहली,पांचवी और आठवीं में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थियों की सोमवार तक लाइन लिस्ट तैयार की जाए, जिन्होंने सत्र 2026-27 में किसी भी विद्यालय में प्रवेश नहीं लिया है। ऐसे सभी बच्चों का चिन्हांकन कर उनका पुनः नामांकन सुनिश्चित किया जाए। एजुकेशन पोर्टल 3.0 में नामांकन की समीक्षा के दौरान कक्षा पहली में बच्चों का नामांकन अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर सीएसी एवं प्राचार्य केरपानी तथा सीएसी एवं प्राचार्य बरमान को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। वहीं जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी सुआतला द्वारा नामांकन बढ़ाने के लिए किए गए नवाचारों एवं प्रयासों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसकी कलेक्टर ने सराहना करते हुए अन्य जनशिक्षा केन्द्रों को भी ऐसे प्रयास अपनाने के निर्देश दिए। इसी तरह शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमगांवबड़ा प्राचार्य श्री लेखराम पारासर ने बताया कि विगत सत्र में कक्षा 12 वीं के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करने वाले प्राचार्यों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम अपेक्षानुरूप नहीं रहे। इस वर्ष सभी प्राचार्य एवं शिक्षक अभी से सुनियोजित रणनीति बनाकर कार्य करें, ताकि प्रदेश की मेरिट सूची में नरसिंहपुर जिले के विद्यार्थी अव्वल स्थान प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि गत वर्ष जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जिले के अनेक विद्यार्थियों को सफलता मिली थी। इसी प्रकार इस वर्ष भी प्रारंभ से ही व्यवस्थित तैयारी कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों को पर्याप्त समय मिल सके और वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों का कम्युनिकेशन स्किल विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है, जितना उन्हें पढ़ाना। प्रत्येक बच्चा आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सके।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए 16 जुलाई को लगने वाले शिविर

शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे शिविर

नरसिंहपुर। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 16 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 16 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के चावड़ी वार्ड व राधा वल्लभ वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के किसानी वार्ड व गयादत्त वार्ड, नगर पालिका करेली के शास्त्री वार्ड व सुभाष वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के रूद्र वार्ड व शास्त्री वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 13 चंद्रशेखर आजाद वार्ड व वार्ड क्रमांक 14 रामप्रसाद बिस्मिल वार्ड, नगर परिषद चीचली के वार्ड क्रमांक 13 सरदार वल्लभ भाई वार्ड व वार्ड क्रमांक 14 महात्मा गांधी वार्ड, नगर परिषद सालीचौका के वार्ड क्रमांक 13 व वार्ड क्रमांक 14 और नगर परिषद सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 13 चंद्रशेखर वार्ड व 14 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 16 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत कपूरी, करताज, कठौतिया, केरपानी व खैरी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत डुडवारा, गड़रिया, गरारू, घाटपिपरिया व घाटपिंडरई, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत इमलिया (पि.), कल्याणपुर, कान्हरगांव, कनवास व करपगांव, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत गौरतला, गोटेगांवखेड़ा, गुंदरई, इमलिया क. व जमुनिया, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत खैरी, खकरिया, खमरिया, खिरैटी व खिरिया और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत डोभी, डुंगरिया, गंगई, गरहा व घघरोला कलां में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा ।

नशा केवल व्यक्ति की आदत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए संकट : कलेक्टर

स्कूली विद्यार्थी नशे के दुष्परिणामों के प्रति समाज को करेंगे जागरूक : पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शुभारंभ बुधवार को स्टेडियम ग्राउंड, नरसिंहपुर में हमारा है यही संदेश- नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश थीम के साथ किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा गुब्बारों का उड्डयन कर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. मीणा ने उपस्थित विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति की आदत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए संकट बन जाता है। नशे के कारण गंभीर बीमारियां जन्म लेती हैं, परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चे जागरूकता के सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं, क्योंकि उनकी बातों को परिवार में गंभीरता से सुना और माना जाता है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने समाज के प्रत्येक वर्ग से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि 15 से 30 जुलाई तक जिलेभर में स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों एवं सार्वजनिक

स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि समाज में व्यवहार परिवर्तन लाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों की बिक्री, भंडारण अथवा अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तत्काल प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्कूली विद्यार्थी नशे के दुष्परिणामों एवं नशे से दूर रहने का संदेश अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों तक पहुंचाकर इस अभियान के सशक्त दूत बनेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान निरंतर संचालित किया जाएगा। पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अन्य विभागों के समन्वय से जनजागरूकता गतिविधियों के साथ-साथ अवैध नशा कारोबार के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई भी निरंतर की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब समाज एकजुट होकर नशे के खिलाफ खड़ा होगा, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य का निर्माण संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, एसडीओपी श्री उमेश तिवारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्य, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलापथक दल ने गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों का प्रभावी संदेश देकर लोगों को जागरूक किया।

नकली गुटखे की फैक्ट्री पर पुलिस का छापा, अवैध कारोबार का खुला राज

बंगला लाइन से भारी मात्रा में नकली 'लहर' गुटखा, मसाला और मशीनें जब्त

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शहर में लंबे समय से फल-फूल रहे कथित नकली गुटखा कारोबार पर आखिरकार पुलिस का शिकंजा कसना शुरू हो गया है। माधवनगर थाना पुलिस ने बंगला लाइन क्षेत्र में संचालित एक कथित नकली गुटखा निर्माण इकाई पर छापामार कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली लहर गुटखा, मसाला, पैकिंग सामग्री और निर्माण में इस्तेमाल होने वाली दो मशीनें जब्त की हैं। मौके से फैक्ट्री संचालक निलेश पाहुजा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बंगला लाइन स्थित एक परिसर में बड़े पैमाने पर नकली गुटखे का निर्माण और पैकिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी संजय दुबे के नेतृत्व में विशेष टीम ने दबिश दी। पुलिस के पहुंचते ही फैक्ट्री के भीतर कथित रूप से गुटखा बनाने और उसकी पैकिंग का काम चलता मिला। इसके बाद पूरी सामग्री जब्त कर फैक्ट्री को सील कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि यहां तैयार किया जा रहा नकली गुटखा केवल कटनी ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों तक सप्लाई किया जा रहा था।

अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क से कौन-कौन लोग जुड़े हैं, कच्चा माल कहां से आता था और तैयार माल किन बाजारों में खपाया जाता था। इस कार्रवाई के बाद अवैध गुटखा कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

शहर में चर्चा है कि यह कार्रवाई केवल एक फैक्ट्री तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, कटनी में कथित रूप से कई अन्य स्थानों पर भी अलग-अलग ब्रांड के नाम से नकली अथवा अवैध गुटखा निर्माण और पैकिंग का कारोबार संचालित होने की आशंका जताई जाती रही है। यदि पुलिस और संबंधित विभाग गहन जांच करें तो इस अवैध कारोबार के और बड़े खुलासे हो सकते हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या पुलिस इस कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए पूरे नेटवर्क तक पहुंचेगी या फिर मामला केवल एक फैक्ट्री तक ही सीमित रह जाएगा। यदि जांच निष्पक्ष और व्यापक हुई तो जिले में वर्षों से जड़ें जमा चुके इस कथित अवैध कारोबार की कई और परतें खुल सकती हैं। फिलहाल पुलिस ने जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। अन्य स्थानों पर अवैध गुटखा निर्माण या अन्य कंपनियों के संचालन संबंधी बातें स्थानीय चर्चाओं और आशंकाओं के आधार पर हैं। इनकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। यदि जांच में ऐसे तथ्य सामने आते हैं, तो संबंधित एजेंसियां नियमानुसार कार्रवाई करेंगी। माधवनगर थाना प्रभारी संजय दुबे ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नकली गुटखा निर्माण में उपयोग की जा रही मशीनें, तैयार माल एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और उससे पूछताछ जारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच के दौरान यदि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों या स्थानों की जानकारी सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सरकारी राशि का दुरूपयोग घटिया पुलिया निर्माण

ग्राम पंचायत कैलवाराखुर्द का मामला

कलेक्टर-सीईओ से शिकायत केबाद भी जांच नही

कटनी (स्वतंत्रमत)। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में विकास कार्य के लिए करोड़ों रूपए की राशि आवंटित की जाती है, जिससे गांवों को विकास की मुख्य धारा में लाकर ग्रामीणों को सुविधाएं प्रदान की जा सकें लेकिन सरकार से प्रदत्त राशि से घटिया निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। ताजा मामला जनपद पंचायत कटनी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कैलवाराखुर्द में सामने आया है, जहां शासकीय राशि के दुरूपयोग करते हुए भीषण गर्मी में डस्ट से रोड बनाई गई। सड़क निर्माण में किए गए भ्रष्टाचार के चलते कुछ ही दिन बाद सड़क कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई और पुलिया में कई जगह गड्ढे हो गए। ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव के साथ ही कतिपय जनप्रतिनिधियों पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराकर राशि वसूली की मांग की है। कलेक्टर आशीष तिवारी एवं जिला पंचायत सीईओ को दी गई शिकायत में ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम पंचायत कैलवाराखुर्द में नव पदस्थ सचिव द्वारा मार्च माह में आमद देने के बाद तीन महीने तक अनुपस्थित रहा।

शिकायतों में कहा गया है कि मार्च महीने में बिना कार्य कराए ही लगभग 2 लाख रूपए के फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण कर लिया गया। इसके अलाव ग्राम सभा की बैठक नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित होने के आरोप भी ग्रामीणों ने लगाए हैं। सचिव द्वारा किए गए वित्तीय गबन की शिकायत जनपद पंचायत कटनी के सीईओ से किए जाने के बावजूद आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

पेयजल की समस्या से जूझते रहे ग्रामवासी - शिकायत में यह भी कहा गया है कि पंचों और ग्रामीणों की अनुपस्थिति में ग्रामसभा आयोजित की गई। ग्रामीणों ने कहा कि गर्मी के मौसम में पूरे गांव में जलसंकट व्याप्त रहा लेकिन सरपंच और सचिव ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते ग्रामवासियों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा।

कब होगी भ्रष्टाचार की जांच - सरपंच-सचिव द्वारा ग्राम पंचायत की निहित व जनसरोकार की राशि का दुरूपयोग किए जाने के आरोपों के बाद भी आज तक शिकायतों की जांच नहीं की गई। बताया गया है कि इसके पूर्व सचिव ग्राम पंचायत के गबन के आरोप में जेल जा चुका है एवं कई साल निलंबित भी रहा। ग्रामीणों ने ग्रामीण यांत्रिकी विभाग की निगरानी में शासन के नियमों के दायरे में शिकायतों की जांच कराकर राशि की वसूली करने की मांग की है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर छात्राओं को कौशल विकास हेतु किया गया प्रेरित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत दिनांक 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विभिन्न व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशलों का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से निरंतर सीखने, नई तकनीकों को अपनाने तथा अपने व्यक्तित्व एवं दक्षताओं का विकास करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कौशल विकास से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, बल्कि आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अर्पित द्विवेदी ने छात्राओं को मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण, स्टाइपेंड तथा रोजगार की संभावनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को शासन की विभिन्न कौशल विकास योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भीम बर्मन द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ तथा छात्राओं ने विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त कर उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कटनी पुलिस द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का शुभारंभ

एसपी ने एसपी कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

कटनी (स्वतंत्र मत)।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में प्रदेशभर में संचालित किए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत कटनी जिले में अभियान का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशे का बहिष्कार करने तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी हेडक्वार्टर रत्नेश मिश्रा, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत, कंट्रोल रूम प्रभारी राहुल पांडे एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश में नशा मुक्त मध्यप्रदेश निर्माण के उद्देश्य से व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों से समाज को बचाने तथा स्वयं एवं अपने परिवार को नशे से दूर रखने का संकल्प दिलाया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे, अपने परिवारजनों एवं परिचितों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे तथा समाज में नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज के लिए भी गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है। नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कटनी पुलिस द्वारा अभियान अवधि के दौरान जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, संवाद, रैली, शपथ ग्रहण एवं जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता फैलाया जाएगा।

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 14 वर्षीय बालिका की मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के तिलक महाविद्यालय के समीप स्थित जागृति कॉलोनी निवासी 14 वर्षीय बालिका स्नेहा शुक्ला, पिता आदित्य कुमार शुक्ला, को पेट में तेज दर्द की शिकायत होने पर परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों के अनुसार अस्पताल पहुंचने के लगभग आधे घंटे के भीतर ही बालिका की मौत हो गई। घटना के बाद बालिका के पिता ने चिकित्सकों पर गलत उपचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उपचार में लापरवाही के कारण उनकी बेटी की जान गई। मामले को लेकर परिजनों में भारी आक्रोश देखा गया। घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंच गए और अस्पताल के मुख्य द्वार पर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल परिसर में हंगामा जारी था और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल मौके पर मौजूद था। परिजनों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं अस्पताल प्रबंधन और पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

टीटीसी कटनी में स्मार्ट मीटर विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

केएफडब्ल्यू (जर्मनी) द्वारा फंडेड स्मार्ट मीटरिंग परियोजना के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र (टीटीसी), कटनी में स्मार्ट मीटर विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मर्काडोस एनर्जी मार्केट्स इंडिया के पार्टनर मोहित भारद्वाज एवं निदेशक सिद्धार्थ घोष के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता (संचालन एवं संधारण), कटनी डी. एन. चौकीकर, कार्यपालन अभियंता (संचालन एवं संधारण) मुकेश मोहबे, शैलजा सिंह चौहान तथा सुशीला सिंह मसराम की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान स्मार्ट मीटर तकनीक, मीटर डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एमडीएम), वैलिडेशन, एडिटिंग एवं एस्टिमेशन (वीईई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऐआई), डेटा प्रबंधन, उपभोक्ता बिलिंग, एटीएंडसी हानियों में कमी तथा फील्ड स्तर पर सामने आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षण में उपस्थित कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं एवं अन्य अधिकारियों ने स्मार्ट मीटर से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन प्रश्न पूछे, जिनका विषय विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक समाधान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन, मीटर डेटा की शुद्धता, बिलिंग प्रक्रिया में सुधार, ऊर्जा हानियों की पहचान, उपभोक्ता सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने तथा स्मार्ट मीटर से प्राप्त डेटा के प्रभावी उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। मर्काडोस एनर्जी मार्केट्स इंडिया की ओर से उपस्थित प्रबंधक संदीप शर्मा, अश्विनी कुमार, नितिन माहेश्वरी, रत्नेश वर्मा एवं प्रसून रंजन ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

पुलिस अधीक्षक कटनी ने पदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर लगाए सितारे

कटनी (स्वतंत्र मत)। 14 जुलाई को जिले में पदस्थ सुबेदार अंजू लकड़ा, सुबेदार संजीव रावत, सूबेदार उमेश दुबे, स्टेनो रमेश विश्वकर्मा, उनि. फिंगरप्रिंट अखिलेश प्यासी, प्रधान आरक्षक (कम्प्यूटर) लवकुश पटेल के कंधो से पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा पदोन्नति की बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये सितारे लगाए। समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा को उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त होने पर विशेष रूप से बधाई दी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने पदोन्नत अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी अधिकारियों ने अपनी पदस्थापना अवधि में कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा अपने-अपने क्षेत्र में सदैव जिम्मेदारी एवं दक्षता के साथ कार्य किया है।

किसानों को लूटने वालों पर प्रशासन का हंटर

कटनी (स्वतंत्रमत)। खरीफ सीजन में किसानों की जेब पर डाका डालने और अमानक बीज बेचकर उनकी मेहनत से खिलवाड़ करने वालों पर जिला प्रशासन ने बड़ा प्रहार किया है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कृषि विभाग की सघन छापेमार कार्रवाई में बिना लाइसेंस बीज बेचने, नियमों की अनदेखी और संदिग्ध कारोबार के कई मामले उजागर हुए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ अब सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। रीठी विकासखंड के ग्राम मोहास स्थित मैसर्स पाण्डेय कृषि केन्द्र का संचालक प्रभात पाण्डेय बिना वैध लाइसेंस के बीज बेचते हुए पकड़ा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। छापेमारी के दौरान मैसर्स पार्श्वनाथ खादबीज भंडार (बिलहरी) और मैसर्स कमलेश कुमार जैन (बड़गांव) में भी अनियमितताएं मिलने पर नोटिस थमाए गए। वहीं बड़वारा क्षेत्र में सांई खाद-बीज भंडार, सतीश बीज भंडार और गुप्ता बीज भंडार भी कार्रवाई की जद में आए। सबसे बड़ा खुलासा बरही क्षेत्र में हुआ, जहां निरीक्षण दल की भनक लगते ही आठ कृषि आदान विक्रेताओं ने अपनी दुकानों पर ताले जड़ दिए और मौके से गायब हो गए।

प्रशासन ने इसे संदेहास्पद मानते हुए सभी दुकानों के विक्रय पर तत्काल रोक लगाकर कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। इधर, प्रयोगशाला जांच में दो बीज नमूने अमानक पाए जाने के बाद अंकिता बीज भंडार (बड़वारा) और अग्रहरि कृषि केन्द्र (कौड़िया, बहोरीबंद) के विरुद्ध भी विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास खेलावन डहरिया ने स्पष्ट किया कि किसानों के भविष्य से खिलवाड़, फर्जी बीज का कारोबार, कालाबाजारी और नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। ऐसे कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

17 जुलाई को स्लीमनाबाद आ सकते हैं सीएम डॉ. मोहन यादव

टनल का कार्य पूर्ण होने पर कर्मचारियों का होगा अभिनंदन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आगामी 17 जुलाई को स्लीमनाबाद आ सकते हैं। वे बहुप्रतीक्षित स्लीमनाबाद टनल बरगी व्यपवर्तन परियोजना के पूर्ण हो रहे निर्माण कार्य का अवलोकन करेंगे। क्षेत्र के विधायक प्रणय पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के आने का कार्यक्रम बना है। अब तक यही खबर है कि उनका आना निश्चित है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 17 वर्षों से चल रहे इस बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण टनल प्रोजेक्ट को पूरा करने में दिन-रात एक करने वाले इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और ग्राउंड स्टाफ कर्मचारियों के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है। मुख्यमंत्री खुद स्लीमनाबाद पहुंचकर इन कर्मयोगियों का अभिनंदन कर सकते हैं, जिन्होंने तमाम प्राकृतिक और तकनीकी बाधाओं को पार कर इस भागीरथी कार्य को अंजाम दिया है। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की खबर आते ही जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग में हलचल तेज हो गई है। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित तमाम आला अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था, हेलीपैड निर्माण, और कार्यक्रम स्थल के चयन को लेकर मुस्तैद हो गए हैं। अधिकारी लगातार स्लीमनाबाद टनल साइट का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि व्यवस्थाओं में कोई कमी न रह जाए।

कटनी के लिए गौरव, 21 हजार हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

कटनी जिले के सिंचाई इतिहास और विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। स्लीमानाबाद क्षेत्र में बन रही देश की सबसे लंबी भूमिगत जल सुरंग (टनल) का 15 साल लंबा इंतजार अब खत्म होने की कगार पर है। सुरंग का काम अपने बिल्कुल अंतिम चरण में पहुंच चुका है और मात्र दो मीटर की खुदाई शेष रह गई है। इस अंतिम बाधा के पार होते ही टनल का हो जाएगा, जिससे बिना किसी लिफ्ट या पंप के सीधे बरगी बांध का पानी कटनी और विंध्य के खेतों की प्यास बुझाएगा। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की इस बेहद जटिल परियोजना की शुरुआत साल 2011 में हुई थी। स्लीमानाबाद में जमीन से लगभग 30 मीटर नीचे सुरंग बनाने के लिए जर्मनी की विशालकाय टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया। इस निर्माण के दौरान स्लीमानाबाद क्षेत्र की भौगोलिक चुनौतियों ने इंजीनियरों की कड़ी परीक्षा ली। ऊंचे भूजल स्तर, अचानक जमीन धंसने (सिंकोहॉल) जैसी कई बाधाएं आई। रास्ते में आई 56 बेहद कठोर चट्टानों को काटने के चक्कर में कई बार मशीन के पुर्जे तक बदलने पड़े। सुरक्षा के लिहाज से सुरंग के ऊपर की 20 मीटर चौड़ी जमीन का भी अस्थायी रूप से अधिग्रहण करना पड़ा था। समय बढ़ने के कारण इस प्रोजेक्ट की लागत भी 799 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1,442 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

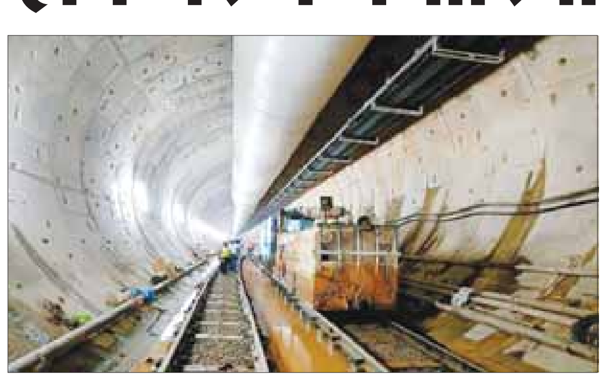

कटनी जिले को क्या मिलेगा फायदा

विंध्य पर्वतमाला की रिज लाइन को पार करने वाली इस 11.952 किलोमीटर लंबी मुख्य टनल के अलावा स्लीमानाबाद और आसपास के क्षेत्रों में 12 किलोमीटर लंबी ओपन नहर और एक किलोमीटर की कट-एंड-कवर संरचना भी बनाई गई है। परियोजना के शुरू होने से सबसे बड़ा लाभ कटनी जिले के किसानों को मिलेगा। जिले का एक बड़ा हिस्सा जो सिंचाई के लिए मानसून या भूजल पर निर्भर रहता था, उसे अब मां नर्मदा का पानी मिलेगा। कटनी जिले की 21,823 हेक्टेयर कृषि भूमि सीधे इस नहर प्रणाली से संचित होगी। कटनी के अलावा पड़ोसी जिले मैहर, सतना, जबलपुर, पन्ना और रीवा सहित कुल 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को इसका लाभ मिलेगा।

अक्टूबर 2026 से पानी देने की तैयारी

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के एसडीओ दीपक मंडलोई के अनुसार, टनल का मुख्य काम पूरा हो चुका है। शेष बची दो मीटर की खुदाई को मशीनों को अलग करके अगले डेढ़ महीने 6 सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। विभाग की पूरी तैयारी है कि अक्टूबर 2026 तक टनल के जरिए जलापूर्ति और सिंचाई की सुविधा विधिवत रूप से शुरू कर दी जाए।

लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी शुरुआती दौर में बाहर हुए

टोक्यो (वार्ता)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी के बुधवार को जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पहले दौर में हार के साथ ही पुरुष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। ट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन को जापान के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे के खिलाफ 21-16, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा। 24 साल के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा; वे दोनों गेम के इंटरवल में 11-6 और 11-5 से पीछे थे और किसी भी गेम में वापसी नहीं कर पाए, जिससे वे सिर्फ़ 38 मिनट में सीधे गेम में मैच हार गए। जापानी शटलर के खिलाफ सात मैचों में लक्ष्य सेन की यह तीसरी हार थी। आयुष शेट्टी ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिरकार लक्ष्य सेन की तरह ही वे भी जल्दी बाहर हो गए। थाईलैंड के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ खेलते हुए, आयुष शेट्टी ने पेरिस 2024 के सिल्वर मेडलिस्ट के खिलाफ 19-21, 25-23, 15-21 से संघर्षपूर्ण हार का सामना किया। पहला गेम कांटे की टक्कर वाला रहा, जिसमें पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक मेडलिस्ट कुनलावुत विटिडसर्न इंटरवल तक 11-9 से मामूली बढ़त बनाए हुए थे। आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर किया, लेकिन देर से मिली इस बढ़त के बावजूद कुनलावुत विटिडसर्न पहला गेम जीतने में सफल रहे। दूसरे गेम में आयुष शेट्टी इंटरवल तक 11-10 से आगे थे, लेकिन इसके बाद थाई शटलर ने अपनी गति बढ़ाई और चार मैच पॉइंट हासिल कर लिए। हालांकि, आयुष शेट्टी ने चारों मैच पॉइंट बचाए और टाई-ब्रेक में संयम बनाए रखते हुए मैच को निर्णाय तक खींच लिया।

अब कोई आसान मैच नही

आईसीसी ने वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट पेश किए

एडिनबर्ग (वार्ता)।

आईसीसी के पुरुषों के बड़े टूर्नामेंट में एकतरफा मुकाबलों का दौर अब बदल सकता है क्योंकि क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप और 2028 टी20 वर्ल्ड कप के लिए नए फॉर्मेट पेश किए हैं, जिससे खिताब तक का रास्ता और मुश्किल और रोमांचक हो जाएगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने दोनों इवेंट के स्ट्रक्चर में बदलाव किए हैं, ताकि ज़्यादा अहम मुकाबले हों, उभरती हुई टीमों को ज़्यादा मौके मिलें और यह पक्का किया जा सके कि टीमें पूरे टूर्नामेंट में मज़बूत चुनौतियों का सामना करें। एडिनबर्ग में आईसीसी की सालाना आम बैठक में मंजूर किए गए इन बदलावों के तहत 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए तीन चरणों वाला नया फॉर्मेट और 2028 टी20 वर्ल्ड कप के लिए नए सिरे से तैयार किया गया सुपर 10 चरण लागू होगा। दक्षिण अफ्रीका,

ज़िम्बाब्वे और नामीबिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन नॉकआउट चरण तक पहुँचने का रास्ता ज़्यादा मुश्किल होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत सबसे कम रैंकिंग वाली तीन क्वालिफ़ाई करने वाली टीमों के बीच सुपर सीरीज़ से होगी, जिसमें से सिर्फ़ विजेता टीम ही आगे बढ़ेगी। इसके बाद बाकी 12 टीमें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में मुकाबला करेंगी, और बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमें सुपर 7 चरण में पहुँचेंगी। सुपर 7 चरण में सभी सात टीमें एक-दूसरे के खिलाफ़ खेलेंगी, और सिर्फ़ शीर्ष चार टीमें ही सेमीफ़ाइनल में जगह बना पाएँगी। उम्मीद है कि इस फॉर्मेट से कुछ अच्छे नतीजों के दम पर टीमों के नॉकआउट चरण में पहुँचने की संभावना कम हो जाएगी। आईसीसी ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड द्वारा आयोजित होने वाले 2028 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के स्ट्रक्चर में भी बदलाव किया है, हालांकि इसमें 20 टीमों वाला स्ट्रक्चर ही बरकरार रखा गया है। ग्रुप चरण में अब चार-चार टीमों के पाँच ग्रुप होंगे, और हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर 10 राउंड में पहुँचेंगी। इससे ज़्यादा टीमों को, जिनमें क्रिकेट के क्षेत्र में उभरते देश भी शामिल हैं, टूर्नामेंट में आगे तक मुकाबला करने का मौका मिलेगा। सुपर 10 चरण में टीमों को पाँच-पाँच टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा, और विजेता टीमें सीधे सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करेंगी। सेमीफ़ाइनल की बाकी जगहों का फ़ैसला दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर राउंड के ज़रिए किया जाएगा। आईसीसी ने कहा कि बदले हुए फ़ॉर्मेट का मकसद मुकाबले को और रोमांचक बनाना, टूर्नामेंट के ढांचे को मज़बूत करना और खिलाड़ियों व फ़ैन्स के अनुभव को बेहतर बनाना है। ये बदलाव दुनिया भर में खेल को फैलाने की आईसीसी की बड़ी कोशिश का हिस्सा हैं। साथ ही, इनका मकसद यह पक्का करना भी है कि उसके सबसे बड़े टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से लेकर फ़ाइनल तक मुकाबला ज़बरदस्त बना रहे।

भारत ने महिला वर्ग में तीन गोल्ड, दस सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल जीते

जकार्ता (वार्ता)। भारत ने जकार्ता में आयोजित एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप के महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच गोल्ड, दस सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। अंडर-19 महिला कैटेगरी में भारत ने दो गोल्ड और छह सिल्वर मेडल जीते, जो उसके युवा प्रोग्राम की मज़बूती को दिखाता है। चंद्रिका भोरेस पुजारी (51किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज़्बेकिस्तान की नाज़ोकत मार्डोनोवा को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, जबकि प्राची ने भी इंडोनेशिया की दिरा आर्टिका को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया। अंडर-19 कैटेगरी में भारत के अन्य फाइनलिस्ट ने कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जिससे टीम के कुल मेडल टैली में योगदान मिला। अंडर-23 महिला कैटेगरी में भी भारत ने एक गोल्ड, चार सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ शानदार प्रदर्शन किया। निशा (54किग्रा) ने जापान की कोइन कोकुफू को 5:0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस कैटेगरी में भारत के अन्य गोल्ड मेडलिस्ट ने भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखते हुए टॉप स्थान हासिल किया। वहीं, निकिता चंद (60किग्रा), काजल (65किग्रा) और मुस्कान (75किग्रा) ने अपने-अपने फ़ाइनल में कड़ी टक्कर दी, लेकिन उज़्बेकिस्तान की मज़बूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। ब्रॉन्ज़ मेडल सेमीफ़ाइनल में पहुँचने से मिले, जो अलग-अलग वेट कैटेगरी में भारत के लगातार अच्छे प्रदर्शन को और उजागर करते हैं। महिला वर्ग में भारत का कुल प्रदर्शन महाद्वीपीय स्तर पर एज-ग्रुप बॉक्सिंग में उसके बढ़ते दबदबे को दर्शाता है, जिसमें अंडर-19 और अंडर-23 दोनों डिवीज़न में टैलेंट की मज़बूत पाइपलाइन ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

स्पेन ने सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया : डी ला फुएंते

डलास (अमेरिका), (वार्ता)। स्पेन के कोच लुइस डी ला फुएंते ने कहा कि मंगलवार को वर्ल्ड कप सेमीफ़ाइनल में फ्रांस पर 2-0 की जीत के साथ उनकी टीम सही समय पर अपने सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में पहुँची है। इस जीत ने ला रोजा (स्पेन की टीम) को 2010 में ट्रॉफ़ी जीतने के बाद पहली बार फ़ाइनल में पहुँचाया है। डलास में खेले गए इस मैच में स्पेन ने टूर्नामेंट की पसंदीदा टीमों में से एक को हराया। मिकेल ओयारज़ाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला और पेड्रो पोरो ने एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले दूसरा गोल किया। मैच के बाद डी ला फुएंते ने बताया कि किंग फ़ेलिप ने टीम को बधाई देने के लिए ड्रेसिंग रूम में फ़ोन किया था। डी ला फुएंते ने कहा, यह गर्व की बात है कि हमारे राजा ने हमें फ़ोन किया और हमारा समर्थन जारी रखा है। सड़कों पर लोग जो खुशी महसूस कर रहे हैं, उसके लिए हम ज़िम्मेदार हैं। खिलाड़ियों की इस पीढ़ी का रवैया बहुत अच्छा है और वे कई मूल्यों के लिए रोल मॉडल हैं। 65 वर्षीय कोच ने कहा कि यह प्रदर्शन टूर्नामेंट के दौरान धीरे-धीरे लय बनाने की सोची-समझी योजना का नतीजा था। उन्होंने कहा, हम एक मैच से दूसरे मैच और एक प्रतियोगिता से दूसरी प्रतियोगिता में लगातार सुधार करते रहे हैं। इन अहम पलों तक सबसे अच्छी स्थिति में पहुँचने के लिए सब कुछ पहले से तय था, और मुझे लगता है कि अब हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं। हमारे फ़ुटबॉल की बात करें तो, एक लंबे सीज़न के बाद हम सही समय पर अपने सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में पहुँचे हैं। डी ला फुएंते ने कहा कि स्पेन ने अनुशासन, संगठन और त्याग के ज़रिए किलियन एम्बाप्पे के नेतृत्व वाले फ़्रांसीसी हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, हम शायद दुनिया की सबसे अच्छी राष्ट्रीय टीमों में से एक का सामना कर रहे थे। हालाँकि, वे भी दुनिया की सबसे अच्छी टीम, सबसे अच्छे ग्रुप का सामना कर रहे थे। हम एक टीम हैं, और जब आप हमारे जैसी टीम का सामना करते हैं, तो हमें हराना नामुमकिन होता है।

समापन समारोह में विशेष रूप से शामिल होंगे टॉम क्रूज

न्यूयॉर्क (वार्ता)। फीफा वर्ल्ड कप रविवार (19 जुलाई) को खत्म होगा और फाइनल से पहले समापन समारोह होगा। पुरुषों के फुटबॉल फाइनल में स्पेन का मुकाबला इंग्लैंड या अर्जेंटीना से होगा। यह मैच अमेरिका के न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच लोकल समय के अनुसार 15:00 बजे शुरू होगा, जबकि सेरेमनी 13:30 पर शुरू होगी। हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज़ मैच से पहले होने वाले इवेंट में खास तौर पर शामिल होंगे, ठीक वैसे ही जैसे वे पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल हुए थे। मेजबान देश का राष्ट्रगान जेनिफर हडसन गाएंगी, जिन्होंने एमी, ग्रैमी, ऑस्कर और टोनी अवॉर्ड जीते हैं। रॉबी विलियम्स, निकोल शेरज़िंगर और लॉरा पौसिनी भी परफॉर्म करेंगे।

भारत की नजर सीरीज जीत पर

कार्डिफ़ (वार्ता)। भारत गुरुवार को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ जीतने की कोशिश करेगा, लेकिन कप्तान शुभमन गिल की फ़िटनेस को लेकर अचानक हुई चिंता ने सोफ़िया गार्डन्स में होने वाले दूसरे मैच से पहले टीम मैनेजमेंट को एक अहम फ़ैसले की स्थिति में डाल दिया है। मेहमान टीम एजबेस्टन में पहले वनडे में छह विकेट से शानदार जीत के बाद 1-0 की बढ़त के साथ कार्डिफ़ पहुँची है। उस मैच में गिल ने शानदार 80 रन बनाए थे और पूरी तरह लय में दिख रहे थे, लेकिन दाहिने पैर में तकलीफ़ के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। हालांकि टीम को उम्मीद है कि चोट मामूली होगी, लेकिन मैचों के बीच कम समय होने के कारण भारत अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। गिल की भूमिका सिर्फ़ ओपनर की नहीं है; 26 साल के गिल कप्तान के तौर पर भी टीम की दिशा तय करते हैं और भारत की लंबे समय की वनडे योजनाओं में एक अहम खिलाड़ी हैं। अगर गिल बाहर होते हैं, तो भारत को यह तय करना होगा कि उनकी जगह वैसा ही खिलाड़ी लाया जाए या बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया जाए। भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने गिल की जगह ईशान किशन को लाने

का सुझाव दिया है, लेकिन रोहित शर्मा के साथ केएल राहुल से ओपनिंग कराने की बात कही है। श्रीकांत ने कहा, ईशान किशन गिल की जगह लेने के लिए सबसे सही विकल्प हैं। मैं गिल की जगह किशन को लाऊँगा, लेकिन केएल राहुल से ओपनिंग कराऊँगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान भारत को स्थापित खिलाड़ियों को रोटेट करते रहना चाहिए। यह चयन का फ़ैसला ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के टॉप ऑर्डर पर पहले से ही सबकी नज़रें हैं। रोहित शर्मा, भले ही अच्छे आंकड़े बनाए हुए हैं, लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं, विराट कोहली इस फ़ॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके भारत की वर्ल्ड कप योजनाओं में अपनी अहम भूमिका को और मज़बूत कर रहे हैं। पहले वनडे में भारत के लिए सबसे अच्छी बात मिडिल ऑर्डर और ऑलराउंडर विभाग की मज़बूती रही। इंग्लैंड द्वारा कुछ समय के लिए दबाव बनाने की कोशिश के बाद अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने मैच जिताने वाली नाबाद 102 रनों की साझेदारी की।

अक्षर ने गेंदबाज़ी में भी अहम भूमिका निभाई और 62 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड का मिडिल ऑर्डर ढह गया। वहीं, जसप्रीत बुमराह की वनडे क्रिकेट में वापसी से भी टीम को बड़ी मज़बूती मिली। 2023 वर्ल्ड कप फ़ाइनल के बाद अपना पहला वनडे खेल रहे तेज़ गेंदबाज़ शानदार फ़ॉर्म में दिखे और इस फ़ॉर्मेट में अपना 150वां विकेट लिया। वहीं, इंग्लैंड के लिए यह मैच जीतना ज़रूरी हो गया है क्योंकि उनकी बल्लेबाज़ी एक बार फिर लड़खड़ा गई, जिससे चिंता बढ़ गई है। अच्छी शुरुआत के बावजूद मेज़बान टीम ने सिर्फ़ 19 रन पर पाँच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन बाद में जो रूट और लियाम डॉसन ने 111 रनों की साझेदारी करके टीम को संभाला।

नवी मुंबई हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन शुरू

मुंबई (वार्ता)।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन बुधवार को शुरू हो गया। एयर इंडिया समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नवी मुंबई से अबुधाबी के लिए पहली उड़ान शुरू की। अबुधाबी जाने वाली उड़ान आईएक्स207 तड़के तीन बजे रवाना हुई। वहीं, वापसी की उड़ान आईएक्स208 सुबह 10 बजे के आसपास नवी मुंबई हवाई अड्डे पर उतरी। इसका पारंपरिक वाटर कैनन सैल्यूट के साथ स्वागत किया गया। हवाई अड्डा परिचालक ने बताया कि नवी मुंबई एयरपोर्ट से अबतक 23 लाख से अधिक यात्री सफर कर

चुके हैं। अबुधाबी जाने वाली उड़ान में 1,789 किलोग्राम जल्द खराब होने वाली फल और सब्जियां भेजी गयीं। यह हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय माल परिवहन की शुरुआत भी थी। इससे माल परिवहन के लिए भी नवी मुंबई हवाई अड्डे का महत्व स्पष्ट होता है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन 25 दिसंबर 2025 को शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 08 अक्टूबर को इसका उद्घाटन किया था।

यात्री वाहनों की बिक्री जून में 24 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली (वार्ता)।

यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री जून में 24.1 प्रतिशत बढ़कर 3,88,144 इकाई दर्ज की गयी। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है। इसमें बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, जेएलआर और वॉल्वो ऑटो के आंकड़े शामिल नहीं हैं। दुपहिया की बिक्री 18.6 फीसदी बढ़कर 18,51,400 इकाई पर पहुंच गयी। इसमें स्कूटर मोटरसाइकिल और मोपेड शामिल हैं। स्कूटरों की बिक्री 7,44,823 इकाई और मोटरसाइकिल की 10,56,422 इकाई रही। यह पिछले साल जून की तुलना में क्रमशः 39.1 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत अधिक है। मोपेड की बिक्री 50.4 प्रतिशत

बढ़कर 50,155 इकाई पर रही। तिपहिया की बिक्री जून में 26.1 प्रतिशत बढ़ी और 77,951 पर पहुंच गयी। इसमें यात्रियों के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले तिपहिया की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 64,181 इकाई और माल ढुलाई के काम आने वाली तिपहिया की 29.4 प्रतिशत बढ़कर 11,828 इकाई पर पहुंच गयी। जून में 1,590 ई-रिक्शा और 352 ई-कार्ट बिके। इनमें क्रमशः 52.4 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अप्रैल से जून के दौरान यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 प्रतिशत बढ़कर 12,73,811 पर पहुंच गयी। यह किसी भी साल पहली तिमाही का रिकॉर्ड स्तर है। यात्री वाहन में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं। इस दौरान उपयोगी वाहनों की बिक्री 28.6 प्रतिशत और कारों की 21.3 प्रतिशत बढ़ी।

रुपया और कमजोर हुआ, 96.25 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग आने से रुपया बुधवार को नौ पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 96.25 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 48 पैसे गिरकर 96.16 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज 13 पैसे की बढ़त में 96.12 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। कुछ ही देर बाद यह 96.05 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हो गया। हालांकि इसके बाद डॉलर की मांग आने से दोपहर बाद तक यह 96.35 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। अंत में 96.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आज हल्की तेजी रही। यह अब भी 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

स्कोडा ने गुजरात में खोले तीन नये बिक्री और सर्विस सेंटर

अहमदाबाद (वार्ता)। स्कोडा ऑटो इंडिया ने गुजरात में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए अहमदाबाद और हिम्मतनगर में तीन नये बिक्री/सर्विस सेंटर का उद्घाटन किया है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि पश्चिम भारत में अपनी मौजूदगी और मजबूत करने के लिए उसने पीपीएस मोटर्स के सहयोग से ये केंद्र शुरू किये हैं। इनमें नारोडा में नया बिक्री एवं सर्विस सेंटर, मणिनगर में नया शोरूम तथा हिम्मतनगर में नया कॉम्पैक्ट 3एस (सेल्स, सर्विस और स्पेयर्स) केंद्र शामिल है। अहमदाबाद के नारोडा में बिक्री एवं सर्विस सेंटर 26,700 वर्ग फुट में फैला है। इसमें छह कारों के प्रदर्शन की व्यवस्था, 19 सर्विस-बे और त्वरित रखरखाव एवं मरम्मत

के लिए समर्पित स्कोडा एक्सप्रेस केयर बे उपलब्ध है। मणिनगर डीलरशिप 4,800 वर्ग फुट में है, जिसमें सात कारों के प्रदर्शन की क्षमता है। हिम्मतनगर का नया कॉम्पैक्ट 3एस सेंटर 10,600 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित किया गया है। इसमें चार कारों के प्रदर्शन के साथ चार सर्विस-बे वाली सर्विस सुविधा भी उपलब्ध है। नये स्थापित सभी बिक्री एवं सर्विस केंद्र स्कोडा ऑटो की वैश्विक मॉडर्न सॉलिड डिजाइन फिलॉसफी पर आधारित हैं।

इंस्टामार्ट पर अब मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

जल्द शुरू होगी बेंगलुरु में ऑन-डिमांड डिलीवरी सेवा

नयी दिल्ली (वार्ता)। कर्नाटक में बेंगलुरु के रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। अब यहां के गैस उपभोक्ताओं को क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट के जरिये एलपीजी सिलेंडर मिलेंगे। इसके लिए इंस्टामार्ट ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (एचपीसीएल) से हाथ मिलाया है और ऑन-डिमांड डिलीवरी सेवा शुरू करने की घोषणा है।

गौरतलब है कि देश में पहली बार किसी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर एलपीजी सिलेंडर की ऑन-डिमांड डिलीवरी सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। इसके तहत उपभोक्ता अब इंस्टामार्ट के माध्यम से एचपीसीएल का 10 किलोग्राम एचपी नव्या कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर मंगवा सकेंगे। कंपनी

ने बताया कि एचपी नव्या एक हल्का, जंग-रोधी और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से लैस कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर है। इसकी पारदर्शी बॉडी के कारण उपभोक्ता आसानी से गैस का स्तर देख सकते हैं। इसका ठोस डिज़ाइन इसे अपार्टमेंट, छोटे परिवारों, छात्रों, कामकाजी पेशेवरों तथा अतिरिक्त एलपीजी सिलेंडर की आवश्यकता वाले उपभोक्ताओं के लिए उपयुक्त बनाता है। कंपनी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं के पास पहले से घरेलू एलपीजी कनेक्शन होना जरूरी नहीं होगा। इससे छात्र अविवाहित कामकाजी लोग और छोटे परिवार भी आसानी से इस सेवा का उपयोग कर सकेंगे। इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमितेश झा ने कहा कि इंस्टामार्ट अब केवल किराना सामान तक सीमित नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की आवश्यकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

गिरावट से उबरे शेयर बाजार

बैंकिंग, वित्तीय कंपनियों में लिवाली

मुंबई (वार्ता)।

विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौट आयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 130.49 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़कर 77,185.43 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 26.45 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की बढ़त में 24,078.50 अंक पर बंद हुआ। दोनों पिछले कारोबारी दिवस पर गिरावट में रहे थे। सेंसेक्स में आज काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह ऊपर 77,646 अंक तक और नीचे 76,983 अंक तक गया। इस प्रकार इसमें 663 अंक का

उतार-चढ़ाव रहा। वृहत बाजार में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 प्रतिशत ऊपर रहा। बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन सेक्टरों में तेजी रही। धातु, आईटी, एफएमसीजी, मीडिया और रियल्टी समूहों के सूचकांक लुढ़क गये। एनएसई में जिन 3,403 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,845 के शेयर हरे निशान में और 1,444 के लाल निशान में रहे। अन्य 114 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 के शेयर हरे निशान में रहे। इटरनल में 3.08 प्रतिशत की बढ़त देखी गयी। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 2.77 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक का 1.50, बजाज फाइनेंस का 1.49, इंडिगो का 1.20, एशियन पेंट्स का 1.12 और टेक महिंद्रा का 1.01 प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, अडानी पोर्ट्स रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी के शेयरों में भी तेजी रही। नुकसान उठाने वाली कंपनियों में पावरग्रिड का शेयर 1.80 फीसदी, एलएंडटी का 1.69, टाटा स्टील का 1.65, इंफोसिस का 1.41, एनटीपीसी का 1.06, बजाज फिनसर्व का 0.97 और भारती एयरटेल का 0.90 प्रतिशत टूट गया। हिंदुस्तान यूनीलिवर, टीसीएस, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी लाल निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.49 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 1.40 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.29 प्रतिशत की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.74 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.13 प्रतिशत नीचे रहा।

खेत से कारखाने और कारखाने से बाजार तक विकसित की जा रही है संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने इंदौर से किया राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर में राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया है। इस उद्देश्य से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, राजस्व, ऊर्जा सहित 16 विभागों को एक साथ लाकर किसानों के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ किया गया है और किसानों की आय बढ़ाने के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने, प्रसंस्करण, विपणन और रोजगार से जोड़ने का व्यापक अभियान है, जो अब पूरे प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक अनेक आयोजन होंगे और खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि देश के इन चार वर्गों का विकास सुनिश्चित हो जाता है तो भारत की उन्नति स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। किसान इन चारों वर्गों के केंद्र में है, इसलिए सरकार ने किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सरकार ने उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धरातल पर उतर रहे हैं। अब उसी प्रकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य

शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रदेश की 250 से अधिक नदियाँ लाखों लोगों के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने नर्मदा जैसी जीवनदायिनी नदी के जल का समुचित उपयोग नहीं किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा घाटी परियोजनाओं को नई गति मिली। अनेक योजनाओं ने मालवा अंचल को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराया तथा प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता को भी मजबूत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1956 से लेकर 2003 तक प्रदेश में केवल 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध थी, जबकि हमारी सरकारों ने इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया है। आगामी वर्षों में सिंचित क्षेत्र को और बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नदी जोड़ों परियोजनाओं से मिलेगा 13 जिलों को लाभ

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के समय परिकल्पित केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना मध्यप्रदेश के जल इतिहास को बदल देंगी।

शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस योजना प्रारंभ की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन में लगभग 12 प्रतिशत योगदान देता है।

किसानों को मिली एक ही मंच पर सभी विभागों की जानकारी

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, ड्रोन तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि ऋण, बीमा, विपणन, मूल्य संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को विभागीय विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने का अवसर भी उपलब्ध कराया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रमुख घोषणाएं

-इंदौर की वर्तमान कृषि उपज मंडी को स्थानांतरित कर आधुनिक एवं विशाल कृषि उपज मंडी विकसित की जाएगी।

- संबंधित क्षेत्र में देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

-मंडी क्षेत्र के प्रभावित परिवारों को वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने की घोषणा।

-40 लाख रुपये तक की डेयरी स्थापना पर 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

-गौशाला संचालन के लिए प्रति गौवंश 40 रुपये प्रतिदिन अनुदान जारी रहेगा।

- किसानों की आय बढ़ाने के लिए फूड प्रोसेसिंग, डेयरी, मत्स्य पालन और कृषि आधारित उद्योगों का व्यापक विस्तार किया जाएगा।

स्कूली बच्चों की पुकार पर कलेक्टर का त्वरित निर्णय

सुनपुरा स्कूल मार्ग का निर्माण होगा शुरू दिव्यांग छात्रा की भी सुनी परेशानी

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में सुनपुरा के 7 स्कूल बच्चों की पुकार रंग लाई। इन स्कूली बच्चों ने कलेक्टर प्रताप नारायण यादव से कहा हमारे स्कूल तक पहुंचने में कीचड़ हो रहा है, हमारा ऑटो भी नहीं पहुंच पाता है। कलेक्टरने इन बच्चों की बात अपने पास बुलाकर सुनी और तत्काल ही सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे से कहा कल से ही यहां काम करवाएं ताकि बच्चे सुगमता से स्कूल पहुंच सके। उन्होंने तत्काल ही इन बच्चों से कहा चिंता ना करें आप पढे और सड़क का काम करवाया जाएगा। कलेक्टर ने इन स्कूली बच्चों को बिस्किट के पैकेट भी दिए और कहा जाए अपनी पढ़ाई करें। इन बच्चों ने बाहर निकलकर खुशी-खुशी कलेक्टर से हुई चर्चा की बात की।

इन बच्चों के चेहरे की मुस्कान बता रही थी कि अब उन्हें कीचड़ मार्ग से मुक्ति मिल जाएगी। कक्षा चार के हर्ष तिवारी ने कहा अब स्कूल जाने में कीचढ़ की दिक्कत से मुक्ति मिलेगी। कलेक्टर साहब ने कहा सड़क बन जाएगी। इसी प्रकार नैंसी तिवारी ने कहा कलेक्टर साहब ने कहा है सड़क बन जाएगी सभी बच्चे बाहर खुश नजर आए। इसी प्रकार एक बुजुर्ग दिव्यांग श्री गुप्ता अपनी ट्राइ साइकिल से उठ नहीं पा रहे थे। कलेक्टर उनके पास पहुंचे उनकी बातें सुन संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने दोपहर 2 बजे के बाद भी जनसुनवाई में पहुंचे करीब 30 लोगों के आवेदन लिए उनकी बातें सुनी और तुरंत निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

क्षमता से अधिक रेत परिवहन पर एसडीएम की कार्रवाई ट्रक जब्त

जबेरा (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार दोपहर करीब 2 बजे एक रेत से भरे ट्रक को रोककर उसकी जांच की। कार्रवाई एसडीएम सीजी गिरी के नेतृत्व में की गई। एसडीएम सीजी गिरी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार अवैध रेत परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर ट्रक को रोककर उसके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि ट्रक की निर्धारित क्षमता 15 घन मीटर है जबकि चालक के पास 22 घन मीटर रेत की रॉयल्टी थी और ट्रक में लगभग 25 घन मीटर रेत का परिवहन किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन को देखते हुए ट्रक को सुरक्षा की दृष्टि से थाने में खड़ा कराया गया है। प्रशासन द्वारा मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी तहसीलदार राजेश साहू एवं पटवारी तरुण चौरसिया की भूमिका रही।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विस में नेता प्रतिपक्ष रहे स्व. कैलाश जोशी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए उन्हें सादगी, ईमानदारी और संगठन के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. कैलाश जोशी भारतीय जनसंघ के संस्थापक कार्यकर्ताओं में प्रमुख रहे। उनकी सादगी, सहजता, सरलता, स्पष्टवादिता तथा कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। वे संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को सम्मान देते थे और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते थे। उनका संपूर्ण सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और नैतिक राजनीति का प्रेरणास्रोत रहा। स्व. जोशी का दमोह जिले से विशेष आत्मीय संबंध रहा। वे अनेक अवसरों पर दमोह आए। सर्व ब्राह्मण समाज, दमोह द्वारा उनका तथा जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामजीलाल तिवारी का अभिनंदन किया गया था। उस अवसर पर ब्राह्मण समाज ने बूंदाबहू मंदिर में उनका भव्य स्वागत किया गया था। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1989 के सागर लोकसभा चुनाव सहित कई चुनावों में उन्हें स्व. कैलाश जोशी के साथ पार्टी प्रचार करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सांदीपनि स्कूल परिसर में भारत भारती संगठन का पौधरोपण अभियान

न्यायाधीशों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हटा (स्वतंत्र मत)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से भारत भारती संगठन द्वारा सांदीपनि स्कूल परिसर में पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सिराज अली एवं तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश रामसिंह बघेल रहे। अतिथियों ने पौधरोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। विद्यालय परिवार की ओर से प्रभारी प्राचार्य मनीष चौरसिया एनसीसी अधिकारी पीएन खेमरिया, पूर्व बीईओ बीएस राजपूत समाजसेवी गोवर्धन बीठल तथा पूर्व पार्षद मनीष जैन उपस्थित रहे। भारत भारती संगठन की ओर से अंचल जैन, कंचन चौरसिया एवं विवेक जैन सहित संगठन के सदस्य और विद्यालय के छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने किसानों को वितरित की गई मिश्रित हरी खाद

जबेरा (स्वतंत्र मत)। कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को जबेरा विकासखंड में प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों को मिश्रित हरी खाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों एवं हरी खाद के उपयोग से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग के एटीएम परियोजना संचालक एसएल कुर्मी, बीटीएम श्रीकांत साहू, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह ठाकुर एवं सहायक कृषि विस्तार अधिकारियों की उपस्थिति रही।

निर्माणाधीन भवन की बालकनी के भीतर घिरा बिजली का खंभा

सुरक्षा और एनओसी पर उठे सवाल

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के गांधी वार्ड स्थित बूढ़ा हटा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन भवन में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां भवन की बालकनी के भीतर ही बिजली का खंभा घेर लिया गया है। छत की ढलाई के दौरान खंभे के लिए जगह छोड़ते हुए शेष हिस्से में सीमेंट कंक्रीट कर दिया गया जिससे खंभा भवन का ही हिस्सा बनकर रह गया है। स्थिति यह है कि दूसरे तल पर भी बालकनी के भीतर से ही बिजली का खंभा गुजर रहा है। भवन का निर्माण अभी जारी है, ऐसे में यह मामला सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली के खंभे को भवन के अंदर रखना भविष्य में दुर्घटना का कारण बन सकता है।मामले को लेकर यह सवाल भी उठ रहे हैं कि भवन निर्माण के लिए नगरपालिका से एनओसी अनापत्ति प्रमाण पत्र किस आधार पर जारी किया गया। साथ ही निर्माण के दौरान संबंधित विभागों द्वारा निरीक्षण और निगरानी नहीं किए जाने पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मामले की जांच कर भवन निर्माण और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय की जाए ताकि भविष्य में किसी संभावित हादसे से बचा जा सके।

शासकीय महाविद्यालय जबेरा में निकाली गई जागरूकता रैली

जबेरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय महाविद्यालय जबेरा में बुधवार को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टाफ ने नगर में जागरूकता रैली निकालकर नशामुक्ति के समर्थन में नारे लगाए और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहित कुमार पांडे ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है इसलिए सभी को इससे दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. राकेश तिवारी ने सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफको नशे से दूरी है जरूरी की शपथ दिलाई और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प दिलाया। कायक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश देना था।

अपनों से मत लड़ो, अपनों के लिए लड़ो : विपिन बिहारी

हटा (स्वतंत्र मत)। सकोर में आयोजित सामूहिक सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास गौपीधीश्वर विपिन बिहारी ने बताया कि जिस पर भगवान राम का रंग चढ़ जाता है वह भक्ति में मढ़ जाता है ए राम पर भरोसा होने पर काम क्रोध मद लोभ मोह सब छूट जाता है। उन्होंने बताया कि आज व्यक्ति अपने भाईयों से जमीनी विवाद को लेकर, अपनों से लड रहा है, अपने को कोर्ट कचहरी में घूमा रहा है यह जमीन किसी की नहीं है इसको हम केवल उपयोग कर सकते हैं ।

दमोह जिले के समस्त पटवारी सामूहिक अवकाश पर

पदोन्नति एवं अन्य मांगों को लेकर आंदोलन

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समस्त विभागों के कर्मचारियों को कई वर्षों बाद पदोन्नति किया जा रहा है परन्तु पटवारी वर्ग को प्रदेश में कोई भी पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है जबकि भू-प्रबंधन एवं संसाधन विभाग के ही अन्य कर्मचारियों को पदोन्नति किया जा रहा है। शासन के ऐसे सौतेले एवं भेदभाव पूर्ण व्यवहार के प्रति प्रदेश में पटवारियों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर दिनांक 8 जुलाई 2026 को पूरे प्रदेश में एक साथ समस्त जिलों सहित दमोह जिला में भी मुख्यमंत्री के नाम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कैडल रिव्यू लागू, पदोन्नति, समयमान वेतनमान की मांग, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का आयोजन होना, जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारी वर्ग को शामिल करना, लंबित वित्तीय भुगतान होना एवं अन्य समस्याओं के निराकरण न होने से 8 जुलाई 2026 के पश्चात् 7 दिन की अवधि में शासन से विचार करने हेतु निवेदन किया गया परन्तु कोई विचार न होने से प्रदेश के समस्त पटवारी 15 जुलाई से 17 जुलाई तक तीन दिन के सामूहिक अवकाश पर ज्ञापन के लिखित चरण अनुसार चले गये हैं।

जिसकी सूचना एवं ज्ञापन दमोह जिले की सभी तहसीलों में पटवारियों ने अपने तहसील अध्यक्ष के साथ जाकर तहसीलदार को दे दी है। पटवारी अपने शासकीय कार्य पर सीधे अब सोमवार 20 जुलाई को लौटेंगे चूंकि 18 और 19 जुलाई को शासकीय अवकाश है।

1 किलो 618 ग्राम गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया तथा एसडीओपी कृष्णपाल सिंह के मार्गदर्शन में हटा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा बरामद किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 14 जुलाई को थाना हटा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नीली लोवर और टी.शर्ट पहने एक व्यक्ति पीले-काले रंग का बैग लेकर लालटेक की ओर से हारट की तरफपैदल जा रहा है। सूचना में बताया गया था कि उसके बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ है।

तीन साल में जर्जर हुई आंगनबाड़ी भवन

छत तोड़कर कराई जा रही मरम्मत, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

हटा (स्वतंत्र मत)। नगरपालिका क्षेत्र में करीब तीन वर्ष पूर्व निर्मित 11 आंगनबाड़ी भवनों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आजाद वार्ड स्थित आंगनबाड़ी भवन की छत तोड़कर मरम्मत कराई जा रही है जबकि भवन का निर्माण महज तीन वर्ष पहले हुआ था और पिछले दो वर्षों से यहां आंगनबाड़ी का संचालन हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के समय भी गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। अब इतनी कम अवधि में भवन की मरम्मत की आवश्यकता पड़ना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि मरम्मत कार्य निर्माण एजेंसी करा रही है, गारंटी अवधि के तहत ठेकेदार करा रहा है या फिर नगरपालिका अपने स्तर पर यह कार्य करवा रही है। बताया जा रहा है कि नगरपालिका ने सभी 11 आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत कार्य का एस्टीमेट तैयार किया है। इनमें रंग रोगन सहित अन्य सुधार कार्य कराए जाने हैं जिन पर प्रति भवन लगभग 50 हजार रुपये तक खर्च होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक भवन का निर्माण लगभग छह लाख रुपये की लागत से कराया गया था।

वहीं, नवोदय वार्ड के ककराई तालाब किनारे निर्मित एक आंगनबाड़ी भवन आज तक उपयोग में नहीं आ सका। भवन के लिए स्थल चयन पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि निर्माण के बाद से यहां एक दिन भी आंगनबाड़ी का संचालन नहीं हुआ। कुछ लोग दबी जवान से यह आरोप लगा रहे है कि आंगनवाड़ी निर्माण के दौरान नगर पालिका के कुछ कर्मचारी भी ठेकेदार के साथ पार्टनर थे या कर्मचारी ठेकेदार के नाम से आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण कर रहे थेएइसी कारण से जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं और स्थानीय लोग जांच व कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। नगरपालिका के उपयंत्री जाकिर रंगरैज ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक सुधार कार्यों के लिए एस्टीमेट तैयार किया गया है तथा नियमानुसार मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति हेमलता पटेल पति रामलखन पटेल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 309 चैतन्य सिटी फेस-2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 2000314917 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1510 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राजेश कुमार ठाकरे पिता डी.एल. ठाकरे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मुनेश कुमार पटेल पिता मुद्रिका प्रसाद पटेल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अंवती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 278 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003077161 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 3499 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज (1) मयंक नेहरा पिता विनोद कुमार नेहरा (2) श्री विनोद कुमार नेहरा पिता जी.आर. नेहरा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रामवती देवी पति सुखराम प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक 1361 कांचघर नई बस्ती कब्रिस्तान सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000450512 पर दर्ज भूति का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 700 व.फु., 350 व.फु. प्रथम तल 500 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सुखराम प्रसाद पिता झुन्नीलाल ठाकुर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

30 बिस्तरों वाले अस्पताल में किया जाएगा अपग्रेड

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कैंट विधायक अशोक रोहाणी ने नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज के साथ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरैयाघाट का निरीक्षण किया साथ ही अमृत योजना फेस टू के तहत बन रही नवनिर्मित टंकी का भी निरीक्षण किया। विदित हो कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरैयाघाट 6 बिस्तरों के साथ जनता की स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए बन रहा है। क्षेत्र की जनता की आवश्यकता को देखते हुए विधायक ने पीआईयू यूनिट के कार्यपालन यंत्री मनीष शर्मा को इसे अपग्रेड कर 30 बिस्तरों के अस्पताल बनाने के लिए एस्टीमेट तैयार करने को कहा।

पुलिस पर लगाए लापरवाही बरतने के आरोप

युवक की मौत को लेकर एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। डुमना पुलिस चौकी अंतर्गत महंगवा निवासी नितिन बैगा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में अब भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। छात्रों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए खमरिया थानाप्रभारी राजकुमार खटीक को ज्ञापन सौंपते हुए मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस मौके पर परिजनों सहित गांव के कई लोग मौजूद रहे, जिसमें महिलाएं भी शामिल हुई। एनएसयूआई के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पुलिस की प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नितिन बैगा 8 जून की शाम को रहस्यमय तरीके से घर से लापता हो गया था।

अकादमिक कैलेंडर में छात्रसंघ गठन का प्रावधान स्पष्ट कर न्यायालय को करें सूचित

छात्रसंघ चुनाव पर हाईकोर्ट की सख्ती, दो सप्ताह के भीतर जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2017 से छात्रसंघ चुनाव आयोजित न किए जाने के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से स्पष्ट जवाब तलब करते हुए कड़ा रुख अपनाया है।

बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया एवं न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ के समक्ष इस जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देशित किया कि दो सप्ताह के भीतर शैक्षणिक सत्र 2026-27 का अकादमिक कैलेंडर जारी कर उसमें छात्रसंघ गठन एवं चुनाव संबंधी प्रक्रिया को स्पष्ट किया जाए तथा इसकी जानकारी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अदनान अंसारी की ओर से अधिवक्ता अक्षरदीप ने न्यायालय को अवगत कराया कि प्रदेश सरकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित लिंगदोह समिति की सिफारिशों का प्रभावी अनुपालन करने में विफल रही है। याचिका में कहा गया कि वर्ष 2017 से प्रदेश के शासकीय उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रसंघ गठन की प्रक्रिया पूर्णत: ठप है, जिससे विद्यार्थियों के प्रतिनिधित्व, नेतृत्व विकास के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। इस पर खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा लिंगदोह समिति की अनुशंसाओं का पालन अनिवार्य है। न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की प्रक्रिया से वंचित नहीं रखा जा सकता। वहीं राज्य शासन की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 का अकादमिक कैलेंडर तैयार किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष अकादमिक कैलेंडर में छात्रसंघ गठन का प्रावधान किया जाता है, किन्तु विभिन्न प्रशासनिक कारणों से चुनाव संपन्न नहीं हो सके। उन्होंने न्यायालय को आश्वस्त किया कि इस वर्ष जारी होने वाले अकादमिक कैलेंडर में छात्रसंघ गठन संबंधी प्रावधान का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

बालिग अविवाहित बेटी भी पिता से भरण पोषण की हकदार

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भरण-पोषण से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि बालिग अविवाहित बेटी अपनी आजीविका चलाने में सक्षम नहीं है, तो वह पिता से भरण-पोषण पाने की हकदार है। अदालत ने यह भी कहा कि केवल आवेदन में गलत कानूनी धारा का उल्लेख होने के आधार पर किसी जरूरतमंद को न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता। जस्टिस द्वारकाधीश बंसल की एकलपीठ ने सतना निवासी गंगा सिंह (दिव्यांग) की याचिका खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के अंतरिम भरण-पोषण आदेश को बरकरार रखा और बकाया राशि तत्काल जमा करने के निर्देश दिए। अदालत ने चेतावनी दी कि राशि जमा नहीं करने पर फैमिली कोर्ट वसूली की कड़ी कार्रवाई करे तथा आवश्यक होने पर पिता का बचाव (डिफेंस) भी समाप्त कर दे। सतना में रहने वालीं देवी सिंह और उनकी अविवाहित बेटी रक्षा सिंह ने फैमिली कोर्ट में गुजारा भत्ते के लिए संयुक्त आवेदन दायर किया था। फैमिली कोर्ट ने पत्नी देवी सिंह को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया वैध विवाह साबित नहीं होता, लेकिन बेटी के पक्ष में 2,000 प्रति माह अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश पारित किया था। इसी आदेश को पिता गंगा सिंह ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इन सभी दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि तकनीकी आधार पर न्याय का गला नहीं घोंटा जा सकता।

जबलपुर एसपी 30 दिन के अंदर करें निराकरण

चेन्नई निवासी व्यवसायी पी. दक्षिणामूर्ति ने अपनी 27 वर्षीय बेटी कविता नागार्जुन की मौत को हत्या बताते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका आरोप है कि सेना में मेजर पद पर पदस्थ उनके दामाद डॉ. ओम नागार्जुन और ससुराल पक्ष ने दहेज के लिए कविता की हत्या कर दी और इसे हादसे का रूप देने की कोशिश की। मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने जबलपुर एसपी को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता की शिकायत का 30 दिन के भीतर निराकरण किया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय में कार्रवाई नहीं होती है तो याचिकाकर्ता दोबारा हाईकोर्ट की शरण ले सकते हैं।

याचिकाकर्ता पी. दक्षिणामूर्ति के अनुसार, उनकी बेटी कविता का विवाह 2 मार्च 2025 को तमिलनाडु निवासी डॉ. ओम नागार्जुन से हुआ था। डॉ. ओम नागार्जुन वर्तमान में जबलपुर स्थित जेकेआरआरसी में मेजर के पद पर पदस्थ हैं। पिता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही कविता की 10 जून 2025 को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका कहना है कि हत्या को दुर्घटना बताने की कोशिश की गई। याचिका में दावा किया गया है कि शादी में 100 तोला सोना, 25 लाख रुपए का हीरे का हार, करीब 30 लाख रुपए की कार समेत अन्य महंगे उपहार दिए गए थे। इसके बावजूद अतिरिक्त दहेज की मांग जारी रही और कविता को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा।

नाटा 2026: अब नॉन जीरो परसेंटटाइल स्कोर पर भी मिलेगा बीआर्क में प्रवेश

हितकारिणी कॉलेज ऑफआर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग में एडमिशन शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में करियर बनाने की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए राहतभरी खबर है। काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा जारी नाटा 2026 के दिशा-निर्देशों के अनुसार अब नाटा में किसी नॉन जीरो परसेंटटाइल स्कोर वाले अभ्यर्थी बीआर्क पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। सत्र 2026 में प्रवेश के लिए न्यूनतम रॉ स्कोर की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। हालांकि, अभ्यर्थियों काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा निर्धारित अन्य शैक्षणिक पात्रताओं को पूरा करना आवश्यक होगा।

हितकारिणी आर्किटेक्चर कॉलेज में प्रवेश शुरू

इसी कड़ी हितकारिणी कॉलेज ऑफआर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, जबलपुर में बीआर्क की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। महाविद्यालय ने ऐसे सभी विद्यार्थियों से शीघ्र आवेदन करने का आग्रह किया है, जिन्होंने नाटा परीक्षा में नॉन जीरो परसेंटटाइल स्कोर प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि महाविद्यालय राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध एवं काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से अनुमोदित है। महाविद्यालय में अनुभवी संकाय विशेषज्ञ हैं। साथ ही अत्याधुनिक स्टूडियो, आधुनिक शिक्षण व्यवस्था तथा उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक और गुणवत्तापूर्ण वास्तुकला शिक्षा प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से समय-सीमा के भीतर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी करने और प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए आर्कि. समीर बनोधा के मोबाइल नंबर 9926687851 और आर्कि. प्रियंका विरहा के मोबाइल नंबर 9826609208 पर संपर्क करने कहा है।

फेज-2 काउंसलिंग का शेडयूल

- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 8 से 19 जुलाई 2026 तक
- चॉइस फिलिंग 9 से 23 जुलाई 2026 तक
- रजिस्ट्रेशन संशोधन 20 से 21 जुलाई 2026 तक
- सीएलसी राउंड 29 जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक

बच्चों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मानसून पूर्व तैनाती के तहत जबलपुर के रानीताल स्थित यूथ हॉस्टल में रुकी एनडीआरएफ की 11वीं वाहिनी ने आज रांझी के लक्ष्मी नारायण यादव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को प्राकृतिक व मानवजनित आपदाओं के प्रति जागरूक करना और आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान देना था। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ के प्रशिक्षित बचावकर्मियों ने छात्रों को भूकंप, अचानक आग लगने, बाढ़ की स्थिति और करंट लगने जैसी गंभीर आपातकालीन परिस्थितियों से सुरक्षित बाहर निकलने के तरीके सिखाए। इसके अलावा, दिल का दौरा पड़ने पर दी जाने वाली सीपीआर पद्धति और बुनियादी प्राथमिक उपचार का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। स्कूल के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने इन तकनीकों को बड़े उत्साह के साथ सीखा और खुद भी इसका अभ्यास किया।

एनसीसी आर्मी विंग में हितकारिणी गोविंदगंज स्कूल के 21 विद्यार्थियों का चयन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदगंज के विद्यार्थियों ने एनसीसी चयन प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। 1 एम.पी. सिग्नल कंपनी, जबलपुर द्वारा बुधवार को आयोजित एनसीसी चयन परीक्षा में विद्यालय के 21 विद्यार्थियों का आर्मी विंग के लिए चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में 16 जूनियर डिवीजन एवं 5 जूनियर विंग कैडेट शामिल हैं।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का हिस्सा- राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है, जो विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति, एकता, आत्मविश्वास एवं सेवा भाव का विकास करता है। हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदगंज में संचालित एनसीसी आर्मी विंग के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित सैन्य प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। इसी कड़ी में चयन प्रक्रिया में विद्यालय के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्धारित शारीरिक मापदंडों एवं अन्य चयन मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 21 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया गया।

इनका रहा मार्गदर्शन- यह चयन प्रक्रिया विद्यालय की प्राचार्य ज्योत्सना दीक्षित, उप-प्राचार्य सारिका मिश्रा तथा कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल पंकज गिरि के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। चयन कार्य का संचालन विद्यालय के एनसीसी सेकेंड ऑफिसर दिनेश झारिया एवं 1 एम.पी. सिग्नल कंपनी के अधिकारी पप्पू कुमार ने किया।

युवक का मोबाइल और पर्स लूट ले गये बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत मंडल में प्राइवेट काम करने वाले युवक से स्कूटी सवार तीन बदमाश मोबाईल व पर्स लूट ले गये। उक्त वारदात बरेला के शारदा मंदिर के समीप स्थित बब्बा ढाबा के पास घटित हुई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि डूंडी निवासी 32 वर्षीय चंद्रभान झारिया मप्र विद्युत मंडल शारदा नगर रिछाई में प्राइवेट काम करता है। 12 जुलाई को वह अपनी ड्यूटी करके मोटर साइकिल से अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह बब्बा ढाबा के आगे पहुंचा, उसी समय सफेद रंग की स्कूटी में तीन व्यक्ति आये और उसके बगल में आकर उसे रोक लिया। इसके बाद उसके सामने खड़े होकर बोले कि कैसी गाड़ी चला रहा है, शराब पिया है क्या, कहते हुये स्कूटी सवार उसके पास पहुंचे और उसके हाथ में रखे ओप्पो कम्पनी तथा दूसरे व्यक्ति ने उसकी जेब में रखा पर्स जिसमें 4-5 हजार रूपये रूपये थे, झपट लिया। इतना ही नहीं आरोपी चांदी की अंगूठी भी छीन ले गये।

कल मनाई जाएगी पूर्व महापौर पं. विश्वनाथ दुबे की जयंती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, जबलपुर के गौरव, कर्मयोगी, पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे की 87वीं जयंती नगर निगम के सामने नेहरू उद्यान में दिनाँक 17 जुलाई 2026 को प्रात: 10 बजे उनकी प्रतिमा स्थल पर मनाई जायेगी। इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी शहर वासियों से उपस्थिति की अपील की गई है। विज्ञप्ति में

कहा गया है कि पं. विश्वनाथ दुबे ने महापौर रहते हुए उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हमेंशा अपने शहर जबलपुर के हित की बात की एवं एक भी पैसा मानदेय के रूप में नगर निगम से नहीं लिया। जबलपुर की एतिहासिक मॉडल रोड का निर्माण कर पूरे देश में जबलपुर का नाम रौशन करने वाले, जननेता पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे की 87वीं जयंती समारोह में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, ठा. दीपक सिंह राजपूत, ठा. उमेन्द्र सिंह, श्रीमती सरोज कांडा, श्रीमती ऊषा महाजन, बी.के. तिवारी, उमाकांत चौकसे, कृष्णा गुप्ता, दलवीर सिंह जस्सल, संजय वर्मा, मधु मसीह, कुमुद मुराव, सुरेश हिरस्कर आदि ने की है।

सड़क हादसों पर लगेगी लगाम

कलेक्टर व एसपी ने परखे डेंजर जोन

रिफ्लेक्टर और स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग मुस्तैद हो गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने संयुक्त रूप से बरेला शारदा मंदिर के पास और अंधमूक बाईपास स्थित ब्लैक स्पॉट्स (संभावित दुर्घटना क्षेत्रों) का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार की सख्त जरूरत है। कलेक्टर और एसपी ने मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि संभावित दुर्घटना क्षेत्रों में सड़कों के दोनों किनारों पर पर्याप्त जगह बनाई जाए, ताकि वाहनों को मुड़ने या साइड लेने में आसानी हो। अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि केवल बुनियादी ढांचे में सुधार ही काफी नहीं है, बल्कि आम नागरिकों में सड़क सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता लाना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

मजदूरों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर पलटी

ट्रैक्टर को ओवरटेक करने के दौरान हुआ हादसा, लगभग 40 मजदूर घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के लमकना रोड स्थित आलासूर (सिमरिया) मोड़ के पास बुधवार सुबह करीब 11 बजे मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन में सवार लगभग 40 मजदूर घायल हो गए। सभी मजदूर धान की रोपाई के लिए बहोरीबंद के पास स्थित अमाड़ी गांव से लहोद गांव

जा रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पिकअप चालक ट्रैक्टर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वाहन से उसका नियंत्रण हट गया और पिकअप सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सिविल अस्पताल सिहोरा पहुंचाया गया।

फरार चालक की तलाश कर रही पुलिस- एक साथ बड़ी संख्या में घायल पहुंचने से अस्पताल में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डॉक्टरों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू किया। अधिकांश मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं और सभी की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। घायलों में प्रियंका, लाल चौधरी, मनीषा बाई, जयंती बाई, नंदकिशोर, राजकुमारी, सुदामा बाई, लाली बाई, संतरा बाई, आशीष चौधरी, सविता, गोमती, सुलोचना, राजीव चौधरी, दीपक चौधरी सहित अन्य मजदूर शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही घायलों के परिजन भी बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। सिहोरा पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**